नाइलिट

23ok okf"kd fjikV

2017-2018

रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

jk"Vh; byDVkfudh ,o lpuk ik|kfxdh lLFkku

रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

23वाँ
वार्षिक प्रतिवेदन
2017-18

विषयवस्तु

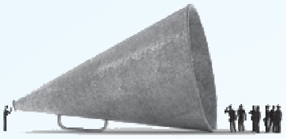
संदेश 04

परिषदें 08

विशेष 16

परियोजनाएं 32

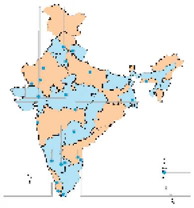
केन्द्र 37

लेखा–परीक्षक 85

लेखा 87

संक्षिप्ताक्षर 132

रवि शंकर प्रसाद
RAVI SHANKAR PRASAD

सत्यमेव जयते

मंत्री
विधि एवं न्याय
एवं
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
भारत सरकार

MINISTER OF
LAW & JUSTICE
and
ELECTRONICS & INFORMATION TECHNOLOGY
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

'डिजिटल इंडिया कार्यक्रम' स्वयं में "जन–आंदोलन" के रूप में परिवर्तित हो गया है तथा यह भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था से ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की दिशा में तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। वर्तमान में, प्रौद्योगिकी पर विशिष्ट ध्यान दिये जाने के साथ ही, कुछ क्षेत्रों जैसे आईटी, आईटीईएस, ई–कॉमर्स, इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण, डिजिटल भुगतान, साइबर सुरक्षा, डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग, ब्लॉक चेन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इत्यादि में महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त हुए हैं।

आज, जनसाधारण देश में उभरती हुई डिजिटल इको–सिस्टम में हिस्सेदारी रखता है चूंकि, डिजिटल प्रौद्योगिकी ने जनसाधारण के जीवन में उनकी सुविधाओं में वृद्धि करते हुए परिवर्तन किया है। डिजिटल इंडिया की भूमिकाओं में से एक पहल यह है कि, जनसाधारण को कम लागत की विभिन्न सेवाएं प्रदान करते हुए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। नाइलिट अपनी सभी क्षेत्रों में अभिगम्यता से आईईसीटी में शिक्षा व प्रशिक्षण प्रदान करते हुए शासन की कार्यक्षमता में अभिवृद्धि करने में प्रमुख भूमिका निभा रहा है।

नाइलिट भारत सरकार के दृष्टिकोण जिसमें डिजिटल सशक्त कार्यबल का गठन व चौथी औद्योगिक क्रांति की चुनौतियों का सामना करने हेतु तैयार रहना शामिल है, को वास्तविक रूप देने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रहा है। मोबाइल एप्स के विकास से 24x7x365 मोड में स्मार्टफ़ोन उपकरणों के माध्यम से नाइलिट की ऑनलाइन सेवाओं की उपलब्धता का सुनिश्चय होने से ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों में कौशल विकास कार्यक्रमों में प्रवेश से नए उदाहरण की शुरुआत हुई है। नाइलिट ने पहले ही बिग डेटा/डेटा एनालिटिक्स, थिंग्स ऑफ इंटरनेट (आईओटी), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में प्रशिक्षण का प्रारम्भ कर दिया है तथा अल्प अवधि "ब्लॉक–चेन प्रौद्योगिकी" पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का शुभारंभ प्रक्रिया में है जिसे, विशिष्ट क्षेत्रों में से एक महत्वपूर्ण क्षेत्र माना गया है।

भारत सरकार का उद्देश्य रोजगार क्षमता से अत्यधिक युक्त होने के लिए गुणवत्तापरक कार्यबल की उपलब्धता का सुनिश्चय करना है। इस संदर्भ में, नाइलिट इस चुनौती का सामना करने के लिए सक्षम है तथा स्तर 2 से 8 तक के विभिन्न स्तरों पर राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के साथ संरेखित किए जा रहे 75 कौशल उन्मुख पाठ्यक्रमों के साथ अग्रणी संस्थान के रूप में उभर कर सामने आया है।

मैं राष्ट्र और इसके नागरिकों के विकास में नाइलिट के योगदान पर शुभकमनाएं देता हूं।

Ravi Shankar Prasad

(रवि शंकर प्रसाद)

Electronics Niketan, 6, C.G.O. Complex, Lodhi Road, New Delhi - 110003
Phone : 011-24369191, 24362626 FAX : 011-24366070

Digital India
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

एस. एस. अहलुवालिया
S. S. AHLUWALIA

सत्यमेव जयते

राज्य मंत्री
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
भारत सरकार
Minister of State
Electronics & Information Technology
Government of India

संदेश

मुझे राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) की 23वीं वार्षिक रिपोर्ट के साथ–साथ वर्ष 2017–2018 के लिए लेखाओं का संपरीक्षित विवरण एवं लेखा–परीक्षक की रिपोर्ट का अवलोकन करते हुए प्रसन्नता हुई है।

'डिजिटल इंडिया' माननीय प्रधानमंत्री जी का विजन है जिसके अंतर्गत डिजिटल सेवाओं, ज्ञान और सूचना की पहुँच का सुनिश्चय करने के साथ ही हर नागरिक को सशक्त बनाना है। माननीय प्रधानमंत्री जी ने सरकारी विभागों को निर्देशित किया है कि वह हमारे देश के प्रत्येक नागरिक को सुशासन प्रदान करें तथा उनका स्वप्न है कि उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं से अवगत भी कराया जाए। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय व इसके संबद्ध संगठन विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से माननीय प्रधान मंत्री जी के डिजिटल इंडिया विजन का प्रसार किए जाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। नाइलिट, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संगठन है, जो डिजिटल इंडिया के लिए भारत सरकार की पहल के क्रम में आवश्यक रोजगार योग्य मानव संसाधन के विकास के लिए गुणवत्तापरक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का संचालन करता है।

मुझे प्रसन्नता है कि नाइलिट ने अन्य क्षेत्रों जैसे भारत सरकार के 'स्किल इंडिया' व मेक–इन–इंडिया कार्यक्रमों में पहल की है जो संभावित रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था को 'ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था' तक पहुंचाने हेतु एक दिशा प्रदान कर रहा है। डिजिटल अर्थव्यवस्था द्वारा इलेक्ट्रॉनिक्स, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी में लाखों रोजगार का सृजन होने की सम्भावना है। नाइलिट द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग और वर्चुअलाइजेशन, इन्टरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), साइबर कानून/सुरक्षा, बिग डेटा एनालिटिक्स, रोबोटिक्स, 3डी प्रिंटिंग, मोबाइल एप्लीकेशन विकास (एंड्रॉइड), ईएसडीएम और संबंधित क्षेत्रों में प्रयास किए जा रहे हैं जो सराहनीय हैं। यहाँ, मैं उल्लेख करूंगा कि देश भर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के साथ नाइलिट ने साइबर–सुरक्षा ऑडिटर्स के क्षेत्र में भी मानव संसाधनों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मैं आश्वस्त हूँ कि नाइलिट बहु–आयामी दृष्टिकोण को अपनाते हुए मौजूदा क्षमताओं में वृद्धि एवं रोजगार क्षमताओं में वृद्धि की दिशा में प्रमुख रूप से डिजिटल इंडिया के विजन को साकार करने में मील का पत्थर सिद्ध होने के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु प्रयास जारी रखेगा।

मैं सभी क्षेत्रों में नाइलिट के विकास और भावी प्रयासों में अत्यधिक सफलता प्राप्त करने की कामना करता हूं।

(एस. एस. अहलुवालिया)

Digital India

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय : इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सी.जी.ओ. कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली-110003, दूरभाष : 011-24368757-58, फैक्स : 011-24360958
Office : Electronics Niketan , 6, C.G.O. Complex, New Delhi-110003, Tel. : 011-24368757-58, Fax : 011-24360958
E-mail : tengrg@gmail.com, ssamin@gov.in, **Website :** www.meity.gov.in

सत्यमेव जयते

अजय साहनी, आई.ए.एस.
AJAY SAWHNEY, I.A.S.

सचिव
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
भारत सरकार
Secretary
Ministry of Electronics &
Information Technology (MeitY)
Government of India

संदेश

इलेक्ट्रॉनिकी तथा सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तेजी से बदलती प्रौद्योगिकी और नवाचार, भारत को डिजिटली सशक्त ज्ञान अर्थव्यवस्था में परिणत होने में बड़ी भूमिका निभा रहा है। नाइलिट 'डिजिटल इंडिया', 'मेक इन इंडिया' और 'स्किल इंडिया' कार्यक्रमों के लिए भारत सरकार की पहल के क्रम में रोजगार–योग्य मानव संसाधन के विकास हेतु गुणवत्तापरक क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है।

डिजिटल क्रांति ही 'चौथी औद्योगिक क्रांति' का दूसरा रूप है जो इंटरनेट और स्मार्ट फोन के माध्यम से प्रौद्योगिकियों की विविधताओं के विलय से प्रेरित है। नए नवाचारों के आधार पर व्यापार मॉडल को नवीनतम प्रौद्योगिकियों में कुशल जनशक्ति की आवश्यकता होगी तथा नाइलिट उन्नत व उभरती हुई प्रौद्योगिकियों में अपने विभिन्न पाठ्यक्रमों के साथ विशिष्ट योगदानकर्ता के रूप में सक्षम है।

यह प्रशंसनीय है कि कुछ वर्षों में, नाइलिट ने 41 केंद्रों के नेटवर्क से पूरे देश भर में अपनी उपस्थिति को दर्ज कराने के साथ अत्यधिक विकास किया है। नाइलिट प्रमाणपत्र स्तर से पीएचडी स्तरीय पाठ्यक्रमों की श्रृंखला के साथ दोनों औपचारिक और अनौपचारिक पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु संकाय व आधारभूत संरचना जैसे सामर्थ्य से युक्त है।

नाइलिट उभरती/भावी प्रौद्योगिकियों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग व वर्चुअलाइजेशन, इन्टरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), साइबर कानून/सुरक्षा, बिग डेटा एनालिटिक्स, रोबोटिक्स, 3डी प्रिंटिंग, मोबाइल एप्लीकेशन विकास (एंड्रॉइड), ईएसडीएम और संबंधित क्षेत्रों में योग्य मानव संसाधन विकास के लिए वचनबद्ध है।

नाइलिट ने एमएआईटी, अमेज़ॅन, गूगल, इंटेल, माइक्रोसॉफ्ट, इत्यादि जैसी अग्रणी औद्योगिक ईकाइयों के साथ परस्पर सामंजस्य से जीआईएस, ई–अपशिष्ट प्रबंध मोबाइल हैंडसेट डिजाइन में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के माध्यम से आंतरिक क्षमताओं में वृद्धि की दिशा में नई शुरुआत भी की है।

मैं कामना करता हूँ कि नाइलिट राष्ट्र की सेवा रूपी अपनी यात्रा में सफलता प्राप्त करे।

(अजय साहनी)

इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सी.जी.ओ. कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली–110003 / Electronics Niketan, 6, C.G.O. Complex, New Delhi-110003
Tel.: 011-24364041 • Fax 24363134 • email : secretary@meity.gov.in

रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा
Dr. Jaideep Kumar Mishra
महानिदेशक
Director General

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (रा.इ.सू.प्रौ.सं.)
National Institute of Electronics and Information Technology (NIELIT)
(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वयत्त वैज्ञानिक संस्था)
(An Autonomous Scientific Society of Ministry of Electronics and Information Technology, Government of India)
6, सीजीओ कॉम्पलेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली– 110 003
6 CGO Complex, Lodhi Road, New Delhi-110 003
दूरभाष / Tele No. : +91-11-24364870, 24363732
ईमेल / E-mail : dg@nielit.gov.in
ट्विटर / Twitter : @NIELITIndia

संदेश

भारत नागरिकों को इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र विशेष रूप से डिजिटल समावेशन पर ध्यान केन्द्रित करने के साथ सशक्त बना रहा है। इस क्रम में, नाइलिट ने उभरती प्रौद्योगिकियों में पाठ्यक्रमों का आरंभ, हिंदी, अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में ई–सामग्री का विकास, दूरस्थ क्षेत्रों में नागरिकों तक सहजता से पहुँच का सुनिश्चय करने के साथ देश की शिक्षा प्रणाली को सुदृढ़ करने हेतु स्मार्ट कक्षा–कक्ष की स्थापना जैसी विभिन्न पहल की शुरुआत की है।

डिजिटली सशक्तीकरण की यात्रा में योगदान दिये जाने के क्रम में, नाइलिट में देश भर में ऑनलाइन माध्यम से परीक्षाओं का संचालन करने हेतु संस्थागत मॉडल्स उपलब्ध हैं। इसने स्वयं को विभिन्न मंत्रालयों/संगठनों/विभागों के लिए भर्ती परीक्षाओं का संचालन करने हेतु ब्रांड–नाम के रूप में स्थापित किया है।

स्वच्छ भारत मिशन में भाग लेते हुए, नाइलिट ने ई–अपशिष्ट प्रबंध परियोजना को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया है जिसके अंतर्गत ई–अपशिष्ट का उचित प्रबंध, संग्रह और पुनरावर्तन पर जागरूकता सृजन हेतु 10 राज्यों में 2000 से अधिक कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया।

शोध व विकास पर, सेमी–कंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल) मोहाली, पंजाब में एरे सिंगल प्रोसेसर के टेप–आउट को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। नाइलिट इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वित्त–पोषित परियोजना में, स्वदेशी रंग डोप्लर अल्ट्रासाउंड मशीन का भी विकास कर रहा है जिसमें प्रीनेटल डायग्नोस्टिक टेकनीक (पीएनडीटी) कंपलाइन्स के साथ स्वदेशी डिजाइन शामिल है।

नाइलिट कौशल और क्षमता निर्माण में अग्रणी संस्थानों में से एक है व विभिन्न कौशल स्तरों में राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के साथ 75 कौशल उन्मुखी पाठ्यक्रमों को अभी तक श्रेणीबद्ध किया है। इन श्रेणियों में नाइलिट ने राष्ट्रीय स्तर के मिशन व कार्यक्रमों का प्रतिपादन किया है।

नाइलिट का वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान टर्न–ओवर 383.47 करोड़ रुपए रहा जो, गत वर्ष रु.347.59 करोड़ था।

नाइलिट डिजिटल रूप से सशक्त राष्ट्र के निर्माण के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की सहायता व मार्गदर्शन से सर्वश्रेष्ठ सेवाए देना जारी रखेगा।

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)

अध्यक्ष, अधिशासी परिषद, नाइलिट

वर्ष	नाम
1995–1996	**प्रो. पी.वी. इंदिरेसन,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1996–1997	**प्रो. पी.वी. इंदिरेसन,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1997–1998	**प्रो. पी.वी. इंदिरेसन,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1998–1999	**प्रो. सी.एस झा,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1999–2000	**प्रो. सी.एस झा,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
2000–2001	**प्रो. सी.एस झा,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
2001–2002	**प्रो. (डॉ.) के.के. अग्रवाल,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
2002–2003	**डॉ. संजय पासवान,** राज्य मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2003–2004	**थिरू दयानिधि मारन,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2004–2005	**थिरू दयानिधि मारन,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2005–2006	**थिरू दयानिधि मारन,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2006–2007	**थिरू ए. राजा, मंत्री,** संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2007–2008	**थिरू ए. राजा, मंत्री,** संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2008–2009	**थिरू ए. राजा, मंत्री,** संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2009–2010	**थिरू ए. राजा, मंत्री,** संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2010–2011	**थिरू ए. राजा, मंत्री,** संचार और सूचना प्रौद्योगिकी (14/11/2010 तक)
	श्री कपिल सिब्बल, मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी (15/11/2010 से)
2011–2012	**श्री कपिल सिब्बल,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2012–2013	**श्री कपिल सिब्बल,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2013–2014	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2014–2015	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2015–2016	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
2016–2017	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
2017–2018	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी

उपाध्यक्ष, अधिशासी परिषद, नाइलिट्

वर्ष*	नाम
2016–17	**श्री पी.पी. चौधरी,** राज्य मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
2017–18	**श्री के जे अलफोन्स,** राज्य मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

अध्यक्ष, प्रबंध बोर्ड, नाइलिट

नाम	से	तक
श्री जे. सत्यनारायण, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	14/03/2012	30/04/2014
श्री आर एस शर्मा, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	01/05/2014	07/08/2015
श्री राकेश गर्ग, भाप्रसे, सचिव, संचार विभाग	08/08/2015	30/08/2015
श्री जे.एस. दीपक, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	31/08/2015	08/02/2016
श्रीमती अरुणा शर्मा, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	08/02/2016	28/07/2016
श्रीमती अरुणा सुंदरराजन, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	29/07/2016	22/06/2017
श्री अजय साहनी, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	23/06/2017	–

मुख्य कार्यकारी अधिकारी/कार्यकारी निदेशक/प्रबंध निदेशक/महानिदेशक, नाइलिट

नाम	से	तक
श्री टी.सी. गुप्त	09/11/1994	26/06/1999
श्री. वी.बी. तनेजा	28/06/1999	04/08/1999
श्री अरिन्दम बोस	05/08/1999	17/07/2000
डॉ. पी.एन. गुप्ता	18/07/2000	30/12/2005
श्री जी.वी. रघुनाथन	31/12/2005	28/09/2006
डॉ. वी.एन. वालीवाडेकर	29/09/2006	28/02/2007
डॉ. बी.के. मूर्ति	01/03/2007	15/07/2007
श्री जी.वी. रघुनाथन	16/07/2007	16/10/2008
डॉ. एस. बिरेन्द्र सिंह	17/10/2008	01/11/2010
डॉ. वी.एन. वालीवाडेकर	02/11/2010	18/08/2011
श्री एन. रवि शंकर, भाप्रसे	19/08/2011	28/08/2011
डॉ. वी.एन. वालीवाडेकर	29/08/2011	31/08/2011
श्री एन. रवि शंकर, भाप्रसे	02/09/2011	03/05/2012
डॉ. अजय कुमार, भाप्रसे	04/05/2012	05/08/2012
डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा	06/08/2012	05/08/2017
श्री राजीव कुमार, आईएफओएस	16/08/2017	19/08/2018

* First time created in 2016

रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

दृष्टि

उद्योग उन्मुखी गुणवत्तापरक शिक्षा व प्रशिक्षण के विकास में अग्रणी होना तथा सूचना इलेक्ट्रॉनिक्स व संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्र में परीक्षा व प्रमाणन हेतु प्रमुख संस्थान के रूप में स्थापित करना।

लक्ष्य

देश के अनौपचारिक संस्थानों के मध्य कम्प्युटर शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन हेतु एकल स्रोत के रूप में स्थापित करना। अधिक संख्या में आईटी पेशेवरों की उपलब्धता के पश्चात, अब देश के सभी क्षेत्रों के साथ–साथ विदेशों में भी, नाइलिट की पहुँच में विस्तार हो रहा है।

अधिशासी परिषद (2017–18)

श्री रवि शंकर प्रसाद
अध्यक्ष
माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
तथा विधि एवं न्याय मंत्री

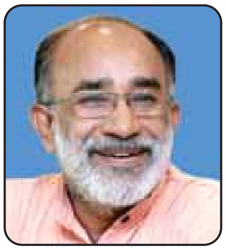

के.जे. अल्फोंस
उपाध्यक्ष
(तत्कालीन) माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
राज्य मंत्री (2017–18)

श्री अजय साहनी
कार्यकारी उपाध्यक्ष
सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना
प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री केवल किशोर शर्मा
सदस्य
सचिव, उच्च शिक्षा विभाग,
एम.एच.आर.डी.

प्रो. अनिल डी. सहस्रबुद्धे
सदस्य
अध्यक्ष, अखिल भारतीय
तकनीकी शिक्षा परिषद

सुश्री अनुराधा मित्रा
सदस्य
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार,
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना
प्रौद्योगिकी मंत्रालय

डॉ. बी. के. मूर्ति
सदस्य
वैज्ञानिक 'जी' व समूह समन्वयक (एचआर)
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
मंत्रालय

श्री राजीव कुमार
सदस्य
संयुक्त सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी
और सूचना प्रौद्योगिकी
मंत्रालय

अधिशासी परिषद (2017–18)

श्री विजय कुमार देव
सदस्य
महानिदेशक (प्रशिक्षण) कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय

श्री आर. चन्द्रशेखर
सदस्य
प्रेसिडेंट, नैसकॉम

प्रो. (डॉ.) केटीवी रेड्डी
सदस्य
अध्यक्ष, इंस्टीट्यूशन ऑफ इलेक्ट्रानिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियर्स

श्री राजेन्द्र एस. पवार
सदस्य
अध्यक्ष, एनआईआईटी लि.

श्री हरि ओम राय
सदस्य
अध्यक्ष, लावा इंटरनेशनल लि.

प्रो. (श्रीमती) गीतिका कपूर
सदस्य
निदेशक, आर.ए. पोद्दार प्रबंध सस्थान, राजस्थान विश्वविद्यालय

श्री टी.के. कुरियन
सदस्य
सीईओ, प्रेमजी इन्वेस्ट

श्री कुणाल बहल
सदस्य
सीईओ, स्नैपडील

श्रीमती देबजानी घोष
सदस्य
नॉन एग्जीक्यूटिव निदेशक, यस बैंक

डॉ. वी.एस. चौहान
सदस्य
अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

श्री राजीव कुमार
सदस्य सचिव
महानिदेशक, नाइलिट

प्रबंध बोर्ड (2017–18)

श्री अजय साहनी
अध्यक्ष
सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना
प्रौद्योगिकी मंत्रालय

सुश्री अनुराधा मित्रा
सदस्य
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना
प्रौद्योगिकी मंत्रालय

डॉ. बी. के. मूर्ति
सदस्य
वैज्ञानिक 'जी' व समूह समन्वयक (एचआर)
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
मंत्रालय

श्री राजीव कुमार
सदस्य
संयुक्त सचिव,
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना
प्रौद्योगिकी मंत्रालय

प्रो. अनिल डी. सहस्रबुद्धे
सदस्य
अध्यक्ष, अखिल भारतीय
तकनीकी शिक्षा परिषद

श्री आर. चन्द्रशेखर
सदस्य
प्रेसिडेंट. नैसकॉम

श्री राजीव कुमार
सदस्य सचिव
महानिदेशक, नाइलिट

वित्त एवं लेखा समिति (2017–18)

श्री राजीव कुमार
अध्यक्ष
महानिदेशक, नाइलिट

सुश्री अनुराधा मित्रा
सदस्य
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना
प्रौद्योगिकी मंत्रालय
अथवा प्रतिनिधि

श्री राजीव कुमार
सदस्य
संयुक्त सचिव,
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना
प्रौद्योगिकी मंत्रालय
अथवा प्रतिनिधि

श्री ए.के. पिपल
सदस्य
निदेशक एवं एचओडी (एचआरडी)
इलेक्ट्रॉनिकी और
सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्रीमती चमन शर्मा
सदस्य सचिव
मुख्य वित्त अधिकारी, (प्रभारी), नाइलिट

मुख्य सतर्कता अधिकारी / कार्यकारी निदेशक / निदेशक / प्रभारी निदेशक

श्री प्रफुल्ल कुमार
सतर्कता अधिकारी, नाइलिट तथा
वरिष्ठ निदेशक, एमईआईटीवाई

डॉ. ए.के.डी. द्विवेदी
गोरखपुर

डॉ. एम.पी. पिल्लै
कालीकट

श्री टी.पी. सिंह
इम्फाल, कोहिमा

डॉ. संजीव कुमार गुप्ता
औरंगाबाद

श्री के. बरुआ
गुवाहाटी

डॉ युमनाम जयंता सिंह
कोलकाता

श्रीमती सुनीता गोयल
चंडीगढ़

डॉ. डी. एस. ओबेरॉय
श्रीनगर / जम्मू

श्री के. एम. मार्टिन
चेन्नई

श्री एन. देबाचन्द्रा सिंह
आइजॉल / ईटानगर

श्री वी. कृष्णमूर्ति
भुवनेश्वर

श्री अरूप चट्टोपाध्याय
गंगटोक

श्री टी.एस. बावा
कुरुक्षेत्र

श्री आलोक त्रिपाठी
पटना

श्री अनुराग माथुर
अगरतला

निदेशक / प्रभारी निदेशक / कुलसचिव / मुख्य वित्त अधिकारी

श्री अनुराग कुमार
हरिद्वार

श्री तपस त्रिवेदी
राँची

डॉ. डी.के. मिश्रा
लखनऊ

श्री राजीव अग्रवाल
शिमला

श्री दीपक वासन
रोपड़

श्री सांतनु बोर्गोहैन
शिलांग

श्री शमीम खान
दिल्ली

श्री संजीव सूरी
अजमेर / पाली

श्री जनक राज
कुलसचिव
लोक शिकायत अधिकारी व
अपीलीय प्राधिकारी

श्रीमती चमन शर्मा
मुख्य वित्त अधिकारी
(प्रभारी)

विशेष

संगठन

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था है। नाइलिट सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) इलेक्ट्रॉनिकी; संचार प्रौद्योगिकी; हार्डवेयर; साइबर कानून; साइबर सुरक्षा; भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस); क्लाउड कंप्यूटिंग; इलेक्ट्रॉनिकी सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम); ई–अपशिष्ट; इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी); बिग डेटा; ब्लॉक चेन; डेटा विश्लेषण; ई–गवर्नेंस व संबंधित क्षेत्रों में क्षमता निर्माण और कौशल विकास के कार्य में सक्रिय रूप से जुड़ी हुई है। यह औपचारिक और गैर–औपचारिक दोनों क्षेत्रों में पाठ्यक्रम संचालन करती है तथा राष्ट्रीय परीक्षा निकायों में से एक है। नाइलिट अनौपचारिक क्षेत्र में पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु संस्थानों/ संगठनों को प्रत्यायन प्रदान करती है। नाइलिट विभिन्न राज्य सरकार के कार्मिकों व जनसाधारण के लिए आईटी साक्षरता कार्यक्रम का भी संचालन कर रही है।

वर्ष 1995 में, नाइलिट (पूर्व में डीओईएसीसी संस्था के रूप में) की शुरुआत हुई। दिसंबर, 2002 में, डीओईएसीसी संस्था में आरसीसी, चंडीगढ़; आरसीसी, कोलकाता व सीईडीटीआई औरंगाबाद, गोरखपुर, कालीकट, इम्फाल, ऐजवाल, तेजपुर/गुवाहाटी व श्रीनगर/जम्मू का विलय हुआ। विलय के पश्चात, संस्था का लक्ष्य इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की मानव संसाधन विकास की एक शाखा के रूप में सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी और संचार के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास और संबंधित कार्यकलापों को कार्यान्वित करना था। अक्तूबर, 2011 में, डीओईएसीसी संस्था का नाम बदलकर राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) रखा गया था।

नाइलिट अधिशासी परिषद के समग्र नियंत्रण एवं दिशानिर्देशों के अंतर्गत कार्य कर रही है। इस परिषद के माननीय केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (इ. व सू.प्रौ.) अध्यक्ष व माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री उपाध्यक्ष हैं। अधिशासी परिषद के अन्य सदस्य सरकार, उद्योग, शैक्षणिक संस्थानों तथा विभिन्न व्यावसायिक निकायों के प्रतिनिधि हैं।

नाइलिट के प्रबंधन बोर्ड की अध्यक्षता इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (भारत सरकार) के सचिव द्वारा की जाती है। प्रबंधन बोर्ड तथा अधिशासी परिषद के निर्णयों का कार्यान्वयन प्रभावी रूप से करने हेतु प्रत्येक नाइलिट केंद्र की एक कार्यकारी समिति है जिसमें राज्य सरकारों, शैक्षिक संस्थानों तथा उद्योगों के प्रतिनिधि सम्मिलित हैं।

नाइलिट की वित्त और लेखा (वि. एवं ले.) समिति के अध्यक्ष, महानिदेशक, नाइलिट हैं जो बजट अनुमान/संशोधित अनुमानों तथा संगठन के वित्तीय मुद्दों/समाधानों की सिफ़ारिश करके अधिशासी परिषद का सहयोग करते हैं। यह समिति संस्थान की संपरीक्षित वार्षिक लेखाओं को अधिशासी परिषद द्वारा पारित किए जाने से पहले उनकी जांच करती है। उन्हें मुख्यालय स्तर पर कुलसचिव, मुख्य वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक व निदेशक (तकनीकी) एवं केंद्र स्तर पर कार्यकारी निदेशक/निदेशक का सहयोग प्राप्त होता है।

नाइलिट के सतर्कता विभाग के प्रमुख मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) हैं, जो इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी हैं। मुख्य सतर्कता अधिकारी को प्रत्येक केन्द्र तथा नाइलिट मुख्यालय के सतर्कता अधिकारियों द्वारा सहयोग प्रदान किया जाता है।

पारदर्शिता तथा जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए संस्थान में जुलाई, 2005 से सूचना का अधिकार अधिनियम के अनिवार्य प्रावधानों को कार्यान्वित किया गया है। सूचना का अधिकार अधिनियम में उल्लिखित अपेक्षाओं के अनुसार, मुख्यालय में लोक सूचना अधिकारी (पीआईओ) तथा सभी नाइलिट केन्द्रों में लोक सूचना अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। सूचना का अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत अनुरोधों पर कार्रवाई करने के लिए आन्तरिक कार्यविधियाँ तैयार की गई हैं और अनिवार्य सूचना नाइलिट की वेबसाइट (www.nielit.gov.in) पर उपलब्ध कराई गई है। सार्वजनिक सेवाओं की प्रदायगी में उत्कृष्टता लाने तथा नागरिकों की शिकायतों का निवारण सार्थक रूप में करने के उद्देश्य से, नाइलिट ने प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग के दिशा–निर्देशों के अनुसार एक लोक शिकायत अधिकारी (पीजीओ) की भी नियुक्ति की है। हिन्दी के प्रयोग के संबंध में संवैधानिक अनुदेशों का अनुपालन नाइलिट केन्द्रों में क्षेत्रवार प्रावधानों के अनुसार किया जा रहा है।

अप्रैल, 2018 की स्थिति के अनुसार, नाइलिट ने पूरे भारत में 40 केन्द्रों अगरतला, ऐजवाल, अजमेर (केकड़ी), अलावलपुर, औरंगाबाद, भुवनेश्वर, कालीकट, चंडीगढ़, चुचुइमंग, चुराचंदपुर, चेन्नई, दिल्ली, डिब्रूगढ़, गंगटोक,गोरखपुर, गुवाहाटी, हरिद्वार, इंफाल, ईटानगर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, कोकराझार, कोलकाता, कुरुक्षेत्र, लेह, लखनऊ, लुंगलेई, पाली, पासीघाट, पटना, रांची, रोपड़, सेनापति, शिलांग, शिमला, सिलचर, श्रीनगर, तेजपुर तुरा, नई दिल्ली स्थित मुख्यालय सहित अपने नेटवर्क के माध्यम से पहुँच का सुनिश्चय किया है। ओ/ए/बी/सी स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण के लिए यह लगभग 825+ प्रत्यायित प्रशिक्षण संस्थानों के एक नेटवर्क से भी जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण के लिए लगभग 8770+ सुविधा केन्द्रों का एक नेटवर्क भी है।

नाइलिट के अपने केंद्र (31 मार्च, 2018 तक की स्थिति अनुसार)

(40 परिचालन + 07 प्रगति में हैं।)

2012 से पूर्व	22	अगरतला, आइजोल, औरंगाबाद, कालीकट, चंडीगढ़, चेन्नई, चुचुइमलंग, दिल्ली, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी, इंफाल, ईटानगर, जम्मू, कोहिमा, कोलकाता, लखनऊ, पटना, शिमला, शिलांग, श्रीनगर, तेजपुर
2012-13	6	अजमेर, जोरहाट, सिलचर, चुराचंदपुर, सेनापति, लेह
2013-14	3	रांची, कोकराझार, लुंगलेई
2014-15	2	अलावलपुर, रोपड़
2015-16	2	पासीघाट, तूरा
2016-17	3	कुरुक्षेत्र, डिब्रूगढ़, भुवनेश्वर
2017-18	2	पाली, हरिद्वार

कौशल विकास तथा क्षमता निर्माण

कौशल विकास दीर्घकालीन विकास प्रक्रिया को प्रेरित करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और यह अनौपचारिक से औपचारिक अर्थव्यवस्था में संचरण की सुविधा प्रदान करने में योगदान दे सकता है। अच्छी तरह कार्य करने के सिद्धान्त तथा मूल्य, कौशल विकास के डिजाइन एवं प्रदायगी के लिए मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं और ये सामाजिक रूप में उचित संचरण का कुशल प्रबंध करने का एक प्रभावी मार्ग है। राष्ट्रीय कौशल विकास नीति का उद्देश्य उन्नत कौशल, ज्ञान तथा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय रूप में मान्यता प्राप्त अर्हता के माध्यम से सभी व्यक्तियों का सशक्तीकरण करना है जिससे वे अच्छा रोजगार प्राप्त कर सकें तथा वैश्विक बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित हो सके। नाइलिट आईईसीटी के क्षेत्र में युवाओं को कौशल प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नाइलिट द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले व्यापक पाठ्यक्रमों में ये शामिल हैं : (क) नाइलिट केन्द्रों द्वारा राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों / तकनीकी बोर्डों के सहयोग से चलाए जाने वाले औपचारिक क्षेत्र के पाठ्यक्रम जैसे कि एमई / एम.टेक, बीई / बी.टेक, एमसीए, बीसीए कार्यक्रम; औरंगाबाद केन्द्र भी इलेक्ट्रॉनिकी के क्षेत्र में पीएचडी कार्यक्रम चलाता है (ख) सूचना प्रौद्योगिकी, हार्डवेयर आदि के चार स्तरों पर अर्थात 'ओ' (आरम्भिक); 'ए' (उन्नत डिप्लोमा); 'बी' (एमसीए के समतुल्य) तथा 'सी' (एम.टेक के समतुल्य) पर अनौपचारिक क्षेत्र के पाठ्यक्रम; प्रमुख क्षेत्रों में अल्पावधि पाठ्यक्रम; तथा देश में डिजिटल साक्षरता के प्रसार के लिए सूचना प्रौद्योगिकी साक्षरता कार्यक्रम; और राज्य सरकारों के कर्मचारियों के सशक्तीकरण के लिए ई–शासन, ई–अपशिष्ट, जीएसटी में विशेष कार्यक्रम। इसके अतिरिक्त, नाइलिट ने सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र की फर्मों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार विशेष रूप से तैयार कौशल विकास कार्यक्रम चलाने की विशेषज्ञता तैयार की है।

भारत सरकार के 'डिजिटल इंडिया', 'मेक–इन–इंडिया' तथा 'स्किल इंडिया' मिशन के अनुसरण में ग्रामीण युवाओं के सशक्तीकरण तथा उनकी आजीविका में अभिवृद्धि करने के प्रयोजन से नाइलिट द्वारा चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमों के कार्यक्षेत्र का विस्तार करने के लिए प्रयास किए गए हैं। इस बात का सुनिश्चय करने पर बल दिया गया है कि नाइलिट द्वारा जो भी नए पाठ्यक्रम तैयार किए जाएँ वे उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप हो ताकि, इन पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण लेने वाले विद्यार्थी औद्योगिक क्षेत्र में आसानी से रोजगार प्राप्त कर सके।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि नाइलिट के पाठ्यक्रम अद्यतन तथा उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप हों, इन पाठ्यक्रमों को सरकारी विनियमों तथा फ्रेमवर्क के अनुरूप बनाने के सक्रिय प्रयास किए जा रहे हैं। **नाइलिट ऐसे अग्रणी संगठनों मे सम्मिलित है जिसने, 75 (इलेक्ट्रॉनिकी में 43 और सूचना प्रौद्योगिकी में 32) पाठ्यक्रमों को एनएसक्यूएफ के साथ सूचीबद्ध किया है।**

''एनएसक्यूएफ योग्यता–आधारित गुणवत्ता आश्वासन ढांचा है जो योग्यता, ज्ञान, कौशल और सीखने के परिणामों के संदर्भ में अर्हता का निर्धारण करता है; चाहे वह औपचारिक, अनौपचारिक या अनौपचारिक शिक्षण के माध्यम से प्राप्त किए गए हों।''

नाइलिट द्वारा एनएसक्यूएफ सूचीबद्ध पाठ्यक्रमों का संचालन

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	स्तर	अवधि
1	कंप्यूटर अवधारणा पर आधारित पाठयक्रम (सीसीसी)	3	80 घंटे
2	'ओ' स्तर	5	480 घंटे
3	'ए' स्तर	6	1550 घंटे
4	'बी' स्तर	7	4150 घंटे
5	'सी' स्तर	8	2700 घंटे
6	इलेक्ट्रॉनिकी उत्पादन डिजाइन में पोस्ट डिप्लोमा	6	1598 घंटे
7	आईओटी में पीजी डिप्लोमा	7	470 घंटे
8	प्रमाणित एंडरोइड एप्स डेवेलपर	5	100 घंटे
9	हार्डवेयर, नेटवर्क व सूचना सुरक्षा (एडीएचएनएस) में उन्नत डिप्लोमा	5	1220 घंटे
10	उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिकी उत्पादों के स्थापन व मरम्मत में डिप्लोमा	4	350 घंटे
11	वेब डिजाइनिंग में प्रमाणित पाठ्यक्रम	3	80 घंटे
12	ऑफिस ऑटोमेशन (सीसीओए) में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	3	80 घंटे
13	सौर ऊर्जा स्थापन, परिचालन व मरम्मत	4	80 घंटे
14	पीसी एसेम्बली व मरम्मत में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	3	80 घंटे
15	लिनक्स, अपाचे, एमवाईएसक्यूएल व पीएचपी में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	5	80 घंटे
16	नेटवर्क विशेषज्ञता (एनएस)	6	780 घंटे
17	बिजली आपूर्ति, इनवर्टर व यूपीएस की मरम्मत व रखरखाव	4	350 घंटे
18	कंप्यूटर अनुप्रयोगों लेखा व प्रकाशन में उन्नत डिप्लोमा	4	200 घंटे
19	अर्डिनों आधारित एम्बेडेड प्रणाली डिजाइन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	4	300 घंटे
20	कंप्यूटर हार्डवेयर रखरखाव (सीएचएम–ओ स्तर) पाठ्यक्रम में डिप्लोमा	4	400 घंटे
21	कंप्यूटर हार्डवेयर रखरखाव व नेटवर्किंग (सीएचएम–ए स्तर) पाठ्यक्रम में उन्नत डिप्लोमा	5	470 घंटे
22	प्रमाणित ग्राफिक डिजाइनर	5	80 घंटे
23	प्रमाणित ऑडियो विजुअल डिजाइनर	5	80 घंटे
24	प्रमाणित 2डी एनिमेटर	5	80 घंटे
25	प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवेलपर	5	200 घंटे
26	मल्टीमीडिया व एनीमेशन प्रौद्योगिकी (ओ स्तर) में डिप्लोमा	5	720 घंटे
27	एलएएमपी का प्रयोग कर वेब अनुप्रयोगों के विकास में उन्नत पाठ्यक्रम	7	240 घंटे
28	प्रमाणित डेटा वैज्ञानिक	6	240 घंटे
29	पीएलसी/एससीएडीए/डीसीएस इंजीनियर–उन्नत डिप्लोमा	5	360 घंटे
30	एम्बेडेड प्रणाली डिजाइन में पीजी डिप्लोमा	6	840 घंटे
31	ईसीजी व आईसीसीयू उपकरणों की मरम्मत व रखरखाव	3	300 घंटे
32	इमेजिंग उपकरण (एक्स–रे व अल्ट्रा साउंड मशीन) की मरम्मत व रखरखाव	3	300 घंटे
33	दंत चिकित्सा उपकरणों की मरम्मत व रखरखाव	3	300 घंटे
34	इलेक्ट्रॉनिकी उत्पाद टेस्टिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	3	360 घंटे
35	व्यक्तिगत कंप्यूटर की एसेम्बली व रखरखाव	3	240 घंटे
36	सौर–एलईडी प्रकाश उत्पाद (डिजाइन व विनिर्माण)	4	350 घंटे
37	घरेलू उपकरणों की स्थापन मरम्मत व रखरखाव	4	350 घंटे

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	स्तर	अवधि
38	दूरसंचार तकनीशियन– पीसी हार्डवेयर व नेटवर्किंग	4	350 घंटे
39	फोटो कोपियर व प्रिन्टर स्थापन व रखरखाव	2	200 घंटे
40	ईएसएम–1 इलेक्ट्रॉनिकी उत्पाद तकनीशियन	4	360 घंटे
41	रोबोटिक कार्यक्रम व रखरखाव में प्रमाणपत्र	4	325 घंटे
42	ऑटोमेशन प्रौद्योगिकी– आधारभूत स्तर	4	240 घंटे
43	ईएसडी–1 इलेक्ट्रॉनिकी उत्पाद डिजाइन समर्थित इंजीनियर	5	432 घंटे
44	ईएसएम–2 इलेक्ट्रॉनिकी उत्पाद पर्यवेक्षक	5	442 घंटे
45	3डी स्कैनिंग व सीएनसी राऊटिंग इंजीनियर (स्तर–5)	5	400 घंटे
46	योगात्मक विनिर्माण/3डी प्रिंटिंग	5	400 घंटे
47	ऑटोमेशन प्रौद्योगिकी–उन्नत स्तर	5	515 घंटे
48	8 बिट माइक्रोकंट्रोलर का उपयोग कर एम्बेडेड प्रणाली डिजाइन	5	400 घंटे
49	वीएलएसआई डिजाइन, उपकरण व प्रौद्योगिकी में पोस्ट डिप्लोमा	5	400 घंटे
50	औद्योगिक उपकरण व ऑटोमेशन प्रणाली में मरम्मत व रखरखाव में डिप्लोमा	5	400 घंटे
51	अस्पताल के उपकरणों की मरम्मत व रखरखाव में पोस्ट डिप्लोमा	5	400 घंटे
52	औद्योगिक ऑटोमेशन प्रणाली डिजाइन में पीजी डिप्लोमा	8	840 घंटे
53	यूनिक्स का उपयोग कर प्रणाली प्रशासन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	6	80 घंटे
54	इलेक्ट्रॉनिकी उत्पाद डिजाइन केआर लिए ईएमआई व ईएमसी प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	6	600 घंटे
55	सिस्टम वेरिलोग व यूवीएम पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	7	320 घंटे
56	प्रिंटेड सर्किट बोर्ड डिजाइन, विश्लेषण व विनिर्माण प्रौद्योगिकी पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	4	250 घंटे
57	जावा एंटरप्राइज़ एडिशन (जेईई) में उन्नत डिप्लोमा	6	420 घंटे
58	रिलाइबिलिटी में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	6	240 घंटे
59	नेट प्रौद्योगिकी में उन्नत डिप्लोमा	6	420 घंटे
60	साइबर फोरेंसिक में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	6	500 घंटे
61	वीएलएसआई डिजाइन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	5	80 घंटे
62	वीआईएसआई भौतिक डिजाइन इंजीनियर में उन्नत डिप्लोमा	7	480 घंटे
63	एम्बेडेड रियल टाइम सिस्टम में पीजी डिप्लोमा	8	840 घंटे
64	सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी में पीजी डिप्लोमा	8	840 घंटे
65	वीएलएसआई व एम्बेडेड हार्डवेयर डिजाइन में पीजी डिप्लोमा	8	840 घंटे
66	इलेक्ट्रॉनिकी प्रणाली डिजाइन व विनिर्माण में पीजी डिप्लोमा	8	840 घंटे
67	डाटा प्रविष्टि व ऑफिस ऑटोमेशन में पीजी डिप्लोमा	4	135 घंटे
68	क्लाउड कम्प्यूटिंग में पीजी डिप्लोमा	8	840 घंटे
69	एंडरोइड अनुप्रयोगों के विकास में उन्नत डिप्लोमा	6	420 घंटे
70	प्रमाणित क्लाउड कम्प्यूटिंग व वर्चुवलाइज़ेशन एक्सपर्ट	6	210 घंटे
71	मैटलेब का उपयोग कर डीएसपी में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	7	80 घंटे
72	एआरएम/कॉर्टेक्स माइक्रोकंट्रोलर का उपयोग कर एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	5	80 घंटे
73	बिगडेटा एनालिटिक्स में उन्नत डिप्लोमा	7	480 घंटे
74	सीआरईओ का उपयोग कर कैड में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	5	100 घंटे
75	लिनक्स का उपयोग कर सिस्टम प्रशासन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	5	80 घंटे

सहयोग एवं समझौता–ज्ञापनों के जरिए सहक्रिया

भविष्य का दृष्टिकोण तैयार के कारण कार्यकलापों का विस्तार तथा अग्रणी एजेंसियों के साथ सहक्रिया का सृजन हुआ है। जिन सहयोगों को विशुद्धतः गैर–अनन्य तथा गैर–वित्तीय आधार पर किया गया है उनमें 'दोनों के लिए लाभदायक' स्थिति का सृजन करने के प्रयासों से विशिष्ट प्रौद्योगिकी को अपनाने तथा नाइलिट के विद्यार्थियों के लिए रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए एक समर्थक फ्रेमवर्क प्राप्त हुआ है। कुछ प्रमुख सहयोग तथा सहमति–ज्ञापन नीचे दिए गए हैं:

गूगल इंक के साथ समझौता–ज्ञापनः नाइलिट ने प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए दिनांक 19.05.2017 को गूगल इंक. यूएसए के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं जिसका उद्देश्य, भारत में एंड्रॉइड ऐप विकास कौशल को बढ़ावा देना है।

डी–लिंक अकादमी के साथ समझौता–ज्ञापनः नाइलिट ने स्किलिंग श्रमशक्ति के क्षेत्र में सहयोग के लिए दिनांक 14.03.2018 को मैसर्स डी–लिंक (इंडिया) लिमिटेड के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू का उद्देश्य डी–लिंक प्रमाणित विशेषज्ञ (डीसीएस) पाठ्यक्रम में नाइलिट संकाय के प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए डी–लिंक द्वारा नामित नाइलिट केंद्रों पर नेटवर्किंग प्रयोगशालाओं की स्थापना करना है। नाइलिट और डी–लिंक के बीच सहयोग से छात्रों, नौकरी के इच्छुक लोगों और पेशेवरों को लाभ होगा, जो नेटवर्किंग क्षेत्र में अपने ज्ञान और रोजगार में वृद्धि करना चाहते हैं।

मालाबार कैंसर केंद्र के साथ समझौता–ज्ञापन, थालासेरीः नाइलिट कालीकट ने मालाबार कैंसर केंद्र (एमसीसी) के साथ दिनांक 18.01.2018 को समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिससे, चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों में अनुसंधान एवं विकास हो सके तथा कैंसर रोगियों को आईटी सॉफ्टवेयर के माध्यम से लाभ मिल सके।

शासकीय कॉलेज, सिक्किम के साथ समझौता–ज्ञापनः सिक्किम के सभी जिलों में आईटी साक्षरता के प्रयास के साथ, नाइलिट गंगटोक ने दिनांक 01.11.2017 को सिक्किम सरकार के उच्च शिक्षा निदेशालय, मानव संसाधन विकास विभाग (एचआरडीडी) के अंतर्गत नामची शासकीय कॉलेज के साथ एक समझौता किया।

मेकर विलेज, कोच्चि के साथ समझौता–ज्ञापनः नाइलिट कालीकट ने दिनांक 10.3.2018 को मेकर विलेज, कोच्चि, केरल, के साथ एक समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जो इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) और केरल सरकार की एक संयुक्त पहल है। इस समझौते का उद्देश्य, नाइलिट के वैज्ञानिकों/इंजीनियरों और मेकर विलेज, संबद्ध उद्योगों आदि के स्टार्ट–अप्स के बीच बातचीत को सुगम बनाना, सहयोग, संयुक्त/सहयोगी कौशल और प्रौद्योगिकी आधारित ईडीपी का संचालन करना, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी क्षेत्र और उद्यमियों के लाभ के लिए और प्रभावी उपयोग के लिए संसाधनों को साझा करना है।

अनुसंधान और अकादमिक सहयोग के लिए आईआईटी, मद्रास के साथ समझौता–ज्ञापनः नाइलिट कालीकट ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) के साथ जैव–चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रणालियों में अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य दोनों संस्थानो में उपलब्ध स्रोतों के प्रभावी उपयोग के माध्यम से विशेषीकृत इलेक्ट्रॉनिक्स डोमेन जैसे जैव चिकित्सा हार्डवेयर, चिकित्सा अल्ट्रा साउंड इमेजिंग आदि क्षेत्रों में अनुसंधान एवं क्षमता निर्माण करना है।

डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (डीआईएटी), पुणे के साथ समझौता–ज्ञापनः नाइलिट कालीकट ने वीएलएसआई और एंबेडेड सिस्टम के पाठ्यक्रम में एम.टेक के संचालन के लिए दिनांक 21.04.2017 को डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (डीआईएटी), पुणे के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

सीएमआईए के साथ समझौता–ज्ञापनः नाइलिट औरंगाबाद और सीएमआईए के बीच एमएजीआईसी सुविधाओं में आच्छादन एवं गति देने हेतु सीएमआईए और नाइलिट दोनों द्वारा निर्धारित मापदंड के अनुसार नाइलिट औरंगाबाद के अंडरग्रेजुएट, पोस्ट–ग्रेजुएट और पीएचडी प्रोजेक्ट्स के विद्यार्थियों से प्राप्त बिजनेस स्टार्टअप विचारों को अभिग्रहण करने की दिशा में दिनांक 16.09.2017 को समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस के साथ समझौता–ज्ञापनः नाइलिट औरंगाबाद ने गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस के साथ दिनाँक 01.03.2018 को समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं जिससे, आईटी सिक्योरिटी एवं डिजिटल फोरेंसिक में संयुक्त रूप से पीजी डिप्लोमा शुरू किया जा सके।

वस्तु और सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) के साथ समझौता–ज्ञापनः नाइलिट ने जीएसटी पोर्टल पर नाइलिट पदाधिकारियों के समन्वय प्रशिक्षण पर संयुक्त प्रयास किए जाने हेतु दिनाँक 24.07.2017 को जीएसटीएन के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। जिसमें विभिन्न नाइलिट केंद्रों के पदाधिकारियों को जीएसटी पोर्टल पर मास्टर ट्रेनर बनाए जाने हेतु प्रशिक्षित किया गया है जो अब, कर दाताओं को प्रशिक्षित कर रहे हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग एवं वैश्विक प्रदर्शनियाँ

नाइलिट के क्षमता निर्माण संबंधी कार्यकलापों के बारे में अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर द्विपक्षीय बैठकों में सक्रिय सहभागिता तथा औद्योगिक दौरों के जरिए प्रकाश डाला गया और इसके परिणामस्वरूप पूरे विश्व के प्रतिष्ठित देशों में नाइलिट को अधिक महत्व प्राप्त हुआ है। इनमें से कुछ प्रयास नीचे दिए अनुसार हैं :

ताइवान में स्मार्टफ़ोन डिज़ाइन पर प्रशिक्षणः नाइलिट ने भारतीय सेलुलर एसोसिएशन (आईसीए) और मीडियाटेक इंडिया के साथ मिलकर ''मेक इन इंडिया'' भारत सरकार की पहल के अंतर्गत स्मार्टफ़ोन डिज़ाइन ट्रेनिंग प्रोग्राम का संचालन किया है। इस कार्यक्रम के लिए, नाइलिट के 04 अधिकारियों ने दिनांक 12 मार्च, 2018 से 2 अप्रैल, 2018 के दौरान ताइवान में 3 सप्ताह के प्रशिक्षण–सत्र में भाग लिया।

जीसीसीएस 2017 में प्रतिभागः नाइलिट को एक पूर्ण सत्र के संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई थी जिसका शीर्षक 'डिजिटल टेक्नॉलॉजीः –''विशेष आवश्यकता वालों के लिए समर्थकारी'' था। साइबर स्पेस (जीसीसीएस) पर ग्लोबल कॉन्फ्रेंस कार्यक्रम को दिनाँक 23–24 नवंबर, 2017 को एयरोसिटी, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था, जो विशेष रूप से विशेष आवश्यकता वालों के लिए समर्थकारी रूप में आईटी पर आधारित था। कार्यक्रम के दौरान, नाइलिट की प्रदर्शनी आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स में विभिन्न कौशल विकास और क्षमता निर्माण के कार्यकलापों का भी प्रदर्शन किया गया था।

सिंगापुर में क्लाउड कम्प्यूटिंग पर प्रशिक्षणः नाइलिट ने मास्टर ट्रेनरों के प्रशिक्षण के लिए अमेज़न के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे जिसमें, एडब्ल्यूएस (अमेज़ॅन वेब सर्विसेज) एजुकेट प्रोग्राम का उपयोग करके क्लाउड कंप्यूटिंग पर प्रशिक्षण दिया गया। एमओयू के अनुपालन में दिनाँक 10 अप्रैल, 2017 से 14 अप्रैल, 2017 तक नाइलिट के कुल 4 पदाधिकारियों ने सिंगापुर में एडब्ल्यूएस पर तीन दिवसीय गहन प्रशिक्षण में भाग लिया था।

उभरते और नवीन रुझानों पर सम्मेलनः नाइलिट, जम्मू ने दिनांक 19 फरवरी, 2018 को गवर्नमेंट कालेज़ ऑफ इंजीनियरिंग (जीसीईटी) तथा आईआईटी खड़गपुर के सहयोग से आयोजित 5 वें राष्ट्रीय सम्मेलन एवं इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी में उभरते और अभिनव रुझान (एनईईआईटीईटी) पर प्रदर्शनी में भाग लिया।

2017–18 के दौरान, नाइलिट परिसरों के भवन का निर्माण

दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों के लाभार्थ उन्हें आवासीय सुविधा सहित उत्कृष्ट मूलसंरचना उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने देश के विभिन्न भागों में स्थित नाइलिट केन्द्रों के स्थायी परिसरों की स्थापना का अनुमोदन प्रदान किया। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा अनुमोदित नाइलिट केन्द्रों के अतिरिक्त, नाइलिट ने भी अपनी ही समेकित राशि से अपने द्वारका, नई दिल्ली स्थित मुख्यालय भवन का निर्माण पूर्ण करवाया। नए केन्द्रों ने दूरस्थ क्षेत्रों तक नाइलिट की पहुँच का विस्तार करने में सहायता की, जहाँ इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में अच्छे प्रतिष्ठित अन्य संस्थान नहीं हैं। वर्ष 2017–18 के दौरान, निर्मित/निर्माणाधीन भवन परियोजनाओं की सूची, नीचे दिए अनुसार हैः

नाइलिट पटना – इस परियोजना को अक्टूबर, 2012 में अनुमोदित किया गया था और दिसंबर, 2014 में लागत में संशोधन किया गया था। भवन का उद्घाटन श्री रविशंकर प्रसाद, माननीय केंद्रीय मंत्री (ई एवं आईटी, वि एवं न्या) की गरिमामय उपस्थिति में श्री नीतीश कुमार, माननीय मुख्यमंत्री, बिहार द्वारा आईईसीटी संबंधित कौशल विकास और क्षमता निर्माण गतिविधियों के लिए दिनाँक 26 फरवरी, 2018 को किया गया था। केंद्र ने जुलाई, 2018 से नए भवन में परिचालन शुरू किया है।

नाइलिट मुख्यालय द्वारका, नई दिल्ली में भवन – नाइलिट मुख्यालय को वर्ष 2002 में द्वारका, नई दिल्ली में भूमि आवंटित की गई थी और वर्ष 2007 में सीपीडब्ल्यूडी को निर्माण–कार्य सौंपा गया था। भवन का निर्माण–कार्य वर्ष 2015 में प्रारम्भ हुआ था। **'नाइलिट भवन', मुख्यालय के नए भवन का उद्‌घाटन माननीय केंद्रीय मंत्री श्री रवि शंकर प्रसाद, (ई एवं आईटी, वि एवं न्या) द्वारा दिनांक 06 मई, 2017** को किया गया था। यह उल्लेखनीय है कि, मई, 2015 में भवन का शिलान्यास किया गया था और इस प्रकार ''नाइलिट भवन'' का निर्माण 2 साल से भी कम समय में पूर्ण हुआ। नाइलिट मुख्यालय की गतिविधियां सितंबर, 2017 से भवन से संचालित हुईं हैं।

नाइलिट अगरतला – इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इस परियोजना को मार्च, 2008 में अनुमोदित किया था किन्तु, जनवरी, 2013 में परियोजना की लागत में संशोधन किया गया। लागत में संशोधन के पश्चात निर्माण का कार्य आरम्भ किया गया तथा भवन तैयार हो गया है। केन्द्र ने नए भवन में अपना कार्य जनवरी, 2016 से शुरू किया है। भवन को आईईसीटी से संबंधित कौशल विकास तथा क्षमता निर्माण के कार्यकलापों के लिए माननीय केन्द्रीय राज्यमंत्री (इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी तथा विधि एवं न्याय), श्री पीपी चौधरी ने दिनांक 26 अप्रैल, 2017 को राष्ट्र के नाम लोकार्पित किया।

नाइलिट कोलकाता – इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इस परियोजना को फरवरी, 2009 में अनुमोदित किया था जिसका निर्माण–कार्य जुलाई, 2013 में ही आरम्भ किया जा सका। नाइलिट कोलकाता अक्तूबर, 2017 से इस भवन में कार्य कर रहा है। भवन अब राष्ट्र को लोकार्पण के लिए तैयार है।

केंद्रों में प्रयोगशालाएं

नाइलिट की प्रशिक्षण प्रणाली की क्षमता इसके अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे में निहित है। नाइलिट केंद्रों में अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ है जिनके कारण नाइलिट संबंधित राज्यों में प्रतिष्ठित संस्थान है। आधुनिक उपकरणों से लैस होने से प्रयोगशालाएं विद्यार्थियों के लिए एक वरदान के रूप में कार्य करती हैं जो उन्हें अपने विषयों को अधिक गहनता से अध्ययन करने में सहायता करती हैं। इसका उद्देश्य प्रशिक्षण के मध्यम से विद्यार्थियों को विषय की संकल्पना और व्यावहारिक समझ प्रदान करना है। नाइलिट केंद्रों में कुछ अत्याधुनिक स्थापित प्रयोगशालाएं है जोकि, नवीनतम प्रणाली और विकसित उपकरणों से लैस हैं, इस संबंध में संक्षिप्त विवरण इस प्रकार हैः—

चिकित्सीय इलेक्ट्रॉनिकी आर एंड डी प्रयोगशाला : नाइलिट कोहिमा, अगरतला और शिलांग में अत्याधुनिक मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स आरएंडडी प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं ताकि, राज्यों के अस्पतालों को चिकित्सीय इलेक्ट्रॉनिकी उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव की सेवाएं प्रदान की जा सके। नाइलिट सरकारी और निजी अस्पतालों के पैरा–मेडिकल और मेडिकल स्टाफ को प्रशिक्षण भी दे रहा है ताकि अस्पताल के खराब उपकरणों के कारण होने वाली समस्याओं को कम किया जा सके।

नाइलिट अगरतला

नाइलिट सिलचर

नाइलिट कोहिमा

नाइलिट कालीकट

पीएनडीटी प्रणाली के साथ स्वदेशी कलर डॉपलर अल्ट्रासाउंड स्कैनर : नाइलिट कालीकट प्रीनेटल डायग्नोस्टिक तकनीक (पीएनडीटी) कम्प्लायंस के साथ स्वदेशी कलर डॉपलर अल्ट्रासाउंड विकसित कर रहा है। भारत में अलक्ष्यपूर्ण कारणों से महिला भ्रूण का गर्भपात हो रहा है जिस कारण से, महिला जनसंख्या कम होती जा रही है और यह बहुत गंभीर सामाजिक असंतुलन का कारण है। इस मशीन का उपयोग कर पीएनडीटी प्रणाली रिपोर्ट उत्पन्न करेगा जिससे जाँचकर्ता अधिकारी कन्या भ्रूण हत्या के पैटर्न की जाँच कर सकते हैं। मशीन में विशिष्ट आईडी है और मशीन के किसी भी गतिविधि को इनबिल्ट जीपीएस सुविधा के साथ स्वचालित रूप से ट्रैक किया जा सकता है। मशीन स्कैनिंग के दौरान डॉक्टर और मरीज के आधार पहचान–पत्र पर आधारित प्रमाणीकरण का भी समर्थन करती है। परियोजना का विकास ग्रामीण भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए वरदान सिद्ध होगा।

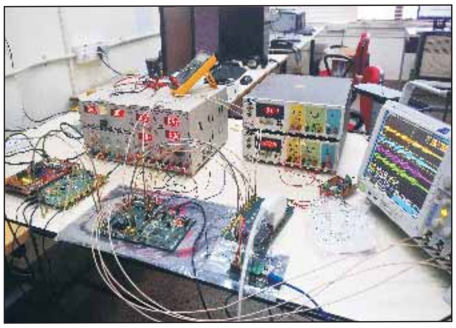

अल्ट्रासाउंड शोध प्रयोगशाला : नाइलिट कालीकट ने जटिल अल्ट्रासाउंड सिग्नल प्रोसेसिंग एल्गोरिदम को मान्य करते हुए मेसर्स वेरासोनिक्स यूएसए से अल्ट्रासाउंड अनुसंधान संयंत्र के साथ अल्ट्रासाउंड अनुसंधान प्रयोगशाला की स्थापना की है। इस अल्ट्रासाउंड अनुसंधान संयंत्र के साथ प्रयोगशाला में टेस्ट भी होता है जिसमें डाटा अधिग्रहण और इसके परीक्षण के लिए सभी सिस्टम बोर्डों के साथ बेंच अल्ट्रासाउंड रिसीवर और ट्रांसमीटर सिस्टम के लिए उपकरण भी है। परीक्षण सेट–अप में एएफई बोर्ड, उच्च वोल्टेज पर बिजली की आपूर्ति, टीजीसी बोर्ड पल्सर ईवीएम, पीएम बस ईवीएम आदि शामिल है। सेट–अप का उपयोग सेंसर से एंड–टू–एंड सिग्नल श्रृंखला को मान्य करने के लिए किया जा सकता है और

एलवीडीएस, पीसीआई आदि जैसे उच्च गति इंटरफेस का परीक्षण भी कर सकता है। सेट–अप टेस्ट पीसी आधारित जीयूआई का भी अलग–अलग बोर्डो के कॉन्फ़िगरेशन का समर्थन करता है।

एंबेडेड प्रणाली एवं आईओटी प्रयोगशाला : नाइलिट कालीकट में अत्याधुनिक एंबेडेड प्रणाली और आईओटी प्रयोगशाला है। प्रयोगशाला अच्छी तरह से विभिन्न प्रकार के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर टूल से लैस है जैसे माइक्रो–कंट्रोलर डेवलपमेंट बोर्ड, माइक्रोचिप, एनएक्सपी सेमीकंडक्टर, डीएसपी डेवलपमेंट बोर्ड, माइक्रो–कंट्रोलर बेस्ड ट्रेनर किट– अर्डिनों यूनोमेगा सीरीज़, ईएसपी 8266, ईएसपी–32, टीआई–एमएसपी–430 सीरीज़, इंटेल गैलीलियो, बीबीबी, रास्पबेरी पीआई आदि। प्रयोगशाला में सॉफ्टवेयर टूल्स और आईडीई जैसे डब्ल्यूआईएसई–51, डब्ल्यूआईएसई –196 (इन–हाउस विकसित), एआरएम– केल, एम पी लैब, एआरएम–डीएस–5, टीआई के सीसीएस, एनालॉग डिवाइसेस– दृश्यात्मक डीएसपी ++ आदि के सैट से युक्त है। इसी प्रकार से कमर्शियल आरटीओएस लाइसेंस–वीएक्स वर्क्स, आरटीलाइनेक्स और ओपन आरटीओएस–फ्री आरटीओएस, चिबिआरटीओएस, कोंटिकी, एमबेडओएस आदि भी उपलब्ध हैं।

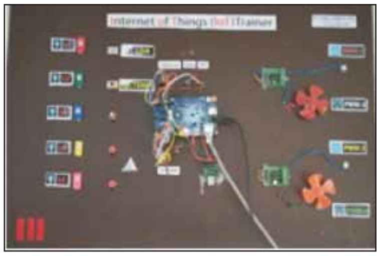

नाइलिट गोरखपुर

3डी प्रिंटिंग प्रयोगशाला : नाइलिट गोरखपुर में 3डी प्रिंटिंग प्रयोगशाला के साथ 3डी प्रिंटर मशीन, 3डी स्कैनर और क्रेओ 3.0 डिजाइन सॉफ्टवेयर उपकरण उपलब्ध हैं। 3डी प्रिंटर मशीन का उपयोग तेजी से प्रोटोटाइप के लिए किया जाता है जबकि 3डी डिजाइनिंग और रिवर्स इंजीनियरिंग के लिए 3डी स्कैनर और क्रीओ टूल का उपयोग किया जाता है।

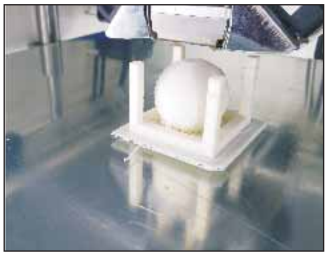
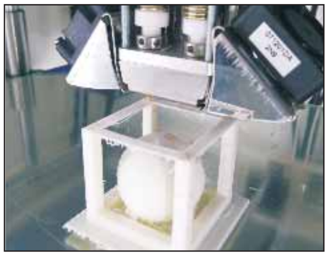
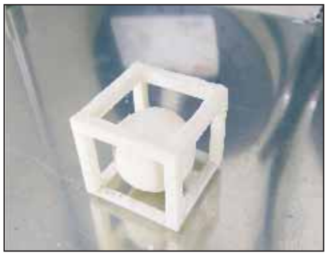

रोबोटिक्स और आईओटी प्रयोगशाला: रोबोटिक्स और आईओटी प्रयोगशाला अच्छी तरह से विभिन्न सॉफ्टवेयर टूल्स जैसेकि प्रोटियस, ऑरकार्ड, मैटलेब के साथ सिमुलिंक और मॉडलिम से लैस है। प्रयोगशाला एआरएम कॉर्टेक्स ट्रेनर किट, एआरएम ट्रेनर किट, एआरएम 7 ट्रेनर किट जैसे हार्डवेयर टूल्स, पीआईसी माइक्रोकंट्रोलर आधारित ट्रेनर किट, एवीआर सीरीज माइक्रो–कंट्रोलर मूल्यांकन बोर्ड आदि से लैस है।

नाइलिट कोहिमा

साइबर फोरेंसिक अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला: नागालैंड में अपनी तरह का पहला अत्याधुनिक साइबर फोरेंसिक अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला और प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करने वाला नाइलिट कोहिमा कानून प्रवर्तन एजेंसियों को प्रशिक्षण और फोरेंसिक विश्लेषण सेवाएं प्रदान करके उत्तर पूर्व क्षेत्र के लिए संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करता है। अब तक 404 कानून प्रवर्तन एजेंसियों को डिजिटल फोरेंसिक और आईटी अधिनियम में प्रशिक्षित किया गया है। अब तक फॉरेंसिक लैब को भेजे गए 80 साइबर अपराध से जुड़े मामले सुलझ चुके हैं। मामले के विवरण, स्थिति, प्रकार और प्रदर्शनियों की संख्या, आईओ विवरण आदि जैसे मामलों के प्रबंधन के लिए साइबर क्राइम केस मैनेजमेंट सिस्टम भी विकसित और स्थापित किया गया है।

नाइलिट पटना

ऑरकार्ड प्रयोगशाला: ऑरकार्ड प्रयोगशाला पीसीबी डिजाइन और परीक्षा के लिए है जो योजनाबद्ध प्रबंधक (कैप्चर), एनालॉग/मिक्स्ड–सिग्नल सर्किट सिम्युलेटर (पीएसपीक) और एक पीसीबी बोर्ड लेआउट व्यवस्था (पीसीबी डिज़ाइनर प्रोफेशनल) सम्मिलित करती है।

इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला : इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला वर्तमान औद्योगिक व्यवहारिकताओं के अनुसार इलेक्ट्रॉनिकी हार्डवेयर और उत्पादन के क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए स्थापित की गई है। नवीनतम उपकरण और सुविधाएं विभिन्न उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के सर्किट डिजाइनिंग, परीक्षण, मरम्मत और रखरखाव के लिए उपलब्ध हैं।

नाइलिट गुवाहाटी

एंटी–स्पैम समन्वय केंद्र : एंटी–स्पैम सुविधा को स्पैम मेल के संदर्भ में सूचना के संग्रह, विश्लेषण और विनिमय के लिए फ्रेमवर्क के साथ स्थापित किया गया है। इस उद्देश्य के लिए रिले मेल सर्वरों का अनुकरण करने वाले स्पैम–बॉट स्थापित किए गए हैं। इस प्रकार के मेल की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए एकत्र किए गए स्पैम मेल का विश्लेषण किया जाता है और श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है जोकि विश्लेषण के आधार पर, अंतरराष्ट्रीय व्यवहारिकताओं के अनुसार साझा करने योग्य डेटाबेस तैयार किया गया है।

नाइलिट अगरतला

सूचना और एनडब्ल्यू सुरक्षा प्रयोगशाला : नाइलिट अगरतला में सूचना सुरक्षा और सिस्को प्रयोगशाला की एक उत्तम सुसज्जित बुनियादी व्यवस्था है। प्रयोगशाला उच्च अंत एचपी ब्लेड सर्वर, सिस्को 2960 एल3 प्रबंधित स्विच, सिस्को राउटर 1940 सीरीज, एएसए 5506 सर्वर, सर्वर रैक, एनएएस, एनकम्प्यूटिंग अवसंरचना, वीसेंटर के साथ वीएमवेयर वर्चुअलाइजेशन सर्वर, लाइसेंस प्राप्त माइक्रोसॉफ्ट सर्वर, लैपटॉप के साथ पोर्टेबल वर्चुअल प्रशिक्षण पर्यावरण सर्वर से युक्त है।

नाइलिट औरंगाबाद

सीएडी / सीएएम लैब : सीएडी / सीएएम प्रयोगशाला नवीनतम मशीनों से युक्त है और वर्तमान औद्योगिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए फ्लैगशिप सीएडी / सीएएम सॉफ्टवेयर पैकेज और उच्च अंत सीएडी / सीएएम वर्कस्टेशन हैं। प्रयोगशाला का उद्देश्य सीएनसी मशीनों, सीएडी पैकेजों के संचालन में शामिल इंजीनियरों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाना है और उन लोगों के लिए जो इस क्षेत्र में दूसरों को प्रशिक्षण प्रदान करना चाहते हैं। यह सीएडी / सीएएम और सीएनसी मशीनों, 3डी प्रिंटिंग, रिवर्स इंजीनियरिंग, कंप्यूटर इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग और इंडस्ट्रियल रोबोट्स के क्षेत्र में एक्सपोजर और ऑन–हैंड अनुभव प्रदान करता है।

नाइलिट इम्फ़ाल

मैकेनिकल वर्कशॉप : नाइलिट इम्फाल में मैकेनिकल वर्कशॉप के लिए उत्तम सुसज्जित बुनियादी ढांचा उपलब्ध है। कार्यशाला विभिन्न मशीनों जैसेकि लाथे, मिलिंग मशीन, रेडियल ड्रिलिंग मशीन, हाइड्रोलिक शीट मेटल बेंडिंग मशीन, वेल्डिंग मशीन आदि से

सुसज्जित है। डिप्लोमा इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने के अतिरिक्त, नाइलिट इम्फाल ने कारीगरों के लिए पीतल और एल्यूमीनियम की छोटी टर्निंग मशीनों का डिजाइन और निर्माण किया है। केंद्र ने उद्यमियों और लघु उद्योगों की मांग के अनुसार धातु के बाड़ों का डिजाइन और निर्माण भी किया है। सांचें और डाइस इत्यादि का निर्माण और मरम्मत भी की जाती है। केंद्र ने स्थानीय उद्योगों की मौजूदा मशीनों को डिजाइन और विकसित करने के लिए स्थानीय उद्योगों के साथ एक समझौता– ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

डिजिटल साक्षरता

भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए 'डिजिटल इंडिया' अभियान के अंतर्गत सुनिश्चित करना है कि सरकार की सेवाओं को इलेक्ट्रॉनिकी रूप से ऑनलाइन बुनियादी ढांचे में सुधार करके और इंटरनेट कनेक्टिविटी को बढ़ाकर या प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में देश को डिजिटल रूप से सशक्त बनाकर नागरिकों को उपलब्ध कराया जाता है। डिजिटल साक्षरता से तात्पर्य विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे कि स्मार्ट फोन, लैपटॉप, डेस्कटॉप आदि के माध्यम से स्पष्ट जानकारी को खोजने, मूल्यांकन, उत्पादन और संचार करने की किसी व्यक्ति की क्षमता से है। डिजिटल साक्षरता लोगों को उनकी दैनिक दिनचर्या के पूरक प्रौद्योगिकी का उपयोग करने और अधिक उत्पादक बनने में सहायता करती है।

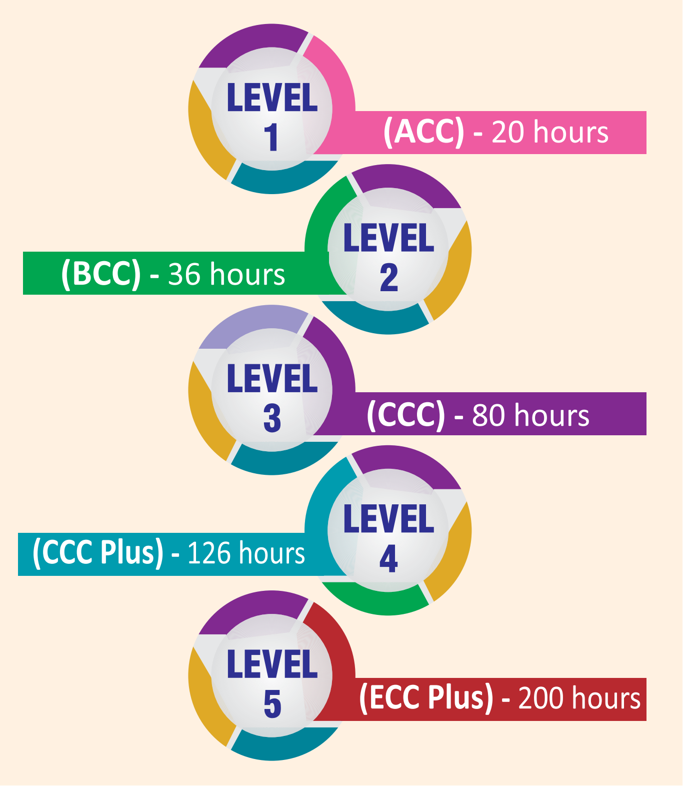

इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एचआरडी शाखा के रूप में नाइलिट अपने आईटी साक्षरता पाठ्यक्रमों के माध्यम से डिजिटल डिवाइड के बीच दूरियों को कम करने का प्रयास कर रहा है, जिससे युवाओं विशेषकर समाज के वंचित वर्ग के लोगों को रोजगार प्राप्त हो सके। नाइलिट में डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमों की एक श्रृंखला है, अर्थात् कंप्यूटर अवधारणाओं में जागरूकता (एसीसी–20 घंटे), बेसिक कम्प्यूटर कोर्स (बीसीसी–36 घंटे), कोर्स ऑन कंप्यूटर कॉन्सेप्ट (सीसीसी– 80 घंटे), कोर्स ऑन कंप्यूटर कॉन्सेप्ट प्लस (सीसीसी प्लस–126 घंटे), विशेषज्ञ कंप्यूटर कोर्स (ईसीसी– 200 घंटे) जो देश में डिजिटल साक्षरता के प्रभावी प्रसार के लिए अनुशंसित हैं और कई राज्य सरकारों ने भी इन पाठ्यक्रमों को रोजगार/पदोन्नति/वेतन वृद्धि के उद्देश्यों के लिए मान्यता दी है। **नाइलिट के डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमों को वित्तीय समावेशन (वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विकसित) पर लगभग 1.5 घंटे के मॉड्यूल के साथ बाद में सम्मिलित किया गया है।**

नाइलिट के डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम, विशेष रूप से बीसीसी/सीसीसी को विभिन्न राज्य सरकारों/सरकारी विभागों जैसे कि अरुणाचल प्रदेश, बिहार, चण्डीगढ़, दमन एवं दीव, गुजरात, महाराष्ट्र, मिज़ोरम, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, सीजीए का कार्यालय, डीजीईएण्टी आदि द्वारा भर्ती/सेवाकालीन पदोन्नतियों/प्रोत्साहन आदि के लिए स्वीकार किया जाता है।

24x7 अधिगम की सुविधा प्रदान करने के लिए, सीसीसी की पाठ–सामग्री 25 भाषाओं में तैयार की गई है तथा नाइलिट की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है। जहाँ तक क्लासरूम प्रशिक्षण का संबंध है, इस पाठ्यक्रम को पूरे देश में 8770+ से ज्यादा सुविधा केन्द्रों द्वारा चलाया जाता है। इसके अलावा, पाठ्यक्रम के लिए प्रतिमाह परीक्षा चक्र का आयोजन पूरे देश में 150 से ज्यादा परीक्षा केन्द्रों द्वारा किया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम को पूरी तरह से ऑनलाइन प्रणाली द्वारा शासित किया जाता है अर्थात परीक्षा के लिए विद्यार्थियों का पंजीकरण, परीक्षा शुल्क की प्राप्ति, परीक्षा का आयोजन, परिणामों की घोषणा तथा डिजिटल रूप में हस्ताक्षरित ई–प्रमाण पत्र जारी किया जाना। औसतन 60,000 से ज्यादा विद्यार्थी डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमों की मासिक आधार पर आयोजित की जाने वाली ऑनलाइन परीक्षा चक्रो में बैठते हैं।

वर्ष 2017–18 के दौरान, विशेष उपलब्धियां

- नाइलिट उत्तर–पूर्व राज्यों के राज्य सरकारी कार्मिकों के लिए ''आईटी और डिजिटल सेवाओं (डिजिटल भुगतान और जीएसटी सहित) में क्षमता निर्माण'' नामक एक परियोजना का कार्यान्वयन कर रहा है। इस संबंध में, **पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (एमडोनर)** ने उत्तर पूर्व राज्य सरकार के 10000 पदाधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए रु.6,83,70,000/– की मंजूरी दी है। जिनमें से रु.3,41,85,000/– पहले ही जारी किए जा चुके हैं। इसका उद्देश्य उत्तर पूर्व क्षेत्र के राज्य सरकारी कार्मिकों

को विशेष रूप से शासकीय कार्य में डिजिटल कौशल जैसे डिजिटल साक्षरता, डिजिटल भुगतान, ई–गवर्नेंस सेवाएं और जीएसटी प्रशिक्षण व आईटी के नियमित उपयोग में सुविधा तथा जीवन में डिजिटल सेवाएँ प्रदान करके उनके आईटी कौशल

में वृद्धि करना है। दिनांक 31 मार्च, 2018 तक, कुल 1663 राज्य सरकारी कार्मिकों को सभी आठ (08) भाग लेने वाले उत्तर पूर्वी राज्यों में प्रशिक्षित किया गया है।

- दिनांक 26 जून, 2017 को नाइलिट भवन, नई दिल्ली में प्रशासनिक और वित्तीय मामलों में जागरूकता सृजन करने के लिए एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में विभिन्न नाइलिट केंद्रों के प्रशासन व वित्त स्कंध के लगभग 30 पदाधिकारियों ने भाग लिया।

- आईसी का डिजाइन/ निर्माण करने और अनुप्रयोग के निर्माण में उसी का उपयोग करने के लिए इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रोद्योगिकी मंत्रालय के चिप से सिस्टम डिज़ाइन C2SD परियोजना के अंतर्गत, नाइलिट कालीकट ने सेमी–कंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल) मोहाली में टेप–आउट ऑफ़ अर्रे सिग्नल प्रोसेसर को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। चिप के अन्य 3 माह में परीक्षण के लिए उपलब्ध होने की आशा की जाती है।

- ई–यन्त्र पर प्रशिक्षण में भाग लेने और रोबोटिक्स लैब स्थापित करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए, नाइलिट गोरखपुर ने ई–यन्त्र प्रयोशाला की स्थापना की पहल (ई–एलएसआई) कार्यक्रम के अंतर्गत प्रयोगशाला स्थापित की है। 2 सप्ताह, 4 सप्ताह और 6 सप्ताह की अवधि के साथ "रोबोटिक्स" पर विभिन्न अल्पकालिक पाठ्यक्रम, नाइलिट गोरखपुर में शुरू किए गए थे।

- नाइलिट श्रीनगर ने भारतीय सेना के **ऑपरेशन सद्भावना** के अंतर्गत स्थानीय युवाओं के लिए 19 फरवरी से 10 मार्च, 2018 तक कंप्यूटर हार्डवेयर, मरम्मत और सेवाओं पर एक माह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस पुनर्निर्माण पहल ने स्थानीय युवाओं के सामाजिक–आर्थिक जीवन को बेहतर बनाने में सहायता करने हेतु हाथ बढ़ाया।

- नाइलिट पटना बिहार राज्य के 12 जिलों में बेसिक कंप्यूटर साक्षरता और स्मार्ट फोन के उपयोग 'पर बिहार ग्राम पंचायत के 3104 निर्वाचित पीआरआई सदस्यों को प्रशिक्षित करने के लिए एक परियोजना को लागू कर रहा है।

- साइबर अपराध मामले प्रबंधन प्रणाली वेब आधारित साइबर अपराध मामले प्रबंधन प्रणाली को श्री राजीव कुमार, तत्कालीन महानिदेशक, नाइलिट ने नाइलिट कोहिमा में 12 अक्टूबर, 2017 को प्रारम्भ किया ताकि मामले की रिपोर्ट को कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से व्यवस्थित और प्रबंधित किया जा सके।

- नाइलिट केंद्र, दिल्ली ने दिल्ली के संवाद और विकास आयोग (डीडीसी) के लिए द्विभाषी वेबसाइट का डिजाइन और विकास किया है जो, दिल्ली सरकार की दिल्ली सरकार और जनता के बीच एक स्वच्छ, हरित, सुरक्षित और भ्रष्टाचार मुक्त शहर बनाने की ओर एक पहल है।

- नाइलिट दिल्ली ने 15 से 17 जनवरी, 2018 को नेशनल एकेडमी ऑफ ब्रॉडकास्टिंग एंड मल्टीमीडिया (एनएबीएम), सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार में ''क्लाउड बेस्ड कंटेंट मैनेजमेंट एंड डिस्ट्रीब्यूशन'' पर 3 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में भूटान, नेपाल, श्रीलंका, मलेशिया, वियतनाम, अफगानिस्तान, म्यांमार आदि पड़ोसी देशों के ब्रॉडकास्ट इंजीनियर्स ने भाग लिया।

- नाइलिट केंद्र शिमला ने हिमाचल प्रदेश के महिला और बाल विकास विभाग के सहयोग से 03 अप्रैल से 05 मई, 2017 के दौरान 15 स्थानों पर बाल आश्रम के बच्चों के लिए कार्यालय स्वचालन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम कार्यालय स्वचालन कौशल, हार्डवेयर और नेटवर्किंग पर आधारभूत ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से था, जिसके द्वारा बाल आश्रम के बच्चों को आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

- नाइलिट औरंगाबाद परिसर में नेटवर्किंग और कई अन्य सुविधाओं से लैस 32 कमरों वाले बॉयज हॉस्टल का उद्घाटन 18 सितंबर, 2017 को नाइलिट के तत्कालीन महानिदेशक, श्री राजीव कुमार द्वारा किया गया। नाइलिट औरंगाबाद में क्रिकेट ग्राउंड और एक महिला क्लब का भी उद्घाटन किया गया।

- सिस्को नेटवर्किंग में एक साल की सक्रिय भागीदारी और सेवा के लिए नाइलिट अगरतला को सीआईएससीओ नेटवर्किंग अकादमी द्वारा "अकादमी वर्ष सेवा 2017" से सम्मानित किया गया है।

- मध्य प्रदेश सरकार ने नाइलिट 'ओ' स्तर की अर्हता को मध्य प्रदेश सचिवालय सेवा भर्ती नियम, 1976 में नियोजन के लिए अनिवार्य पाठ्यक्रमों में से एक, इस पर विचार किया है।

- मणिपुर राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं की क्षमता का निर्माण करने के लिए, नाइलिट केंद्र इंफाल मोबाइल अध्ययन केंद्र स्थापित करके प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। क्षेत्र के लिए मोबाइल अध्ययन केंद्र अत्यंत लाभदायक हैं चूंकि, युवा अपने निवास स्थान से सुदूर की यात्रा की आवश्यकता के बिना कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

- ई–अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना चरण–I की सफलता के आधार पर, परियोजना के चरण–II में नाइलिट कोलकाता को 19 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 3200 सरकारी पदाधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लक्ष्य के साथ कार्य सौंपा है, जो पहले चरण में सम्मिलित नहीं था। परियोजना के चरण–II के अंतर्गत आने वाले राज्य हैं– आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा/पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तराखंड।

- नाइलिट चंडीगढ़, एंबेडेड सिस्टम डिजाइन एवं प्रमाणित सिमुलेशन के लिए लैबसेंटर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड–यूनाइटेड किंगडम द्वारा भारत में पहला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बन गया है।

- इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रोद्योगिकी मंत्रालय ने अपने दिनांक 19.01.2016 के आदेशानुसार ग्रुप– क (वै. व तक) अधिकारियों के लिए नई पदोन्नति नीति को अपनाया। 1 अप्रैल 2017 से 31 मार्च, 2018 के दौरान, नाइलिट मुख्यालय में समूह 'क' में 41 अधिकारी एवं समूह 'ख' में 26 अधिकारी पदोन्नत किए गए।

- नाइलिट ने एससी/ एसटी/ पीएच/ महिला अभ्यर्थियों के लिए नाइलिट की छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत ओ / ए /बी /सी स्तर के आईटी पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर अपने संसाधनों से 483 अभ्यर्थियों को छात्रवृत्ति जारी की है। छात्रवृत्ति का भुगतान आधार पर आधारित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) द्वारा किया जा रहा है।

- वर्ष 2017–18 के दौरान, पीएमकेवीवाई के अंतर्गत नाइलिट सेनापति विस्तार केंद्र के 08 प्रमाणित विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया, जिन्होने, एसएसआई इकाई की स्थापना की है और ''सेनापति एलईडी'' नामक एलईडी बल्बों की असेंबली,

मरम्मत और मार्केटिंग शुरू की है। संबंधित विद्यार्थियों ने माननीय राज्य मंत्री, एमईआईटीवाई और मुख्यमंत्री, मणिपुर को बल्ब भी भेंट किए।

- नाइलिट ने आईईसीटी के क्षेत्र में क्षमता निर्माण और कौशल वृद्धि के लिए विविध कदम उठाए हैं। नाइलिट की कई नई गतिविधियों और पहल से, वर्ष 2017–18 में सराहनीय भौतिक विकास हुआ है।

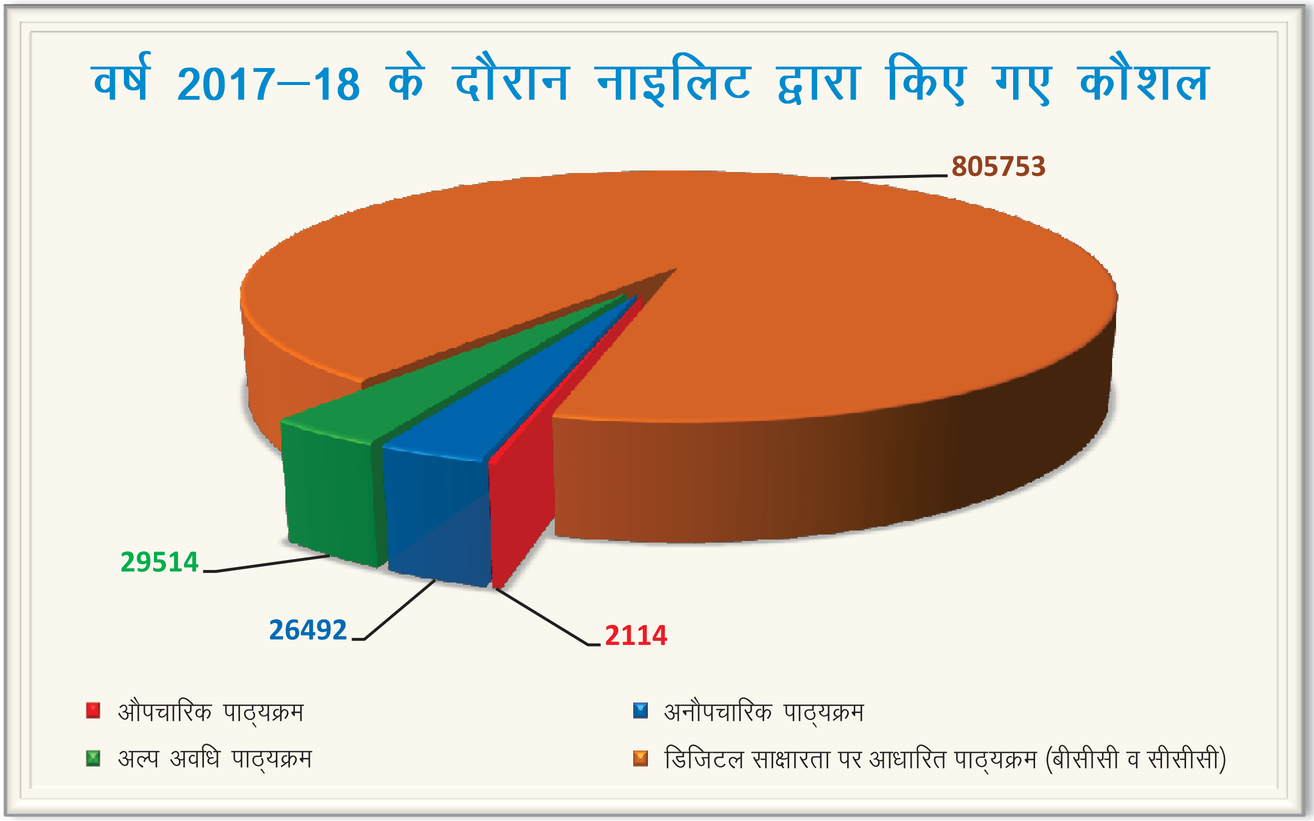

कुछ उल्लेखनीय परियोजनाएँ

भौगोलिक वितरण	परियोजना का नाम व इसका विवरण	कुल परिव्यय
केरल	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं. 1(5)/2015-ME&HI दिनांक 28.09.2015 के जरिए पीएनडीटी के अनुपालन सहित स्वदेशी रंगीन डॉप्लर अल्ट्रासाउण्ड स्कैनर"** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट कालीकट द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वित्तीय सहायता से किया जा रहा है जिसका उद्देश्य पीएनडीटी के अनुपालन सहित स्वदेशी रंगीन डॉप्लर अल्ट्रासाउण्ड स्कैनर का डिजाइन एवं विकास करना है।	₹ 243.56 लाख
महाराष्ट्र एवं तमिलनाडु	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं. 1(12)/2011&HRD दिनांक 1.5.2012 के जरिए इलेक्ट्रॉनिकी उत्पाद डिजाइन तथा उत्पादन प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में क्षमता निर्माण"** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट औरंगाबाद तथा चेन्नै द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वित्तीय सहायता से किया जा रहा है जिसका उद्देश्य इस प्रकार हैं : • सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातकोत्तर, तथा शोध प्रोफेशनल सहित विभिन्न स्तरों पर सक्षमता के उपयुक्त स्तर सहित मानव संसाधन का विकास करना। • विशेषज्ञता के चुनिन्दा क्षेत्रों में अल्पावधि/दीर्घावधि माडुलर अनौपचारिक पाठ्यक्रम शुरू करना। • भारतीय उद्योगों में कार्यरत प्रोफेशनलों की सक्षमता का दर्जा बढ़ाना। • इस क्षेत्र में अप्रचलन की उच्च दर के कारण तकनीकी संस्थानों के शिक्षकों के ज्ञान तथा कौशल का दर्जा बढ़ाना। • रोजगार तथा स्व–रोजगार से जुड़े कम कीमत वाले शिक्षण/प्रशिक्षण का डिजाइन एवं संचालन करना–उद्यमकर्ता विकास। • ग्रामीण/अविकसित क्षेत्रों के विकास के उद्देश्य से कम कीमत वाली इलेक्ट्रॉनिकी डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना। • भारतीय उद्योग को डिजाइन परामर्श–सेवा, अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के उत्पाद विकास एवं तकनीकी समर्थन सेवाएँ उपलब्ध कराना।	₹ 2610 लाख
असम तथा मणिपुर	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं. 12(3)/2016–ESD दिनांक 22.3.2016 के जरिए स्पैम–निरोधी समन्वय केन्द्र की स्थापना"** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट इम्फाल तथा गुवाहाटी द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की वित्तीय सहायता से किया जा रहा है जिसका उद्देश्य एक स्पैम–निरोधी सुविधा की स्थापना करना तथा स्पैम मेल के बारे में सूचना के संग्रहण, विश्लेषण तथा विनिमय के लिए एक फ्रेमवर्क का विकास करना है। इस प्रयोजन से, वितरित स्पैम–बॉट्स एमुलेटिंग मुक्त रिले सर्वरों की स्थापना की जाएगी। संग्रहीत स्पैम मेलों का विश्लेषण इस तथ्य का पता लगाने के लिए किया जाएगा कि ऐसे मेल कहाँ से उत्पन्न हुए हैं तथा उनका वर्गीकरण श्रेणियों में किया जाएगा। विश्लेषण के आधार पर, अन्तर्राष्ट्रीय पद्धतियों के अनुसार एक साझा योग्य डेटाबेस तथा रिपोर्ट तैयार की जाएगी और सर्ट–इन सहित सभी पणधारियों को दी जाएगी।	₹ 135.00 लाख
केरल	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं. L–14016/7/2014–HRD दिनांक 4.7.2014 के जरिए केरल के अनुसूचित जनजाति के लिए कम कीमत वाली अभिगम युक्तियों पर आधारित जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से सूचना प्रौद्योगिकी कौशल तथा ई–समावेशन"** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट कालीकट द्वारा अमृता विश्व पीठम, कोल्लम के साथ मिलकर संयुक्त रूप से इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वित्तीय सहायता से किया जा रहा है जिसका उद्देश्य नाइलिट द्वारा अनुसूचित जनजाति जनसंख्या के योग्य विद्यार्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षण तथा प्रमाण–पत्र प्रदान करना है जिससे सरकारी तथा निजी क्षेत्र में उनकी रोजगार योग्यता में वृद्धि हो सके। अमृता का उद्देश्य सामाजिक जागरूकता के लिए प्रभावी अधिगम का एक मॉडल तथा कार्यपद्धति तैयार करना और मलयालम में एसीसी प्रशिक्षण तथा जनजाति के गाँवों में प्रायोगिक परियोजना करना है जहाँ कनेक्टिविटी उपलब्ध नहीं है।	₹ 132.47 लाख

भौगोलिक वितरण	परियोजना का नाम व् इसका विवरण	कुल परिव्यय
नागालैण्ड	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं. L-14016/10/2016/HRD दिनांक 22.09.2016 के जरिए नागालैण्ड के चार पिछड़े जिलों के वंचित (अ.ज.जा) युवाओं तथा महिलाओं का आईसीटी कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्तिकरण"** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट कोहिमा द्वारा एमईआईटीवाई की वित्तीय सहायता से निम्नलिखित उद्देश्य से किया जा रहा है: • नागालैण्ड में नागालैण्ड की पिछड़ी जनजाति (अनुसूचित जनजाति) के लक्षित महत्वपूर्ण समूहों के जीवन स्तर में समग्र उन्नति करना। • विद्यालय के युवाओं तथा महिलाओं को तकनीकी कुशलता से सुसज्जित करना, और इस प्रकार युवाओं को कम्प्यूटर उपलब्ध कराने तथा सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कौशल में अभिवृद्धि करने के जरिए रोजगार के अवसरों का विस्तार करना। • अन्तराल को दूर करना, अर्थात तेजी से बदलते विश्व में प्रौद्योगिकी में बदलाव के कारण अत्यन्त आवश्यक विशेष कम्प्यूटर शिक्षण तथा प्रशिक्षण उपलब्ध कराना जिससे वे वर्तमान विश्व के परिवर्तनों का मुकाबला कर सकें। • लक्षित समूह को वर्तमान समय की प्रौद्योगिकी में बराबरी के स्तर पर तथा सक्रिय रूप में भागीदारी करने में सहायता करके एक प्रौद्योगिकी साक्षर समाज का विकास करना जिसमें उन्हें बेहतर जानकारी होगी तथा सहज रूप में संव्यवहार करने की शक्तियाँ प्राप्त होंगी।	₹ 111.56 लाख
मेघालय	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं. 1(4)/2014-ME&HI दिनांक 17.7.2014 के जरिए चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला की स्थापना"** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट शिलांग द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वित्तीय सहायता से किया जा रहा है जिसका उद्देश्य मेघालय के विभिन्न अस्पतालों के चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी उपकरणों का परीक्षण, अंशांकन, मरम्मत तथा अनुरक्षण करने के लिए नाइलिट शिलांग में चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला की स्थापना करना तथा 3 वर्षों में 75 विद्यार्थियों की भर्ती की क्षमता से चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी उपकरण अनुरक्षण पर पाठ्यक्रम चलाना है।	₹ 122.00 लाख
नागालैण्ड	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं. 1(9)/2014-ME&HI दिनांक 2.12.2014 के जरिए चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला की स्थापना"** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट कोहिमा द्वारा एमईआईटीवाई की वित्तीय सहायता से किया जा रहा है जिसका उद्देश्य नागालैण्ड के विभिन्न अस्पतालों के चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी उपकरणों की मरम्मत तथा अनुरक्षण करने के लिए चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला की स्थापना करना और साथ ही नागालैण्ड के विभिन्न सरकारी तथा निजी अस्पतालों के पराचिकित्सकीय एवं चिकित्सकीय कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करना है।	₹ 107.00 लाख
नागालैण्ड	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं. 12(13)/2014-ESD दिनांक 4.12.2014 के जरिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के उन्नत प्रशिक्षण के लिए साइबर फोरेन्सिक प्रयोगशाला में अभिवृद्धि जिससे वे उदीयमान साइबर अपराधों का मुकाबला कर सकें तथा पूर्वोत्तर राज्यों में साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में युवाओं का क्षमता निर्माण"** इसपरियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट इम्फाल द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वित्तीय सहायता से किया जा रहा है जिसका उद्देश्य, कानून प्रवर्तन एजेंसियों को नए उभरते साइबर खतरों और उनकी समुचित पड़ताल में उन्नत फोरेन्सिक प्रशिक्षण प्रदान करना है जिससे पूर्वोत्तर राज्यों में बढ़ते साइबर अपराधों को कम किया जा सके तथा पूर्वोत्तर राज्यों के युवाओं को साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम पर प्रशिक्षण प्रदान करना तथा कम्प्यूटर फोरेन्सिक एवं साइबर सुरक्षा प्रयोगशाला में विजुअलाइजेशन प्रौद्योगिकी का कार्यान्वयन करना है।	₹ 152.00 लाख

भौगोलिक वितरण	परियोजना का नाम व् इसका विवरण	कुल परिव्यय
असम, झारखंड, ओडिशा, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गोवा तथा पडुचेरी	**''प्रशासनिक अनुमोदन सं. 7(4)/2015–ईएमसीडी दिनांक 19.04.2016 के जरिए "ई–कचरा प्रबंधन पर सरकारी पदाधिकारियों का क्षमता निर्माण"** एमईआईटीवाई ने नाइलिट को यह अनिवार्य किया है कि 10 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में ई–अपशिष्ट प्रबंधन पर 2000 सरकारी पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाए। प्रशिक्षित सरकारी पदाधिकारियों को आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया था ताकि, उनके संबंधित विभागों में ई–कचरे का उचित प्रबंधन हो सके, जो पर्यावरण की रक्षा करेगा। नाइलिट ने दिये गए लक्ष्य से भी अधिक 2276 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित का लिया है।	₹ 143.64 लाख
औरंगाबाद, अजमेर, कालीकट, लखनऊ, चंडीगढ़, दिल्ली, इम्फ़ाल, जम्मू, कोलकाता, गुवाहाटी, कोहिमा, चेन्नै, इटानगर, रांची, व शिमला	रोजगार महानिदेशालय, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्तीय सहायता से, नाइलिट ने रोजगार कार्यालयों में पंजीकृत 2000 एससी/ एसटी जॉब सीकर के लिए नाइलिट आईटी– 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम में निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया। इस कार्यक्रम में 1913 एससी/ एसटी जॉब सीकर नामांकित हुए।	₹ 690.00 लाख
औरंगाबाद, अजमेर, कालीकट, लखनऊ, चंडीगढ़, दिल्ली, इम्फ़ाल, जम्मू, कोलकाता, गुवाहाटी, कोहिमा, चेन्नै, इटानगर, रांची, व शिमला	रोजगार महानिदेशालय, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्तीय सहायता से, नाइलिट ने रोजगार कार्यालयों में पंजीकृत 1000 एससी/ एसटी जॉब सीकर के लिए नाइलिट सीएच एम– 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम में निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया। इस कार्यक्रम में 975 एससी/ एसटी जॉब सीकर नामांकित हुए।	₹ 425.00 लाख
उत्तर पूर्व क्षेत्र के सात राज्य (असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिज़ोरम, नागालैंड व सिक्किम)	**''प्रशासनिक अनुमोदन सं. एए सं. 1(2)/2012–एचआरडी दिनांक 30 .05.2012 के जरिए ''सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी (आई ई सीटी) में प्रशिक्षण/शिक्षा क्षमता को बढ़ाकर पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास''** माननीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित परियोजना को नाइलिट द्वारा एमईआईटीवाई से रु. 366.78 करोड़ की वित्तीय सहायता से कार्यान्वित किया जा रहा है जिसका उद्देश्य पांच वर्ष की अवधि में आईईसीटी प्रशिक्षण/शिक्षा के क्षेत्र में क्षमता निर्माण करना है। परियोजना के अंतर्गत, उत्तर पूर्व के क्षेत्र के सभी 18 स्थानों पर अस्थायी निर्मित स्थल मणिपुर में (इम्फाल, सेनापति और चूराचंदपुर, मिजोरम में ऐजावल और लुंगलाई, नागालैंड में चुचिमलंग; मेघालय में शिलांग और तुरा; अरुणाचल प्रदेश में ईटानगर; पासीघाट और तेजू; असम में गुवाहाटी, तेजपुर, कोकराझार, जोरहाट, डिब्रूगढ़ और सिलचर और सिक्किम में गंगटोक) में प्रशिक्षण गतिविधियां शुरू की गई हैं। 18 स्थानों में से, 14 स्थानों पर स्थायी परिसरों का निर्माण शुरू किया गया है। 04 स्थानों पर निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है अर्थात् ईटानगर (राज्य सरकार द्वारा भूमि आवंटन पश्चात), तुरा, तेजू और सिलचर।	₹ 366.78 लाख

आय बनाम व्यय
एनपीआर परियोजना को छोड़कर

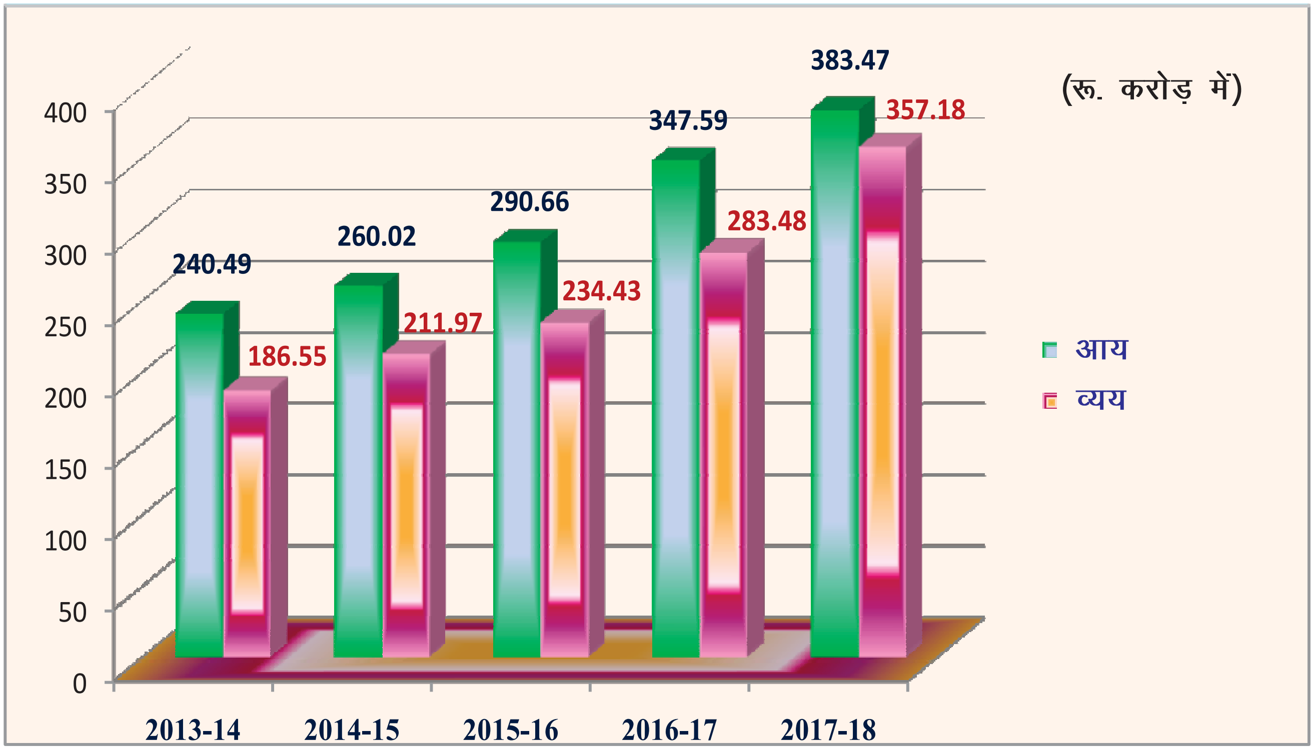

अतिशेष
एनपीआर को छोड़कर

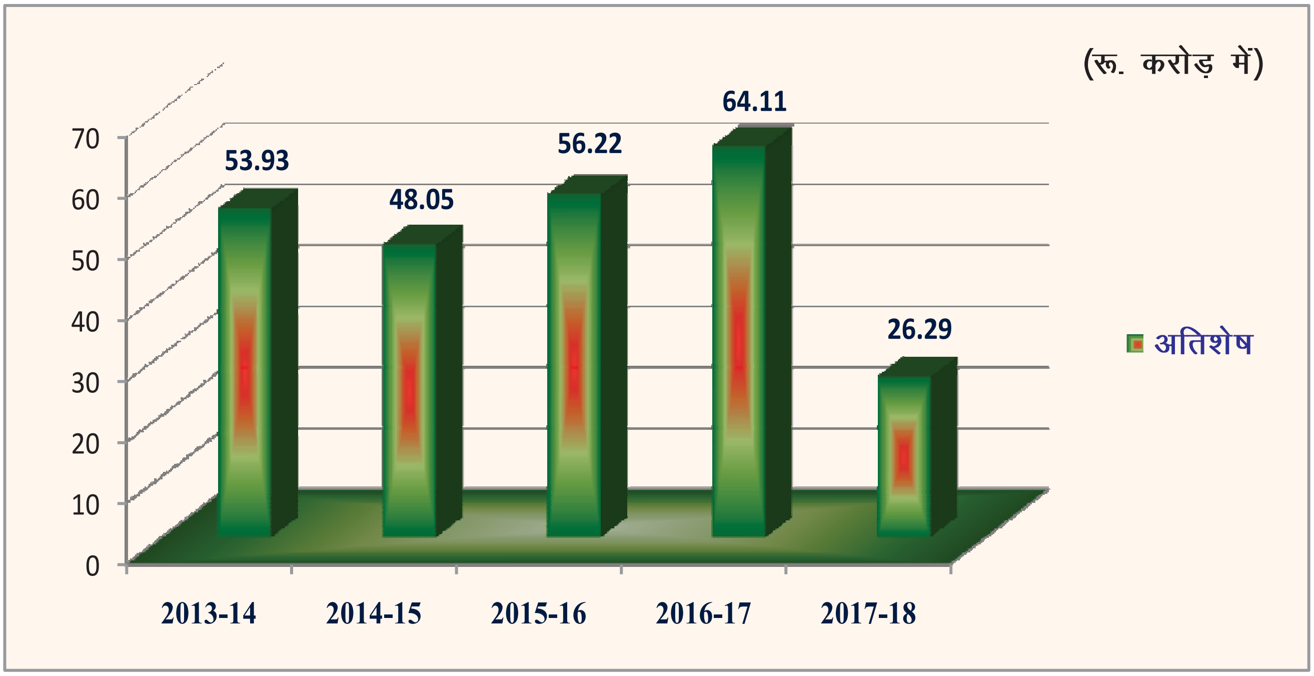

वर्ष 2017–18 के लिए नाइलिट का कार्यकलापबद्ध राजस्व सृजन (एनपीआर को छोड़कर)

109.82	शुल्क/ अंशदान
109.18	परियोजनाओं से आय
105.19	बिक्री व सेवाओं से आय
17.70	अर्जित ब्याज
23.20	विविध आय
18.10	अनुदान और सब्सिडी
0.15	प्रकाशन की बिक्री से आय
0.13	टाउनशिप से प्राप्तियां
383.47	(रू.करोड़ में)

वर्ष 2017–18 के लिए नाइलिट के व्यय अंश का विवरण (एनपीआर को छोड़कर)

90.10	परियोजना पर व्यय
87.27	सेवाओं पर व्यय
101.50	स्थापन पर व्यय
53.81	अन्य प्रशासनिक व्यय
24.50	मूल्यह्रास
357.18	(रू.करोड़ में)

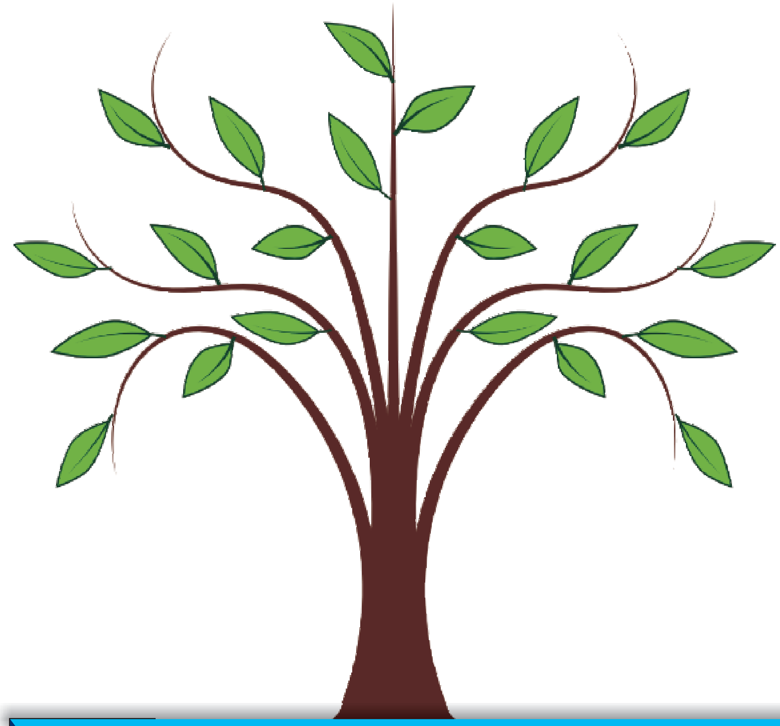

नाइलिट के केन्द्र

अगरतला

कार्यकारी समिति की बैठक(कें)
शून्य

कार्मिक
नियमितः 18
परियोजना आधारितः 28

कारोबार
677.25 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक
श्री अनुराग माथुर

पता
नाइलिट अगरतला
आर.के. नगर (नीप्को के विपरीत)
खयरपुर, पीएस – बोधजंगनगर
अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा –799008
त्रिपुरा

सम्पर्क के ब्यौरे
दूरभाषः 0381–2391010
फैक्सः 0381–2391220
वेबसाइटः www.nielit.gov.in/agartala

क्षेत्राधिकार राज्य
त्रिपुरा

अध्ययन केंद्र
- त्रिपुरा विश्वविद्यालय अध्ययन केंद्र
- खुमुलवंग अध्ययन केंद्र
- मनुघाट अध्ययन केंद्र
- कलाछारा अध्ययन केंद्र

केंद्र का इतिहासः

नाइलिट अगरतला केंद्र की प्रारंभिक प्रशिक्षण सुविधा (आईटीएफ) का दिनांक 10 फरवरी, 2009 को औपचारिक रूप से उद्घाटन किया गया। केंद्र के स्थायी परिसर का निर्माण 15 एकड़ जमीन पर किया गया है और यह 1 जनवरी, 2016 से परिचालन में है। परिसर में अकादमिक ब्लॉक (जी+3), प्रशासनिक ब्लॉक (जी+2), कार्यशाला, छात्रों का छात्रावास, स्टाफ क्वार्टर और वाहन पार्किंग है।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- सूचना सुरक्षा
- ई–लर्निंग और ई–गवर्नेंस
- सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी)।
- मेडिकल इलेक्ट्रॉनिकी
- क्लाउड कंप्यूटिंग और ऐप विकास

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

- डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम– एसीसी, बीसीसी, सीसीसी, सीसीसी प्लस
- कार्यालय स्वचालन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, डेस्कटॉप प्रकाशन, सूचना सुरक्षा और साइबर कानून, कोर जावा, ओरेकल, एसक्यूएल व पीएल/एसक्यूएल, लिनक्स; अपाचे, एमवाईएसक्यूएल तथा पीएचपीय उन्नत वेब पीएचपी का उपयोग कर विकास, पीसी हार्डवेयर और नेटवर्किंग, मोबाइल मरम्मत और रखरखाव, 8051 माइक्रोकंट्रोलर का उपयोग कर एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन, सॉफ्ट स्किल व संचार अंग्रेजी, वित्तीय टैली का उपयोग कर लेखा, जीएसटी पर प्रशिक्षण, पुस्तकालय पर प्रशिक्षण स्वचालन प्रणाली, स्थापना नियमों पर प्रशिक्षण।
- कंप्यूटर एप्लीकेशन और एनडब्ल्यू शासन प्रबंध में डिप्लोमा/पोस्ट डिप्लोमा, चिकित्सा उपकरण की मरम्मत और रखरखाव, इमेजिंग उपकरण की मरम्मत और रखरखाव, ईसीजी और आईसीसीयू उपकरण की मरम्मत व रखरखाव,
- सिस्को नेटवर्क अकादमी कार्यक्रम, औद्योगिक प्रशिक्षण व कॉर्पोरेट प्रशिक्षण

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए)
- कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा (डीसीएटी)
- इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (डीईटीई)
- नाइलिट 'ओ' स्तर • नाइलिट 'ए' स्तर • सीएचएम 'ओ' स्तर • सीएचएम 'ए' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- श्री पीपी चौधरी, तत्कालीन माननीय राज्य मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी तथा विधि एवं न्याय, भारत सरकार ने 26 अप्रैल, 2017 को नाइलिट अगरतला के स्थायी परिसर का उदघाटन किया। इस समारोह में तत्कालीन माननीय मंत्री श्री तपन चक्रवर्ती, सूचना प्रौद्योगिकी, स्कूल और उच्च शिक्षा भी उपस्थित हुए थे।
- वर्ष 2017–18 से, केंद्र ने प्रत्येक शाखा में 60 छात्रों की उपस्थिति वाली क्षमता के साथ एआईसीटीई अनुमोदित पाठ्यक्रम जैसे कंप्यूटर विज्ञान व प्रौद्योगिकी में इंजीनियरिंग डिप्लोमा व इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग में इंजीनियरिंग डिप्लोमा संचालित किए।
- त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्रों के स्कूल शिक्षक स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) के 275 सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के लिए बीसीसी पर 6 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।
- केंद्र ने सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) के लिए विद्यालय निरीक्षण के लिए एक वेब एप्लिकेशन, राज्य के लोक प्रशासन संस्थान के लिए प्रतिक्रिया नियंत्रण और निगरानी प्रणाली के लिए वेब एप्लिकेशन तथा बांस और केन विकास संस्थान, भारत सरकार हेतु बॉयोमीट्रिक उपस्थिति प्रणाली का विकास किया।
- नाइलिट अगरतला आईएसईए चरण–II परियोजना में भाग लेने वाला संस्थान है। आईएसईए–चरण–2 प्रयोगशाला की स्थापना का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा 284 सरकारी पदाधिकारियों और छात्रों/नागरिकों के प्रशिक्षण का संचालन किया गया है।
- नाइलिट अगरतला ने एमबीबी विश्वविद्यालय, त्रिपुरा सरकार के एलडीसी–सह–डाटा एंट्री ऑपरेटर के पदों के लिए कंप्यूटर टाइप टेस्ट (अंग्रेजी और बंगाली) का संचालन सफलतापूर्वक किया।
- केंद्र को एक वर्ष में सिस्को नेटवर्किंग में सक्रिय भागीदारी और सेवा के लिए सिस्को नेटवर्किंग अकादमी द्वारा "अकादमी वर्ष सेवा–2017" से सम्मानित किया गया है।
- केंद्र ने अपने केंद्र व अध्ययन केंद्रों पश्चिम त्रिपुरा, त्रिपुरा पश्चिम जिलाए गोमती जिला और खोवाई जिला में क्रमशः 838 और 624 प्रतिभागियों के लिए वस्तु व सेवाकर विषय पर डिजिटल भुगतान व कार्यशालाओं पर जागरूकता अभियान आयोजित किए।
- नाइलिट अगरतला ने त्रिपुरा के 61 सरकारी पदाधिकारियों के लिए "आईटी और डिजिटल सेवाओं में क्षमता निर्माण (डिजिटल भुगतान, जीएसटी और सॉफ्ट सहित) की परियोजना कौशल में डोनर मंत्रालय, भारत सरकार की प्रायोजित परियोजना के अंतर्गत प्रशिक्षण आयोजित किया।
- केंद्र ने आईआईटी–गुवाहाटी व टीसीएस के सहयोग से गेट ऑनलाइन परीक्षा–2018 का सफलतापूर्वक संचालन किया।
- विभिन्न श्रेणियों के पाठ्यक्रमों जैसेः दीर्घकालिक, अल्पकालिक, औद्योगिक प्रशिक्षण इत्यादि के अंतर्गत 2373 अभ्यर्थी प्रशिक्षित हुए।

आइजॉल

कार्यकारी समिति की बैठक(कें)
शून्य

कार्मिक
नियमित : 21
परियोजना आधारित : 35

कारोबार
1232.94 लाख रु.

प्रभारी निदेशक
श्री एन. देबचन्द्र सिंह

पता
नाइलिट आइजॉल
औद्योगिक क्षेत्र
जुआंगतुई.
आइजॉल–796017
मिज़ोरम

सम्पर्क के ब्यौरे
फोन : 0389–2350581
ई–मेल: dir-aizawl@nielit.gov.in
वेबसाइट : www.nielit.gov.in/aizwal

क्षेत्राधिकार राज्य
मिज़ोरम

विस्तार केन्द्र
• लुंगलेई

केंद्र का इतिहास :

नाइलिट् आइजॉल को वर्ष 2001 में स्थापित किया गया था और यह सभी में 8वें स्थान पर है तथा केंद्र और उत्तर पूर्वी क्षेत्र में तीसरे स्थान पर है। इसका उद्धेश्य आईईसीटी के क्षेत्र में शिक्षा और प्रशिक्षण तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए मिजोरम के युवाओं को सुविधा प्रदान करना है। नाइलिट् आइजॉल के प्रारंभ से, औपचारिक और अनौपचारिक पाठ्यक्रमों में 23,000 से अधिक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है। विस्तार केंद्र पुकपुई, लुंगलेई भी 2013 में स्थापित किया गया था और लगभग 785 छात्रों से भी अधिक प्रशिक्षित किए गए हैं।

उत्कृष्टता का क्षेत्र :

- ☞ एमसीए, बीसीए, डीसीएसई और डीईटीई जैसेः दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदान करना।
- ☞ सीसीसी, सीसीसी+टैली, एंड्रॉइड एप्लिकेशन जैसे अल्प अवधि पाठ्यक्रमों का विकास।
- ☞ ऑनलाइन और ऑफ़लाइन कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं के लिए बुनियादी ढांचा प्रदान करना।

चलाये जाने वाले पाठ्यक्रम:

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

- कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- जावा, सी/सी++/ सी # प्रोग्रामिंग
- नेट प्रौद्योगिकी में प्रोग्रामिंग
- टैली
- इंटरनेट और वेब डिजाइन
- साइबर सुरक्षा
- मल्टीमीडिया और एनीमेशन
- उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिकी की मरम्मत और रखरखाव
- चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी की मरम्मत और रखरखाव

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए)
- बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए)
- कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (डीसीएसई)
- इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (डीईटीई)
- 'ए' स्तर
- 'ओ' स्तर
- मैट 'ओ' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- केंद्र ने डोनर मंत्रालय द्वारा प्रायोजित आईटी और डिजिटल सेवाओं (डिजिटल सहित भुगतान) में सरकारी कार्मिकों का प्रशिक्षण संचालित किया। प्रथम वर्षीय 239 के निर्धारित लक्ष्य में से कुल 196 सरकारी कार्मिकों को प्रशिक्षित किया।
- केंद्र ने 4 औपचारिक पाठ्यक्रम आयोजित किए जैसेकि एमसीए, बीसीए, इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग और कंप्यूटर विज्ञान इंजीनियरिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रम और वर्ष के दौरान कुल 387 छात्रों को प्रशिक्षित किया।
- गैर–औपचारिक प्रशिक्षण के अंतर्गत, 194 विद्यार्थियों को नाइलिट 'ओ'/'ए'/मैट–'ओ' स्तर और अन्य अल्पकालिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया है।
- 210 विद्यार्थियों को मोबाइल मरम्मत, जावा, टैली आदि जैसे विभिन्न अल्पकालिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया था।
- वर्ष के दौरान, केंद्र ने अपने कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत सीसीसी में कुल 14,513 एससी/एसटी विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया है।
- नाइलिट आइज़ोल ने कोलासिब, ख्वाज़वल और खौलाइलंग स्थित गांवों में अध्ययन केंद्र शुरू किए।
- नाइलिट आइजोल ने दिनांक 20 अप्रैल, 2018 को 'दृष्टिहीन जनों के लिए डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम' की शुरुआत की।
- केंद्र ने टीसीएस और सिफी के साथ सहयोग से यूपीएससी, आईबीपीएस, सीएमसी वेल्लोर, जेईई इत्यादि के लिए विभिन्न ऑनलाइन परीक्षाएं आयोजित कीं।
- नाइलिट आइजोल ने राज्य के विभिन्न सरकारी विभागों (वन विभाग, मिजोरम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, मिजोरम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, स्कूल शिक्षा और सामाजिक कल्याण विभाग) आदि के लिए भर्ती परीक्षाओं का संचालन किया।
- एमसीए, बीसीए, डीईटीई और डीसीएसई उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए अभिनंदन कार्यक्रम दिनांक 31 अगस्त, 2017 को हॉला ऑडिटोरियम, आइजॉल में आयोजित किया गया।
- 'ई–अपशिष्ट प्रबंधन' पर 1 दिवसीय कार्यशाला नाइलिट आइजोल, डीआईईटी और प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान (एटीआई) में 100 सरकारी कार्मिकों के लिए आयोजित की गई।
- माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस 365 और टेक्नोलॉजी पर 1 दिवसीय इन–हाउस प्रशिक्षण नाइलिट आइजोल में माइक्रोसॉफ्ट द्वारा आयोजित किया गया था।

मिजोरम

अजमेर

कार्यकारी समिति की बैठक(कें)
शून्य

कार्मिक
नियमित : 4
परियोजना आधारित : 7

कारोबार
484.29 लाख रु.

कार्यकारी निदेशक
श्री महेंद्र मोहन शर्मा

पता
नाइलिट अजमेर
गाँव कोहड़ा, कोटा रोड
केकड़ी (अजमेर)–305404
राजस्थान

सम्पर्क के ब्यौरे
मोबाइल : 9166322201
ई–मेल : dir-ajmer@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य
राजस्थान और गुजरात

विस्तार केन्द्र
शून्य

केंद्र का इतिहास :

अजमेर केन्द्र ने अपने प्रशिक्षण कार्यकलाप सितम्बर, 2012 से केकड़ी में एक अस्थायी स्थान से आरम्भ किया। नाइलिट, अजमेर की स्थापना राजस्थान सरकार द्वारा उप सचिव (राजस्व) के (दिनांक 12–07–2010 के पत्र सं. P6(156) राज. 3/10 तथा दिनांक 13.09.10 के संशोधन) के जरिए ग्राम कोहड़ा, तहसील केकड़ी, जिला अजमेर में निःशुल्क रूप में आबंटित 42.54 एकड़ भूमि पर की गई है। नाइलिट अजमेर के परिसर का भवन निर्माण पूरा हो गया है और कार्यालय ने दिसम्बर, 2015 से नए परिसर से कार्य करना शुरू कर दिया है।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी में गैर–औपचारिक दीर्घ और लघु अवधि के पाठ्यक्रम।
- सीसीसी/बीसीसी/ईसीसी/सीसीसीपी परीक्षाओं का समन्वय।
- डीजीई और टी योजना के अंतर्गत रोजगार खोजने वाले अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण।
- ईएसडीएम योजनाओं के अंतर्गत प्रशिक्षण।

चलाये जाने वाले पाठ्यक्रमः

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

- बेसिक कंप्यूटर कोर्स (बीसीसी)
- कंप्यूटर अवधारणाओं पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- पीएचपी / जावा में औद्योगिक प्रशिक्षण
- आईटीएस / बीपीओ
- वेब डिजाइन
- सी/सी++
- एंड्रॉयड
- पीसी असेंबली और रखरखाव
- पीसी हार्डवेयर और नेटवर्किंग।

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- 'ओ' स्तर सॉफ्टवेयर
- सीएचएम ओ स्तर हार्डवेयर
- 'ए' स्तर सॉफ्टवेयर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट अजमेर ने डिजिटल भुगतान की विधियों पर गेल (गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड) के कर्मचारियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है। मई, 2017 के दौरान, प्रशिक्षण के तीन (03) बैचों का संचालन किया गया था।
- वर्ष 2017–2018 में, डिजिटल भुगतान पहल पर नाइलिट अजमेर ने 2800 से भी अधिक सूक्ष्म और मध्यम व्यापारियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है।
- केंद्र ने "राजस्थान और गुजरात राज्यों में, डिजिटल भुगतान पहल पर सूक्ष्म/मध्यम व्यापार व्यापारियों की क्षमता निर्माण पर परियोजना के अंतर्गत एक क्षेत्रीय कार्यशाला, तीन राज्य स्तरीय कार्यशाला और ग्यारह डिजिधन कैंप का आयोजन किया है। व्यापारी जिन्होंने कार्यशालाओं/शिविरों में भाग लिया, वे विभिन्न डिजिटल भुगतान विधियों के बारे जागरूक हुए व जिसका उपयोग सहज रूप से व्यापार करने में कर सकते हैं।
- केंद्र ने सीसीसी/ बीसीसी/ वीएलई/ डब्ल्यूडीएलपी/ आईआरडीए के पाठ्यक्रमों के 18,043 अभ्यर्थियों की परीक्षा के लिए समन्वय किया।
- नाइलिट अजमेर ने एससी/एसटी नौकरी खोजने वालों के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण आयोजित किया जो रोजगार निदेशालय, श्रम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित रोजगार कार्यालय में पंजीकृत हैं 200 एससी/ एसटी रोज़गार खोजने वाले अभ्यर्थियों को 'ओ' स्तर (आईटी) में प्रशिक्षित किया गया था और अन्य सीएचएम 'ओ' स्तर में 100 एससी/ एसटी रोज़गार खोजने वाले अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया था।

औरंगाबाद

कार्यकारी समिति की बैठक(कें)
23वीं बैठक, 10 मार्च, 2018

कार्मिक
नियमित : 43
परियोजना आधारित : 02

कारोबार
1070.42 लाख रु.

कार्यकारी निदेशक
श्री संजीव कुमार गुप्ता

पता
नाइलिट, औरंगाबाद
सीईडीटीआई परिसर
डॉ. बीएएम विश्वविद्यालय परिसर
औरंगाबाद – 431004
(महाराष्ट्र)

सम्पर्क के ब्यौरे
फोन : 0230–2982050
ई–मेल : dir-aurangabad@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य
महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा, दादरा एवं नगर हवेली

विस्तार केन्द्र
शून्य

केंद्र का इतिहास :

इलेक्ट्रॉनिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा मराठवाड़ा औद्योगिक निगम, महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर डॉ. बीएएम विश्वविद्यालय परिसर में सीईडीटी के नाम से यह केन्द्र 19 सितम्बर, 1986 को निम्नलिखित उद्देश्यों से स्थापित किया गया था।

- उत्पाद डिजाइन, विकास, विनिर्माण और रखरखाव के लिए मानवशक्ति को प्रशिक्षित करना।
- उद्योगों, अनुसंधान एवं विकास केंद्रों और शैक्षिक संस्थानों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखना।
- उत्पाद विकास, अनुबंध अनुसंधान और परामर्श की शुरुआत करना।
- नेतृत्व गुणों को बढ़ाने, पेशेवर/नैतिक गुणों को बनाए रखने, प्रभावी रूप से टीम कार्य कौशल, बहुआयामी दृष्टिकोण, उत्कृष्ट विशेषज्ञता के साथ इंजीनियरिंग विशेषज्ञता, सॉफ्ट कौशल से "उत्कृष्ट शिक्षण वातावरण को बनाए रखने के माध्यम से "सक्षम कुशल पेशेवर" सामाजिक जिम्मेदारियों से सीखने वालों में बदलाव लाना।

उत्कृष्टता के क्षेत्र :

- साइबर भौतिक प्रणाली
- एम्बेडेड प्रणाली व् आईओटी

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम :

अल्पावधि पाठ्यक्रम :

- सीएडी/सीएएम में पी जी डिप्लोमा
- एंड्रॉइड एप्लिकेशन डेवलपर में सर्टिफिकेट कोर्स
- वर्तमान पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और भविष्य के रुझान
- 3डी प्रिंटिंग और योजक विनिर्माण
- औद्योगिक स्वचालन प्रणाली डिजाइन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- मुद्रित सर्किट बोर्ड डिजाइन और फैब्रिकेशन
- थिंग्स ऑफ इंटरनेट (आईओटी) में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- सिस्को सर्टिफाइड नेटवर्क एसोसिएट
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) में पीजी डिप्लोमा
- साइबर सुरक्षा और डिजिटल फोरेंसिक में पीजी डिप्लोमा

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम :

- इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन प्रौद्योगिकी में एम.टेक
- इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन और रखरखाव में बी.टेक

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- कुल 385 अभ्यर्थियों को औपचारिक दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत प्रशिक्षित किया गया था।
- कुल 489 अभ्यर्थियों को गैर–औपचारिक अल्पकालिक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत प्रशिक्षित किया गया था।
- कुल 150 प्रतिभागियों को डीजीईएंडटी प्रायोजित एससी/एसटी जॉब सीकर योजना के अंतर्गत डीओईएससीसीसी–सीएचएम–'ओ' स्तर में प्रशिक्षित किया गया था।
- कुल 200 अभ्यर्थियों ने डीजीईएंडटी प्रायोजित एससी/एसटी जॉब सीकर योजना के अंतर्गत सॉफ्टवेयर 'ओ' स्तर कार्यक्रम से जुड़े हैं।
- कुल 2152 अभ्यर्थियों ने सीएचएम 'ओ' स्तर और सीएचएम 'ए' स्तर पूर्ण किया।
- कुल 65782 अभ्यर्थियों को 'सीसीसी' योजना के लिए प्रशिक्षित किया गया था।
- कुल 165 अभ्यर्थियों को 'बीसीसी' योजना के लिए प्रशिक्षित किया गया था।
- कुल 228 अभ्यर्थियों को आईआरडीए पाठ्यक्रम हेतु प्रशिक्षित किया गया था।
- सीसीसी प्लस के लिए 8 अभ्यर्थी और ईसीसी के लिए 1 अभ्यर्थी प्रशिक्षित हुए।
- ईएसडीएम योजना के अंतर्गत कुल 4687 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।
- सरकारी कार्मिकों हेतु ई–अपशिष्ट प्रबंधन पर एक दिवसीय पाठ्यक्रम आयोजित किया गया है, कुल 18 अभ्यर्थियों को गोवा राज्य में प्रशिक्षित किया गया है और 43 अभ्यर्थियों को भोपाल, मध्य प्रदेश में प्रशिक्षित किया गया था।
- क्षमता निर्माण परियोजना के अंतर्गत कुल 1491 अभ्यर्थी विभिन्न पाठ्यक्रमों/कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रशिक्षण ले रहे थे।
- कक्ष ए–32 छात्रों का छात्रावास नेटवर्किंग और कई अन्य सुविधाओं से सुसज्जित है, का उदघाटन दिनांक 17.09.17 को श्री राजीव कुमार, संयुक्त सचिव, एमईआईटीवाई व महानिदेशक, नाइलिट द्वारा किया गया।
- स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी, नाइलिट केंद्र, औरंगाबाद के छात्रों की परियोजना से उभरते हुए व्यापार योग्य विचारों अंगीकृत करने के लिए सीएमआईए के साथ एक समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- कुल 100 पुलिस जवानों के लिए साइबर सुरक्षा और डिजिटल फोरेंसिक पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, भोपाल में किया गया।

औरंगाबाद

भुवनेश्वर

कार्यकारी समिति की बैठक(कें)

शून्य

कार्मिक

नियमित : 3

परियोजना आधारित : 0

प्रभारी निदेशक

श्री वी. कृष्णमूर्ति

पता :

नाइलिट, भुवनेश्वर
तीसरा मंजिल, उत्तर की ओर
ओसीएसी टॉवर, आचार्य विहार,
भुवनेश्वर–751013

सम्पर्क के ब्यौरे

मो 9423149900

ई–मेल : dir-bbsr@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य

शून्य

विस्तार केन्द्र

शून्य

केंद्र का इतिहासः

"नाइलिट केंद्र, भुवनेश्वर, ओडिशा की स्थापना" शीर्षक वाली परियोजना के अंतर्गत ओडिशा में "राज्य सरकार ने निशुल्क स्थान कुल 5204 वर्ग फीट के क्षेत्रफल के साथ तीसरे तल, उत्तर की ओर स्थित ओसीएसी टावर में आवंटित किया है। केंद्रीय रूप से स्थित और शहर के अन्य हिस्सों से बहुत अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। राज्य सरकार ने सैद्धान्तिक रूप से नाइलिट केंद्र, भुवनेश्वर के स्थायी परिसर के लिए 15 एकड़ भूमि के आवंटन को मंजूरी दे दी है।

प्रस्तावित केंद्र में आईईसीटी के क्षेत्र में सर्टिफिकेट स्तर से विशेष पाठ्यक्रमों तक शुरू होने वाले पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए नवीनतम उपकरण से लैस 3 व्याख्यान–कक्ष, 2 प्रयोगशालाएं, एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष होंगे।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः (प्रस्तावित)

- इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद संलग्नक डिजाइन, ई–शासन और ईआरपी, ई–अपशिष्ट प्रबंधन और एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन के औद्योगिक डिजाइन में कॉर्पोरेट प्रशिक्षण।
- नियमित सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स पाठ्यक्रमों–कार्यालय स्वचालन, प्रोग्रामिंग भाषाएं, डेटाबेस, मल्टीमीडिया एनिमेशन प्रौद्योगिकी, पीसीबी डिजाइन और फैब्रिकेशन, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रॉनिक एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन पर प्रशिक्षण।
- एनएसक्यूएफ से सूचीबद्ध किए गए लघु अवधि पाठ्यक्रमः इलेक्ट्रॉनिक्स, डेटा एनालिटिक्स पर प्रशिक्षण।
- इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण
- सॉफ्टवेयर (एस/डब्ल्यू) विकास

चलाये जाने वाले पाठ्यक्रमः

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

• टैली का उपयोग कर वित्तीय लेखा • उन्नत जावा • डिजिटल इमेज प्रसंस्करण • ऑटोकैड • उन्नत वित्तीय लेखा • सी++प्रोग्रामिंग • इमेज संपादन और 2डी एनिमेशन • मैटलैब • नेटवर्क प्रशासन • लिनक्स का उपयोग कर सिस्टम प्रशासन • बिजली व सुरक्षा प्रैक्टिस • 3डी डिजाइन के लिए परिचय • इन्स्टालेशन व विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स प्रणाली का रखरखाव • सिस्को नेटवर्क अकादमी कार्यक्रम • औद्योगिक प्रशिक्षण।

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

• आईटी–'ओ' और 'ए' स्तर • सीएचएम–'ओ' स्तर • मैट–ओ स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- भुवनेश्वर में स्थित नव स्थापित केंद्र ओसीएसी टॉवर, आचार्य विहार से संचालित हो रहा है तथा केन्द्र ने 13 जागरूकता कार्यशालाओं / कार्यक्रम / सेमिनार आयोजित किए हैं।

- प्रसार भारती, उच्च शिक्षा निदेशालय, पावरग्रिड, ओडिशा खनन निगम, ओसीएसी, कलेक्टरेट, पुरी और कलेक्टरेट, बारगढ़ के लगभग 100 पदाधिकारियों के लिए ई–अपशिष्ट पर जागरूकता कार्यक्रम नाइलिट कोलकाता के साथ आयोजित किया गया था।

- नाइलिट केंद्र, भुवनेश्वर के परिसर तथा 200 विद्यार्थियों के लिए भुवनेश्वर स्थित प्रत्यायित संस्थान जैसेः एनआईएटी, सी–डैक और एडुटैक में स्वच्छ भारत पखवाड़ा के अवसर पर ई–अपशिष्ट कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

- दिनांक 19 मार्च 2018 को, सी–डैक द्वारा प्रायोजित सूचना सुरक्षा पर जागरूकता कार्यशाला एमईआईटीवाई के आईएसई, कार्यक्रम के अंतर्गत हैदराबाद, इम्पोरियल कॉलेज, बरगढ़ में आयोजित की गई थी। इसमें कुल 106 छात्रों ने भाग लिया।

- दिनांक 21 और 22 मार्च, 2018 को, सीआईआईएल, सुंदरगढ़ में इसी तरह की कार्यशालाएं आयोजित की गईं जिसमें कुल 120 उद्यमियों और विद्यार्थियों ने भाग लिया और कुल 66 सरकारी कार्मिकों ने कार्यक्रम का लाभ लिया।

कालीकट

कार्यकारी समिति की बैठक
24वीं बैठक, 26 दिसंबर, 2017

कार्मिक
नियमित : 39
परियोजना आधारित : 11

कारोबार
709.27 लाख रु.

कार्यकारी निदेशक
डॉ. एम.पी. पिल्लै

पता
नाइलिट कालीकट
एनआईटी परिसर डाकघर
कालीकट–673601
केरल

सम्पर्क के ब्यौरे
फोन : 0495–2287123
फैक्स : 2287168
मोबाइल : 9446026809
ई–मेल : dir-calicut@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य
केरल, कर्णाटक
तथा लक्षद्वीप

विस्तार केन्द्र
शून्य

केंद्र का इतिहास:

केंद्र की स्थापना वर्ष 1989 में हुई थी। तब से केंद्र उद्योग उन्मुखी गुणात्मक शिक्षा के संचालन और विभिन्न औपचारिक रूप से अत्याधुनिक क्षेत्रों में प्रशिक्षण, सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्र में क्षमता निर्माण से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन से जुड़ा हुआ है। केंद्र अनुप्रयोगों उन्मुखी आर एंड डी के साथ–साथ उत्पाद विकास और औद्योगिक परामर्श सेवाओं से भी जुड़ा हुआ है। 25 एकड़ में समृद्ध हरे–भरे परिसर में इन्फ्रास्ट्रक्चर को विकसित किया गया है इसमें कई परिष्कृत प्रयोगशालाएं, स्मार्ट क्लास रूम, आईईईई पहुंच, एनकेएन कनेक्टिविटी, 24x7 वाईफाई सुविधाए छात्र हॉस्टल, कैंटीन और स्टाफ क्वार्टर सम्मिलित हैं। केंद्र **आईएसओ 9001:2015 प्रमाणित** है औपचारिक एम. टेक पाठ्यक्रम एआईसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त हैं और एपीजेक तकनीकी विश्वविद्यालय केरल से संबद्ध हैं। कालीकट विश्वविद्यालय के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक्स में पीएचडी के लिए अनुसंधान केंद्र के रूप में मान्यता अभी तक प्राप्त है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

☞ एम्बेडेड सिस्टम और आईओटी
☞ वीएलएसआई / एएसआईसी डिजाइन और सत्यापन
☞ प्रोसेस कंट्रोल एंड इंस्ट्रुमेंटेशन
☞ क्लाउड कंप्यूटिंग और सूचना सुरक्षा
☞ बिग डेटा एनालिटिक्स, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

चलाये जाने वाले पाठ्यक्रम:

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

• इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन और विनिर्माण में उन्नत पीजी डिप्लोमा • एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन में पीजी डिप्लोमा • वीएलएसआई व एम्बेडेड हार्डवेयर • थिंग्स ऑफ इंटरनेट (आईओटी) • औद्योगिक स्वचालन प्रणाली डिजाइन • सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी • सूचना सुरक्षा और क्लाउड कंप्यूटिंगय • बिग डेटा एनालिटिक्स में उन्नत डिप्लोमा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

इलेक्ट्रॉनिक्स में पीएचडी, प्रौद्योगिकी (एमटेक) के मास्टर • एम्बेडेड सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन प्रौद्योगिकी, वीएलएसआई और एम्बेडेड सिस्टम (संयुक्त रूप से डीआईएटी–डीआरडीओ पुणे के साथ); नाइलिट सीएचएम 'ओ' स्तर व नाइलिट 'ओ' स्तर।

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- विभिन्न औपचारिक, गैर–औपचारिक और प्रमाणीकरण योजनाओं के माध्यम से कुल मिलाकर 3252 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित / परीक्षित किया गया। 68 अभ्यर्थी को एम.टेक कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।
- कुल 560 अभ्यर्थियों को पीजी डिप्लोमा, एडवांस्ड डिप्लोमा, प्रमाणपत्र कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा कुल 597 अभ्यर्थियों को पूर्व में डीओईएसीसी योजना ('ओ' लेवल और सीएचएम 'ओ' लेवल) के माध्यम से इस क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- कुल 851 अभ्यर्थियों को आईसीसीटी के उन्नत क्षेत्रों में इंटर्नशिप, कस्टम प्रशिक्षण, कार्यशालाओं के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया था। कुल 1176 अभ्यर्थियों को बीसीसी, सीसीसी के माध्यम से आईटी साक्षरता पर प्रशिक्षित / प्रमाणित किया गया था।
- कई प्रतिष्ठित कंपनियों ने विशेष रूप से नाइलिट कालीकट के विद्यार्थियों के लिए भर्ती अभियान आयोजित किए जिसमें आईएनटीईएल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, पाथ पार्टनर टेक्नोलॉजी, गाडगीन स्मार्ट सिस्टम, प्रोसेसिस, कंजस्ट टेक्नोलॉजी, इत्यादि सम्मिलित हैं। इन कंपनियों द्वारा कुल 62 अभ्यर्थियों को सूचीबद्ध किया गया था।
- अभिगृहीत और स्थापित अत्याधुनिक अल्ट्रा ध्वनि अनुसंधान मंच (यूएसए से प्राप्त 64 सिस्टम)। इस सुविधा के साथ, कालीकट सेंटर मेडिकल अल्ट्रासाउंड रिसर्च के एलिट क्लब में शामिल हो गया है। भारत में इस प्रकार की सुविधा दूसरी है।
- केरल राज्य इलेक्ट्रॉनिक तकनीशियन एसोसिएशन (केएसईटीए) के सदस्यों के लिए सौर ऊर्जा संयंत्र के आकार, स्थापना, संचालन और रखरखाव पर पाँच दिवसीय गहन प्रशिक्षण।
- 3 वर्ष, दिनांक 28.09.2015 से प्रभावी, पीएनडीटी अनुपालन के साथ स्वदेशी रंग डोप्लर अल्ट्रासाउंड स्कैनर शीर्षक आधारित परियोजना पर आर एंड डी का कार्यान्वयन।
- 5 वर्ष, दिनांक 01.04.2014 से प्रभावी, सूचना सुरक्षा शिक्षा और जागरूकता (आईएसईए) परियोजना चरण–II का कार्यान्वयन।
- कम लागत वाले उपकरणों के आधार पर जागरूकता के माध्यम से "आईटी कौशल और ई–समावेशन" पर एसटी के लिए कार्यक्रम का कार्यान्वयन जिसमें दिनांक 4 जुलाई, 2014 से प्रभावी, "1500 अभ्यर्थियों को संयुक्त रूप से अमृता विश्वविद्यालय के साथ मिलकर प्रशिक्षित करना है।
- एमईआईटीवाई परियोजना के अंतर्गत भाग लेने वाले संस्थान "चिप्स के लिए विशेष जनशक्ति विकास कार्यक्रम सिस्टम डिज़ाइन (एसएमडीपी–सी 2 एसडी)" दिसंबर 2015 से प्रभावी।
- स्वचालन के लिए सॉफ्टवेयर का डिजाइन और विकास–मालाबार देवस्वाम (33 नंबर) और केरल में मंदिरों के लिए ऑनलाइन सहायता।
- मेगा डिजीडन कैंपस कोच्चि और बैंगलोर में व्यवस्थित – कुल 759 लाभार्थी।

केरल

चण्डीगढ़

कार्यकारी समिति की बैठक
20 दिसंबर, 2017

कार्मिक
नियमित : 104
परियोजना आधारित : 111

कारोबार
9490.36 लाख रु.

निदेशक
श्रीमती सुनीता गोयल

पता
नाइलिट चण्डीगढ़
सी–134, फेज़–VIII
औद्योगिक क्षेत्र, सेक्टर–72
एसएएस नगर, मोहाली–160071

सम्पर्क के ब्यौरे
फोन : 0172–2236453
ई–मेल : dir-chandigarh@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य
पंजाब, हरियाणा व (यूटी), चंडीगढ़

विस्तार केन्द्र

- यूएचबीवीएन, मॉडल टाउन, रोहतक
- यूएचबीवीएन, झांसा रोड, कुरुक्षेत्र
- यूएचबीवीएन, बाग के समीप, जवाहर स्टेडियम, झज्जर
- यूएचबीवीएन, फाउंटेन चौक, यमुनानगर

केंद्र का इतिहासः

नाइलिट, चण्डीगढ़ की स्थापना वर्ष 1978 में सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्रों में प्रोफेशनल सेवाएँ प्रदान करने के लिए की गई थी। यह इस क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान है। यह केन्द्र आईएसओ 9001:2008 प्रमाणित है। केंद्र का उद्देश्य अत्यधिक उपयोगकर्ता की संतुष्टि के लिए सभी सूचनाए इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार तकनीकी (आईईसीटी) के पहलुओं पर ज्ञान का प्रसार करना है तथा इसके लिए मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड भी बनाया गया है। यह केंद्र समय–समय पर मूल्यांकन की आवश्यकताओं के आधार पर ग्राहकों के विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट सेवाएं प्रदान करता है।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

☞ केंद्र आईईसीटी, स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षा, कॉर्पोरेट प्रशिक्षण, बड़े पैमाने पर डेटा कैप्चरिंग तथा डेटा प्रोसेसिंग सहित आईटी के क्षेत्र में प्रमुख परियोजनाएं, ऑनलाइन तथा वेब समर्थित अनुप्रयोग के लिए सॉफ्टवेयर विकास, व्यवहार्यता और सिस्टम अध्ययन, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के चयन में परामर्श और कंप्यूटर एडेड डिज़ाइनिंग (सीएडी) में क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में सेवाएँ प्रदान करता है।

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

• एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन • आर्डूइनों • थिंग्स ऑफ इंटरनेट (आईओटी) कोर जावा जे2ईई • एएसपी, सी# के साथ नेट • एमवाईएसक्यूएल के साथ पीएचपी • सी/सी++ • वेब डिजाइनिंग, रचनात्मक ग्राफिक डिजाइन • ऑटो सीएडी • एसीसी/बीसीसी/सीसीसी/सीसीसी+ • डेटा विज्ञान और मशीन लर्निंग के लिए पायथन • विश्लेषणात्मक के साथ हडोप का उपयोग कर बिग डेटा • एंड्रॉइड का उपयोग कर मोबाइल अनुप्रयोग विकास में सर्टिफिकेट कोर्स • पाइथन के साथ रास्पबेरी पीआई • मैटलैब • लिनक्स/यूनिक्स के अंतर्गत सिस्टम प्रशासन • क्लाउड कंप्यूटिंग और वर्चुअलाइजेशन • एसक्यूएल सर्वर/ओरेकल • सीसीएनए वी 6.0 रूटिंग और स्विचिंग (मॉडयूल 1 और 2, 3 और 4) • प्रमाणित एथिकल हैकर (सीईएच) वी 9.0 • साइबर सुरक्षा।

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम

• नाइलिट "ओ"/'ए'/ सीएचएम–"ओ" स्तर, पीजीडीसीए, डीसीए • सूचना सुरक्षा और सिस्टम प्रशासन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा • सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी में स्नातक डिप्लोमा • कंप्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्किंग में डिप्लोमा • सूचना प्रणाली सुरक्षा में एडवांस पाठ्यक्रम।

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- केंद्र ने विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत कुल 2193 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जिसमें दीर्घ अवधि पाठ्यक्रमों में कुल 42 विद्यार्थी, नाइलिट 'ओ' स्तर के अंतर्गत 183 विद्यार्थी, विभिन्न कार्यशालाओं व अल्प अवधि पाठ्यक्रमों में कुल 1872 विद्यार्थी तथा कॉर्पोरेट प्रशिक्षण के अंतर्गत 96 विद्यार्थी सम्मिलित हैं।
- एससी/एसटी रोजगार खोजने वाले व्यक्तियों की डीजीई और टी प्रायोजित योजना व ईएसडीएम योजना के अंतर्गत कुल 292 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित/आंकलन किया गया गया।
- पॉलिटेक्निक के 47 महिला अभ्यर्थियों के लिए दो सप्ताह कौशल विकास कार्यशाला आयोजित की गई। डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जलंधर के बी.टेक छात्रों के लिए "हडोपप का उपयोग करके बिग डेटा एनालिटिक्स" और "इंटरनेट ऑफ थिंग्स" पर 5 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।
- नाइलिट चंडीगढ़ व सीएमटी/आईएसएमओ (राज्य ई–शासन मिशन टीम/सूचना सुरक्षा प्रबंधन) कार्यालय, हरियाणा अर्थात दोनों के संयुक्त प्रयास से हरियाणा के विभिन्न जिलों में डिजिटल भुगतान तथा सूचना सुरक्षा पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई।
- हरियाणा के मोर्नी में बीपीएल/एससी/एसटी महिलाओं के लिए एक माह का आधारभूत पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था। 40 महिला अभ्यर्थियों को सरकारी पॉलिटेक्निक (महिला), मोर्नी में निशुल्क रूप से प्रशिक्षित किया गया। विद्यार्थियों को एमएस–ऑफिसए इंटरनेट और हार्डवेयर में प्रशिक्षित किया गया था।
- देश भर में 500 एनसीपीयूएल केन्द्रों में 'कंप्यूटर–एप्लिकेशन' व बिजनेस एकाउंटिंग–बहुभाषी डेस्कटॉप प्रकाशन (सीएबीए–एमडीटीपी) योजना के कार्यान्वयन के लिए परियोजना को अगले पाँच वर्षों के लिए विस्तार दिये जाने की दिशा में दिनांक 27 जून, 2017 को उर्दू भाषा (एनसीपीयूएल) के संवर्धन के लिए राष्ट्रीय परिषद के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर हुए।
- लगभग 30000 विद्यार्थियों ने सीएबीए–एमडीटीपी के एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण लिया। इसके अतिरिक्त, इस योजना के अंतर्गत लगभग 1,80,535 विद्यार्थियों को डिप्लोमा से सम्मानित किया गया है।
- 'एनसीपीयूएल और एनआईईएलआईटी चंडीगढ़ द्वारा एनसीपीयूएल के 50 केंद्रों में संयुक्त रूप से एक वर्षीय 'डिप्लोमा इन इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों और रखरखाव की मरम्मत में (ड्रीम) पाठ्यक्रम का संचालन किया गया था। यह परियोजना दिसंबर, 2017 में सफलतापूर्वक समाप्त हुई थी।
- 1400 से अधिक विद्यार्थियों ने एक वर्षीय ड्रीम पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण लिया। कुल 9767 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया था।
- लगभग 3500 विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक अनुसंधान राज्य परिषद के लिए एसटीएसई/एनएमएमएस की ओएमआर आधारित परीक्षा का आयोजन किया गया। सीएसआईओए सीटीयू चंडीगढ़ जैसे विभिन्न सरकारी संगठनों की ओएमआर आधारित भर्ती परीक्षा का संचालन किया गया। सीसीसी/बीसीसी/ईसीसी/सीसीसी+पाठ्यक्रमों पर लगभग 3500 अभ्यर्थियों की परीक्षाएं ऑनलाइन आयोजित की गईं।

चेन्नै

कार्यकारी समिति की बैठक

शून्य

कार्मिक

नियमित : 6

परियोजना आधारित : 10

कारोबार

356.69 लाख रु.

निदेशक

श्री के.एम. मार्टिन

पता

नाइलिट चेन्नै
25, आईएसटीई कॉम्प्लेक्स
गांधी मण्डपम रोड
(अन्ना सेंटिनरी पुस्तकालय के सामने)
कोट्टूर्पुरम, चेन्नै–600 025

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 044–24421446/7
मोबाइल : +91 9489540125
ई–मेल : dir-chennai@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य

तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पुडुचेरी तथा अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूह

अध्ययन केन्द्र

शून्य

केंद्र का इतिहासः

नाइलिट् चेन्नै ने चेन्नै में "नाइलिट केन्द्र की स्थापना" परियोजना के अंतर्गत 6 जनवरी, 2009 को एम्इआईटीवाई, भारत सरकार के प्रशासनिक अनुमोदन से किया। नाइलिट चेन्नै एक उन्नत प्रशिक्षण एवं विकास केन्द्र के रूप में उभरा है जिसमें आईईसीटी प्रौद्योगिकियों अर्थात वीएलएसआई डिजाइन, अन्तर्निर्मित प्रणाली डिजाइन, इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की औद्योगिक डिजाइन, परीक्षण एवं परिमापन, ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिकी, सूचना सुरक्षा तथा सूचना प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों (ई–अधिगम/मल्टीमीडिया एनिमेशन) पर ध्यान देते हुए अद्यतन तकनीकी जानकारी की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इससे योग्य विद्यार्थियों को इंजीनियरी एवं विज्ञान संस्थानों से उत्तीर्ण होने, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन मे अपनी कौशल में अभिवृद्धि करने में सहायता मिलेगी ताकि, रोजगार पाने वाले तैयार हो सकें, साथ ही कंपनियों को उनके प्रशिक्षण पर निवेश करने की आवश्यकता न हो। इसके अतिरिक्त, कार्मिक तथा शिक्षक वर्ग भी आईईसीटी के उभरते क्षेत्रों में अपने ज्ञान को अद्यतन कर सकेंगे।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- ☞ इलेक्ट्रॉनिकी उत्पाद डिजाइन
- ☞ एम्बेडेड सिस्टम
- ☞ वीएलएसआई डिजाइन
- ☞ सूचना प्रौद्योगिकी

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

• व्यावसायिक नेटवर्किंग • ड्रीमवेवर का उपयोग कर वेब डिज़ाइन • इलेक्ट्रॉनिक्स पैकेजिंग • एम्बेडेड सिस्टम सॉफ्टवेयर और डिजाइन • Zynq 7000 का उपयोग करके एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन • एमएसपी 430 का उपयोग करके एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन • रास्पबेरी पीआई का उपयोग आईओटी • पीसीबी डिजाइन टेक्नोलॉजी • आर्डिनो • सिग्नल का उपयोग करके एंबेडेड सिस्टम डिज़ाइन • एकल विश्लेषक और मॉड्यूलर • डिजाइनर टेक्नोलॉजी और अनुप्रयोग • सी भाषा के माध्यम से प्रोग्रामिंग • डीएसओ की मापन और कार्यक्षमता • एनसीएस पोर्टल प्रशिक्षण • आईटी दक्षता प्रशिक्षण • बिजली आपूर्ति की मरम्मत और रखरखाव • इन्वर्टर और यूपीएस • फोटोकॉपीयर्स और प्रिंटर की स्थापना और रखरखाव • इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद परीक्षण • बिजली की आपूर्ति की मरम्मत और रखरखाव • इन्वर्टर और यूपीएस • पीसी के विधानसभा और रखरखाव • दूरसंचार तकनीशियन–पीसी हार्डवेयर और नेटवर्किंग • एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन–बिट का उपयोग कर माइक्रोकंट्रोलर • स्थापना • घर के उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव • कंप्यूटर एडेड उत्पाद डिजाइन • मोबाइल फोन हार्डवेयर मरम्मत तकनीशियन • आपातकालीन प्रकाश और सौर लालटेन का परीक्षण • सौर एलईडी प्रकाश उत्पाद (डिजाइन और विनिर्माण) • फील्ड तकनीशियन–कंप्यूटिंग और पेरिफेरल • डीटीएच सेट–टॉप–बॉक्स इंस्टॉलर और सेवा तकनीशियन • हैंडसेट मरम्मत अभियंता

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम

• एम.टेक ईडीटी • डीओईएससी 'ओ' स्तर • सीएचएम 'ओ' स्तर।

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- एमईआईटीवाई, भारत सरकार द्वारा इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद डिजाइन और उत्पादन के क्षेत्रों में क्षमता निर्माण शीर्षक वाली परियोजना के अंतर्गत, सभी प्रयोगशालाओं को रु.1137.76 लाख के पूंजीगत व्यय के साथ बढ़ाया जा रहा है तथा वर्ष 2017–2018 में विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत कुल 481 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है व अभी तक कुल 3951 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है।
- एमईआईटीवाई, भारत सरकार द्वारा "डिजिटल इंडिया हेतु ईएसडीएम में कौशल विकास" योजना के अंतर्गत, कुल 461 अभ्यर्थियों को नाइलिट चेन्नै के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत पूरे राज्य में 56 प्रत्यायित प्रशिक्षण भागीदारों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया था तथा अभी तक कुल 2084 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है।
- एमईआईटीवाई, भारत सरकार द्वारा "सूचना सुरक्षा शिक्षा और जागरूकता (आईएसईए)" नामक परियोजना के अंतर्गत, रु.48.23 लाख जीआईए की पहली किस्त प्राप्त हुई है तथा प्रशिक्षण सुविधाओं में वृद्धि करने के लिए इसमें प्रसार किया जा रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र और सरकारी विभागों के 285 अधिकारी व 163 आईटी पेशेवरों ने भी इस परियोजना के अंतर्गत सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया है।
- एमईआईटीवाई, भारत सरकार द्वारा ई–अपशिष्ट प्रबंधन पर सरकारी अधिकारियों की क्षमता निर्माण शीर्षक वाली परियोजना के अंतर्गत, वर्ष 2017–2018 में, आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी के कुल 428 सरकारी पदाधिकारी तथा तमिलनाडु के विश्वविद्यालय के कुल 39 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया था। अभी तक कुल 718 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है।
- टीएनएसडीसी, तमिलनाडु सरकार चलायी जा रही "नियोजित कौशल प्रशिक्षण" शीर्षक वाली परियोजना के अंतर्गत 118 युवाओं ने वर्ष 2017–2018 में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण किया व अभी तक कुल 265 अभ्यर्थियों को परियोजना की शुरुआत से प्रशिक्षित किया गया है।
- प्रारम्भ से, नाइलिट चेन्नै ने विभिन्न अल्प अवधि व दीर्घ अवधि पाठ्यक्रमों में कुल 23,19,316 जनसाधारण को प्रशिक्षित किया है।
- डायरेक्टरेट जनरल ऑफ एम्प्लॉयमेंट (डीजीई), श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार ने नाइलिट को एक परियोजना के संचालन का उत्तरदायित्व सौंपा जिसमें नाइलिट चेन्नै ने पूर्ण शुल्क प्रतिपूर्ति, पुस्तक भत्ता और छात्रवृत्ति सहित 100 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अभ्यर्थियों के लिए सीएचएम 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम का संचालन कर रहा है।
- डायरेक्टरेट जनरल ऑफ एम्प्लॉयमेंट (डीजीई), श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार ने नाइलिट को एक परियोजना के संचालन का उत्तरदायित्व सौंपा जिसमें नाइलिट चेन्नै ने पूर्ण शुल्क प्रतिपूर्ति, पुस्तक भत्ता और छात्रवृत्ति सहित 200 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अभ्यर्थियों के लिए सॉफ्टवेयर 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम का संचालन कर रहा है।
- वर्ष 2017–18 के लिए सीसीसी/वीएलई ऑनलाइन परीक्षा में कुल 339 अभ्यर्थियों को प्रमाणित किया गया है तथा केंद्र की शुरूआत से कुल 7933 अभ्यर्थी।

दिल्ली

कार्यकारी समिति की बैठक

शून्य

कार्मिक

नियमित : 36

परियोजना आधारित : 32

कारोबार

4336.64 लाख रु.

प्रभारी निदेशक

श्री शमीम खान

पता

नाइलिट दिल्ली केन्द्र
दूसरी मंजिल, पार्श्वनाथ मेट्रो मॉल
इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन
इंद्रलोक, दिल्ली–110052
नई दिल्ली

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 011–'23644149
ई–मेल : dir-delhi@nielit.gov.in / shameem@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य

दिल्ली एनसीआर

अध्ययन केन्द्र

शून्य

केंद्र का इतिहासः

नाइलिट, दिल्ली केंद्र मार्च 2000 में स्थापित किया गया था। यह ट्रैक रिकॉर्ड के साथ एक पेशेवर प्रबंधित केंद्र है। यह एक आईटी कॉर्पोरेट है जिसकी नीति स्पष्ट है और इसके विभिन्न संचालन का लक्ष्य अपने ग्राहकों को आईटी समाधान और उत्पादों का कुल पैकेज प्रदान करना है। इसने गुणवत्तापूर्ण कंप्यूटर शिक्षा प्रदान करके और विभिन्न क्षेत्रों में सरकारी संगठनों की बड़ी परियोजनाओं की हैंडलिंग की क्षमता से स्वयं को प्रमाणित किया है। केंद्र आईटी में नई चुनौतियों को पूर्ण करने और नई प्रौद्योगिकियों में अग्रणी संस्थान बनने की भूमिका में है। यह दृढ़ डिजाइन सिद्धांतों, गुणवत्ता के उच्चतम स्तर और इथिकल व्यापार अभ्यासों के द्वारा अत्यधिक प्रेरित कुशल श्रमिकों के माध्यम से लागत प्रभावी, मार्केट समाधान सुनिश्चित करता है।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

☞ नाइलिट दिल्ली केंद्र को उपलब्ध उद्योग निर्मित पेशेवरों के साथ ही ई–लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी व अन्य संबंधित क्षेत्रों में कुशल जनशक्ति के सृजन की उत्कृष्टता प्राप्त है।

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

- **सर्टिफिकेट/डिप्लोमा कोर्स, सीएस/आईटी पाठ्यक्रम** – वेब डिज़ाइनिंग, सी/सी++/पायथन के माध्यम से प्रोग्रामिंग, सी और सी ++ए सीसीईएनटी प्रमाणन के लिए सीसीएनए रूटिंग और स्विचिंग, कंप्यूटर सिस्टम और सर्वर प्रशासन, वेब अनुप्रयोग टेक्नोलॉजी, वीबी/सी# के साथ एएसपी. नेट, प्रमाणित एंड्रॉइड ऐप डेवलपर, लिनक्स का उपयोग करके सिस्टम प्रशासन, टैली का उपयोग कर वित्तीय लेखा डाटा एंट्री और ऑफिस ऑटोमेशन, आईडब्ल्यूडी/सी में रिफ्रेशर कोर्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, बिग डेटा और हैडोप, साइबर सुरक्षा बेसिक साक्षरता पाठ्यक्रम।
- **इलेक्ट्रॉनिक्स/हार्डवेयर पाठ्यक्रम** – 8051 का उपयोग कर एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन व अर्डिनों, एआरएम/कॉर्टेक्स माइक्रोकंट्रोलर का उपयोग कर एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन, अर्डिनों/रास्पबेरी पीआई का उपयोग कर इन्टरनेट ऑफ थिंग्स, वीएलएसआई डिजाइन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, मैटलैब, पीसी असेंबली और रखरखाव का उपयोग कर डीएसपी।
- **मल्टीमीडिया पाठ्यक्रम** – फ़ोटोशॉप, 2डी एनीमेशन में पाठ्यक्रम, प्रमाणित ऑडियो वीडियो डिजाइनर, 3डी एनिमेशन आदि।
- अर्डिनों आधारित एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन में प्रमाणित पाठ्यक्रम, आईओटी, सीसीसी में पीजी डिप्लोमा।

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम

- नाइलिट 'ओ'/ 'ए' स्तर पाठ्यक्रम, सीएचएम 'ओ'/'ए' स्तर पाठ्यक्रम।

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट दिल्ली ने 29 मई, 2017 से 18 अगस्त 2017 तक 'प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर' पर पुनर्वास निदेशालय द्वारा प्रायोजित अभ्यर्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्रदान किया।
- नाइलिट दिल्ली ने नेशनल एकेडमी ऑफ ब्रॉडकास्टिंग एंड मल्टीमीडिया (एनएबीएम), सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार में 15 से 17 जनवरी, 2018 तक 'क्लाउड आधारित सामग्री प्रबंधन और वितरण' पर तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। जिसमें भूटान, नेपाल, श्रीलंका, मलेशिया, वियतनाम, अफगानिस्तान, म्यांमार आदि जैसे पड़ोसी देश के ब्रॉडकास्ट इंजीनियर्स ने भाग लिया था।
- दिनांक 2 दिसंबर, 2017 को सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों के लिए क्लाउड कंप्यूटिंग, सैटेलाइट संचार व बीएसएफ प्रशिक्षण केंद्र में भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था।
- नाइलिट दिल्ली ने गृह मंत्रालय, सरकार द्वारा सौंपे गए राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों की पुलिस, सशस्त्र पुलिस बल और केंद्रीय पुलिस संगठन की वेबसाइटों का आकलन का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया जिसमें 44 वेबसाइटों की प्रभावशीलता, उपयोगिता, सुरक्षा और लोकप्रियता की जांच की दिशा में, इन सीमाओं के साथ कि, वेबसाइटें जीआईजीडब्ल्यू पैरामीटर का अनुपालन कर रही हैं के क्रम में एमएचए और नाइलिट द्वारा संयुक्त रूप से चिन्हित मानकों के अनुसार आकलन किया गया था।
- नाइलिट दिल्ली ने 'इंटरनेट टूल्स एंड यूज' व 'कार्यालय स्वचालन और एमएस परियोजना' पर राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया।
- केंद्र ने एमईआईटीवाई और इसके सम्बद्ध कार्यालयों के लिए वै.एव तक. और गैर–वै. व तक. पदों की भर्ती के लिए भर्ती परीक्षाएं सफलतापूर्वक आयोजित कीं।
- नाइलिट दिल्ली ने एनसीपीएसएल (सिंधी भाषा के संवर्धन के लिए राष्ट्रीय परिषद) के लिए एक द्विभाषी वेबसाइट विकसित की है तथा भारत संवाद और विकास आयोग के लिए एक द्विभाषी वेबसाइट विकसित करने की प्रक्रिया में है।
- दिल्ली सेंटर के कर्मचारियों को सिस्को नेटवर्किंग अकादमी प्रशिक्षक ने नोएडा, यूपी स्थित दिनांक 8 फरवरी, 2018 से 9 फरवरी, 2018 तक आयोजित अपने सम्मेलन में उन्नत प्रशिक्षकों के रूप में सम्मानित किया था।
- दिल्ली केंद्र के छात्रों द्वारा शुरू किए गए अभिनव तकनीकी परियोजनाएं संस्थान में प्रवेश करने वाले विद्यार्थियों की सुरक्षा पहुंच नियंत्रण हैं जिसमें आरसी 522 आरएफआईडी, रडार का उपयोग कर अर्डिनों, अर्डिनों आधारित स्मार्ट सिंचाई सिस्टम, ब्लूटूथ मॉड्यूल और अर्डिनों का उपयोग कर उपकरणों को नियंत्रित करना शामिल है।
- नाइलिट दिल्ली ने 15 सितंबर, 2017 को और 6 मार्च 2018 को हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया। केंद्र ने 1 सितंबर, 2017 से 14 सितंबर, 2017 तक हिंदी पखवाड़ा भी आयोजित किया जिसमें दिल्ली केंद्र के कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।
- नाइलिट दिल्ली ने 18 मार्च, 2018 को ऑल इंडिया रेडियो एफएम गोल्ड, के लाइव फोन–इन कार्यक्रम में भाग लिया तथा नाइलिट तथा एमईआईटीवाई के विभिन्न डिजिटल पहल की कौशल विकास गतिविधियों को साझा किया।

गंगटोक

कार्यकारी समिति की बैठक
शून्य

कार्मिक
नियमित : 3
परियोजना आधारित : 4

कारोबार
162.59 लाख रु.

प्रभारी निदेशक
श्री अरूप चट्टोपाध्याय

पता
नाइलिट गंगटोक
इंदिरा बाई पास रोड
केबीटी पेट्रोल पम्प के पास
सिशे, गंगटोक – 737101

सम्पर्क के ब्यौरे
फोन : 03592 – 205609 / 205610
ई–मेल : dir-gangtok@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य
सिक्किम

अध्ययन केन्द्र
शून्य

केंद्र का इतिहासः

नाइलिट् केंद्र, गंगटोक की प्रशासनिक अनुमोदन और जीआईए के साथ स्थापना का उद्धेश्य मुख्यतः सूचना इलेक्ट्रॉनिकी और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्रों में जनशक्ति का सृजन करना है। केंद्र का उद्घाटन इंदिरा बाईपास रोड, सिशे में अक्टूबर, 2010 में, तत्कालीन माननीय आईटी मंत्री श्री एन.के. प्रधान जी की उपस्थिति में हुआ था। प्रारंभ से ही, नाइलिट गंगटोक भारत सरकार की डिजिटल इंडिया पहल कार्यान्वित कर रहा है व युवाओं और समाज के कमजोर वर्गो तथा गुणवत्ता आईटी/आईटीईएस शिक्षा व प्रशिक्षण के माध्यम से राज्य सरकार के कर्मचारियों का सशक्तिकरण भी किया है। केंद्र ने एमइआईटीवाई/डोनर द्वारा प्रायोजित क्षमता निर्माण परियोजना को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया व वर्तमान तकनीकी विकास पर कार्यक्रम आयोजित किए।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- ☞ आईटी साक्षरता
- ☞ साइबर सुरक्षा जागरूकता

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

- कंप्यूटर अवधारणाओं में जागरूकता (एसीसी)
- बेसिक कंप्यूटर पाठ्यक्रम (बीसीसी)
- कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)/(सीसीसी प्लस)
- विशेषज्ञ कंप्यूटर पाठ्यक्रम (ईसीसी)
- कार्यालय स्वचालन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीओ)
- कंप्यूटर एप्लीकेशन एकाउंटिंग व प्रकाशन में उन्नत डिप्लोमा
- पीसी असेंबली और रखरखाव में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- पीसी हार्डवेयर और नेटवर्किंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- वेब डिजाइनिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- प्रमाणित एंड्रॉइड ऐप डेवलपर
- कोर जावा/सी++ में सर्टिफिकेट कोर्स/सी भाषा के माध्यम से प्रोग्रामिंग

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम

- सीएचएम 'ओ' स्तर
- 'ओ'/'ए' स्तर– आईटी
- मैट 'ओ' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट गंगटोक रिमोट कंप्यूटर लर्निंग सेंटर के माध्यम से स्किलिंग और क्षमता निर्माण पहल के साथ सिक्किम के दूरस्थ स्थानों तक अपनी पहुंच का सुनिश्चय कर रहा है। ऐसी सुविधाएं पहले ही निदेशालय, मानव संसाधन विकास, सिक्किम सरकार के साथ एमओए पर हस्ताक्षर करके राहेक और नमची स्थित सरकारी कॉलेज में कार्यात्मक है।
- केंद्र को बेंगथांग, पाकयोंग में 8.54 एकड़ भूमि पर स्थायी परिसर के साथ अपग्रेड किया जा रहा है, जो भविष्य में हवाई अड्डे, पाकयोंग के पास स्थित है। आईईसीटी क्षेत्रों में प्रशिक्षण/शिक्षा क्षमता को बढ़ाने से उ.पू. क्षेत्र के विकास वाली परियोजना में केंद्रीय मंत्रिमंडल की स्वीकृति के अंतर्गत एमइआईटीवाई की सहायता से उन्नयन हुआ है।
- नाइलिट गंगटोक कंप्यूटर अवधारणाओं पर नाइलिट पाठ्यक्रम, (सीसीसी), ई–गवर्नेंस सेवाएं, डिजिटल भुगतान, जीएसटीए और सॉफ्ट कौशल के साथ सिक्किम सरकार के कर्मचारियों को सशक्त बनाने की दिशा में डिजिटल भुगतान और जीएसटी सहित आईटी और डिजिटल सेवाओं" पर भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र के राज्य सरकार के कर्मचारियों के एमडोनर प्रायोजित प्रशिक्षण को निष्पादित कर रहा है। वित्त वर्ष 2017–18, सिक्किम सरकार के 78 कर्मचारियों को में प्रशिक्षित किया गया है।
- केंद्र देश के 19 राज्यों में एमइआईटीवाई द्वारा प्रायोजित परियोजना के माध्यम से सिक्किम सरकार के कार्मिकों का 1/3–दिन के प्रशिक्षण के माध्यम से ई–अपशिष्ट प्रबंधन जागरूकता पर महत्वपूर्ण प्रशिक्षण भी प्रदान कर रहा है। कुल 111 कर्मचारियों को एक दिवसीय अवधि के ई–अपशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम से प्रशिक्षित किया गया है।
- केंद्र ने कार्यालय उत्पादकता के लिए आधुनिक तकनीक पाठ्यक्रम से 4 बैचों में सिक्किम सरकार के कुल 109 कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया। यह पाठ्यक्रम सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीआईटी), सिक्किम सरकार के सहयोग से शुरू किया गया।
- केंद्र ने सिक्किम सरकार जैसे सिक्किम उच्च न्यायालय में पदों के लिए आईटी संबंधित तकनीकी जनशक्ति की भर्ती के लिए भर्ती परीक्षा के आयोजन में सिक्किम सरकार का सहयोग किया।
- विभिन्न एनएसक्यूएफ सूचीबद्ध नाइलिट के अल्पावधि और दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों को सिशे, गंगटोक में नाइलिट के शहरी कार्यालय से संचालित किया गया था।

गोरखपुर

कार्यकारी समिति की बैठक
28 मार्च, 2018

कार्मिक
(गोरखपुर, हरिद्वार लखनऊ)

नियमित : 60
परियोजना आधारित : 43

कारोबार
6277.18 लाख रु.

कार्यकारी निदेशक
डॉ.ए.के.डी. द्विवेदी

पता
नाइलिट गोरखपुर
देवरिया रोड
गोरखपुर–273010

सम्पर्क के ब्यौरे
फोन : 0551–2273371
मोबाइल : 8317093865
ई–मेल : dir-gorakhpur@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य
उत्तर प्रदेश

अध्ययन केन्द्र
• लखनऊ शाखा कार्यालय
• नाइलिट हरिद्वार

केंद्र का इतिहासः

नाइलिट् केंद्र, गोरखपुर (पूर्व में डीओईएससी, गोरखपुर) को जून, 1989 में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था के रूप में स्थापित किया गया था। यह डिप्लोमा/ग्रेजुएट/मास्टर स्तर के छात्रों के प्रशिक्षण और शिक्षा की आवश्यकता को पूर्ण करता है तथा और यू.पी. के लघु उद्योगों और संबद्ध क्षेत्रों के लिए कॉर्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करता है। यह विभिन्न सेवाओं के माध्यम से संभावित उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाता है। यह केंद्र इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन और प्रौद्योगिकी" में एम.टेक तथा वीएलएसआई डिजाइन" में एम.टेक के संचालन के लिए डॉ एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ से संबद्ध है। यह गैर–औपचारिक क्षेत्र में नाइलिट 'ओ' और 'ए' स्तर सॉफ्टवेयर) पाठ्यक्रम, सीएचएम 'ओ' और 'ए' स्तर (हार्डवेयर) पाठ्यक्रम और मैट 'ओ' स्तर (मल्टीमीडिया) पाठ्यक्रम का भी संचालन कर रहा है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र :

☞ इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन ☞ अन्तर्निर्मित प्रणाली डिजाइन
☞ सूचना सुरक्षा ☞ हार्डवेयर और नेटवर्किंग
☞ एकीकृत इलेक्ट्रॉनिकी, कम्प्यूटर तथा संचार सेवाएँ

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम :

अल्पावधि पाठ्यक्रम

• कार्यालय स्वचालन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीओए) • एमएस ऑफिस और टैली/कंप्यूटर अवधारणाओं (सीसीसी) में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • एलईडी आधारित उत्पाद डिजाइन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • वित्तीय लेखा में सर्टिफिकेट कोर्स • वेब डिज़ाइनिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • ऑटोकैड और 3डी प्रिंटिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • जावा प्रोग्रामिंग में सर्टिफिकेट कोर्स • प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम सौर एलईडी प्रकाश उत्पाद • ऑटोकैड, एंबेडेड सिस्टम और आईओटी, पीसीबी डिजाइनिंग, वीएचडीएल प्रोग्रामिंग, एएसपी. नेट, मैटलैब प्रोग्रामिंग, सौर ऊर्जा स्थापना और रखरखाव, जावा प्रोग्रामिंग और सुरक्षा, एंड्रॉइड प्रोग्रामिंग और सूचना सुरक्षा, वेब पेजडिजाइनिंग पीएचपी व एमवाई एसक्यूएल, रोबोटिक्स, प्रोग्रामिंग सी और सी++, इंटरनेट ऑफ थिंग्स समर्थित एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन, एंड्रॉइड का उपयोग कर मोबाइल एप्लिकेशन का विकास।

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम

• एम.टेक (इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी) • एम.टेक (बीएलएसआई डिडिज़ाइन) • नाइलिट 'ओ' स्तर और 'ए' स्तर सॉफ्टवेयर • नाइलिट 'ओ' स्तर और 'ए' स्तर हार्डवेयर • मैट ओ स्तर • सॉफ्टवेयर विकास में एडवांस डिप्लोमा (एडीएसडी) • हार्डवेयर नेटवर्किंग में एडवांस डिप्लोमा (एडीएनएस) • बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए)

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- कुल 1662 अभ्यर्थियों को दीर्घ अवधि पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया व कुल 5396 अभ्यर्थियों को अल्प अवधि पाठ्यक्रमों व दीर्घ अवधि पाठ्यक्रमों में कॉर्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।
- उत्तर प्रदेश के कुल 3500 सचिवालय कार्मिकों के लिए ई–ऑफिस पर प्रशिक्षण दिया गया।
- सीसीसी और बीसीसी पाठ्यक्रमों के लिए कुल 768002 अभ्यर्थियों की परीक्षा ली गई।
- चालू वित्त वर्ष में 18.29 करोड़ अधिशेष अर्जित किया गया।
- केंद्र ने दिसंबर 2017 में देहरादून में दो परीक्षा केंद्रों में लगभग 2300 अभ्यर्थियों की भर्ती परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की है।
- केंद्र ने उत्तराखंड सरकार के विभिन्न विभागों के दस अधिकारियों के लिए "ई–अपशिष्ट प्रबंधन" पर जागरूकता पर सफलतापूर्वक एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की है।
- नाइलिट गोरखपुर में मॉडल कैरियर सेंटर (एमसीसी) ने 05–06 फरवरी, 2018 के दौरान एक प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जिसमें वी के सॉफ्ट प्राइवेट लिमिटेड ने एक भर्ती आयोजक के रूप में भाग लिया था। इसने अस्थायी रूप से 06 उम्मीदवारों का चयन किया।
- नाइलिट गोरखपुर में छात्रों को स्वयं पंजीकृत के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में एमसीसीएफ ने 4 और 5 नवंबर, 2017 को करियर परामर्श सत्र और सेमिनार आयोजित किया। लगभग 800 छात्र उनके अभिभावकों ने सेमिनार में भाग लिया।
- नाइलिट गोरखपुर में एमसीसी ने अभ्यर्थियों के लिए 27 जून 2018 को प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया है जिन्हें इन्फोसॉफ्ट नेटवर्क नामक कंपनी के लिए सॉफ़्टवेयर और वेबसाइट का व्यापक ज्ञान है। कुल 91 जॉबसीकर ने भाग लिया जिसमें से 19 अभ्यर्थियों को सूचीबद्ध किया गया था।
- नाइलिट गोरखपुर व इसके नाइलिट लखनऊ विस्तार केंद्र के साथ 14 अप्रैल 2017 को लखनऊ में डिजिधन मेले में भाग लिया जिसमें डिजिटल भुगतान मोड जैसे वीपीआई, ई–वॉलेट आधार सक्षम भुगतान प्रणाली आदि के बारे में जागरूकता का प्रसार करने के लिए एक प्रदर्शनी लगाई गई।
- नाइलिट लखनऊ को ई–ऑफिस में यूपी सचिवालय के कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए एक परियोजना से सम्मानित किया गया था। इस संबंध में, केंद्र ने कुल 3345 राज्य सरकारी कार्मिकों को प्रशिक्षित किया है।

गुवाहाटी

कार्यकारी समिति की बैठक
17 जुलाई, 2017

कार्मिक
नियमित : 23
परियोजना आधारित : 77

कारोबार
758.78 लाख रु.

निदेशक
श्री के. बरुआ

पता
नाइलिट् गुवाहाटी
वित्त भवन, पहली एवं दूसरी मंजिल
बाज़ार इंडिया के समीप,
मो. शाह रोड, पल्टन बाजार,
गुवाहाटी–781008

सम्पर्क के ब्यौरे
फोन : 0361–2131568,
2730269, 2731942
ई–मेल : dir-guwahati@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य
असम

विस्तार केन्द्र
• तेजपुर विस्तार केंद्र • कोकराझार विस्तार केंद्र
• जोरहाट विस्तार केंद्र • सिलचर विस्तार केंद्र
• डिब्रुगढ़ विस्तार केंद्र • सिटी सेंटर–गुवाहाटी

अध्ययन केंद्र
• मजुली अध्ययन केंद्र

केंद्र का इतिहासः

नाइलिट् केंद्र, गुवाहाटी को 1998 में सीडीटीआई, तेजपुर के रूप में स्थापित किया गया था। वर्ष 2002 में, केंद्र का डीओईएसीएसी संस्था के साथ विलय हुआ था और इसकी गुवाहाटी में शुरुआत होने के साथ–साथ डीओईएसीसी केंद्र गुवाहाटी/तेजपुर नाम दिया गया था। योग्य और प्रशिक्षित कर्मचारियों के समूह और अत्याधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ, नाइलिट् केंद्र, गुवाहाटी असम राज्य में प्रभावी ढंग से अधिदेश को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्रीय कैबिनेट द्वारा अनुमोदित "आईईसीटी क्षेत्र में प्रशिक्षण/शिक्षा क्षमता को बढ़ाकर उत्तर–पूर्वी क्षेत्र का विकास" नामक एक परियोजना के अंतर्गत 06 विस्तार केन्द्रों को शुरू किया गया है।

उत्कृष्टता के क्षेत्रः

- सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाएँ (व्यवसाय प्रक्रिया आउटसोर्सिंग)
- जैव–सूचना विज्ञान
- डिजिटल साक्षरता
- आईसीटी

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः

अल्पावधि पाठ्यक्रम

• नाइलिट् बीसीसी • नाइलिट् सीसीसी • ऑफिस ऑटोमेशन • आईटीईएस–बीपीओ • सॉफ्ट कौशल और व्यावहारिक अंग्रेजी • वेब डिजाइनिंग • टैली का उपयोग करके वित्तीय लेखा • सी भाषा के माध्यम से प्रोग्रामिंग, C ++ में प्रोग्रामिंग, कोर जावा • ग्राफिक डिजाइनिंग • लिनक्स, अपाचे, एमवाईएसक्यूएल और पीएचपी • पीसी हार्डवेयर और नेटवर्किंग, कंप्यूटर अनुप्रयोग, लेखा और प्रकाशन में डिप्लोमा • कंप्यूटर अनुप्रयोग व नेटवर्किंग प्रशासन में डिप्लोमा • पीसी एसंब्ली और रखरखाव/मोबाइल मरम्मत और रखरखाव • डेस्कटॉप प्रकाशन

दीर्घावधि पाठ्यक्रम

• आईटी 'ओ' स्तर • आईटी 'ए' स्तर • सीएचएम 'ओ' स्तर • सीएचएम 'ए' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- कॉलेज शिक्षकों और प्रशिक्षकों के बीच जागरूकता उत्पन्न करने की दिशा में जैव सूचना विज्ञान, आईटीईएस के भाग के रूप में कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर के क्षेत्र में क्षमता निर्माण।
- पीएमजीदिशा : भारत सरकार के अधीन एक प्रमाणन एजेंसी के रूप में, नाइलिट गुवाहाटी केंद्र ने दिनांक 31 मार्च, 2018 को असम में कुल 12253 लाभार्थियों के लिए ऑनलाइन प्रोक्टिंग का संचालन किया। कुल रु.19.2 लाख का लक्ष्य प्राप्त किया जाना है।
- डोनरः डोनर मंत्रालय, भारत सरकार से प्रायोजन के अंतर्गत असम सरकार के कुल 1077 कार्मिकों का प्रथम बैच का प्रशिक्षण नाइलिट गुवाहाटी व इसके सभी विस्तार केन्द्रों में प्रगति पर है। वर्ष 2018 के लिए, असम राज्य के लिए डोनर प्रायोजित प्रशिक्षण के अंतर्गत कुल लक्ष्य 6837 है।
- नाइलिट गुवाहाटी के सिलचर विस्तार केंद्र में मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स परियोजनाः इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार से प्रायोजन के अंतर्गत चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला नाइलिट गुवाहाटी के सिलचर ईसी में स्थापित की जा रही है। इस परियोजना में मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण की मरम्मत/सेवा में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। तीन वर्ष के लिए लक्ष्य कुल 75 है।
- एंटी–स्पैम परियोजनाः इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एनईआईटीवाई), भारत सरकार से प्रायोजन के अंतर्गत नाइलिट इम्फाल के साथ संयुक्त रूप से एक एंटी स्पैम समन्वय केंद्र को नाइलिट गुवाहाटी के सिटी सेंटर में स्थापित किया जा रहा है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य एंटी स्पैम सुविधा स्थापित करने और संग्रह, विश्लेषण और स्पैम मेल के बारे में जानकारी का आदान–प्रदान करने के लिए फ्रेमवर्क का विकास करना है।
- आईटी–'ओ' स्तर में 100 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के जॉब सीकर और सीएचएम–'ओ' में 25 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के जोबसीकर्स के प्रशिक्षण का संचालन किया गया।
- इंटरनेट सुरक्षा जागरूकता पर कार्यशाला दिनांक 07 सितंबर, 2017 को एलजीबी गर्ल्स कॉलेज सरकारी हाई स्कूल और एमपी स्कूल, तेजपुर में एनआईईएलआईटी तेजपुर द्वारा आयोजित की गई। कुल 100 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया। इसी प्रकार, दिनांक 11 सितंबर, 2017 को तेजपुर विज्ञान अकादमी में कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें, 110 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- हार्डवेयर प्रयोगशाला की स्थापना नाइलिट गुवाहाटी केंद्र में दीर्घकालिक सीएचएम 'ओ', 'ए' स्तर और अन्य एनएसक्यूएफ सूचीबद्ध अल्पावधि पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को अनुभव प्रदान करने के क्रम में की गई। नवीन रूप से स्थापित हार्डवेयर प्रयोगशाला में जैसे एनालॉग ऑसीसिलोस्कोप (सीआरओ), डिजिटल मल्टीमीटर (हैंड हेल्ड) फंक्शन जेनरेटर, पल्स जेनरेटर, डी.सी. विनियमित बिजली की आपूर्ति आदि अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं।

अरुणम

इम्फाल

कार्यकारी समिति की बैठक

28 जुलाई, 2017 (शुक्रवार)

16वीं बैठक, 27 मार्च, 2018

कार्मिक

नियमित : 41

परियोजना आधारित : 76

कारोबार

1129.78 लाख रु.

कार्यकारी निदेशक

श्री टी. परमेश्वर सिंह

पता

नाइलिट इम्फाल

आकम्पट, डाकघर बॉक्स–104

इम्फाल – 795001

मणिपुर

सम्पर्क के ब्यौरे

फोनरू 09436142955

ई–मेल : dir-imphal@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य

मणिपुर

विस्तार केन्द्र

• सेनापति विस्तार केंद्र

• चुड़ाचाँदपुर विस्तार केंद्र

केंद्र का इतिहासः

वर्ष 1988 में स्थापित नाइलिट इम्फाल आकम्पट में स्थित है और 24 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में फैला हुआ है। "पूर्वोत्तर में नाइलिट केन्द्र का ग्रेड उन्नयन" परियोजना के अन्तर्गत वर्ष 2013 में चुड़चाँदपुर तथा सेनापति जिले में दो विस्तार केन्द्र भी स्थापित किए गए हैं।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- ☞ आईटी सुरक्षा और साइबर फोरेंसिक
- ☞ इलेक्ट्रॉनिकी मरम्मत और रखरखाव
- ☞ मल्टिमीडिया और एनीमेशन
- ☞ एफएलडीडी लाइट मरम्मत, सूर्यमित्र
- ☞ डीएएस सेट–टॉप बॉक्स इंस्टॉलर और सर्विसिंग
- ☞ सोलर एलईडी उत्पाद डिजाइन और विनिर्माण
- ☞ इलेक्ट्रॉनिक होम उपकरणों व मोबाइल फोन का इन्स्टालेशन, मरम्मत और रखरखाव

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

• डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम • कार्यालय स्वचालन/वेब डिजाइनिंग • डेस्कटॉप प्रकाशन • टैली ईआरपी 9.0 • सिस्टम विंडोज सर्वर का उपयोग कर प्रशासन • ई–शासन अनुप्रयोग • कौशल और संचार अंग्रेजी • सूचना सुरक्षा और साइबर कानून • आईटी सुरक्षा और नेटवर्क • कंप्यूटर अनुप्रयोग में डिप्लोमा, नेटवर्क प्रशासन और सॉफ्ट कौशल • मल्टीमीडिया सामग्री डेवलपर में डिप्लोमा • एम्बेडेड सिस्टम • पीसी असेंबली व रखरखाव • इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण और सर्किट • मरम्मत और घरेलू उपकरण और स्वचालन इलेक्ट्रॉनिक्स का रखरखाव • सौर हाइब्रिड चार्जर और एलईडी प्रकाश व्यवस्था • इलेक्ट्रॉनिक सर्किट सिमुलेशन मल्टीसिम का उपयोग • इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की मरम्मत और रखरखाव • मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद • सौर रूफटॉप तकनीशियन/सेट टॉप बॉक्स

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम

• मास्टर ऑफ कम्प्यूटर ऍप्लिकेशन (एमसीए) • पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन (पीजीडीसीए) • बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) • कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में डिप्लोमा • इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में डिप्लोमा • 'ओ' स्तर • सीएचएम 'ओ' स्तर • मैट 'ओ' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- अकादमिक वर्ष के दौरान, नाइलिट इम्फाल और इसके दो विस्तार केंद्र में कुल 6,702 विद्यार्थी प्रशिक्षित हुए।
- नाइलिट इम्फाल ने सात बैचों में उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित "राज्य सरकार के कर्मियों के लिए 14 दिनों के "आईटी और डिजिटल सेवाओं पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (डिजिटल भुगतान और जीएसटी सहित) का संचालन किया। विभिन्न विभागों के कुल 161 सरकारी कार्मिकों ने प्रशिक्षण में भाग लिया।
- कुल 432 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया था और 403 अभ्यर्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की व 36 अभ्यर्थियों को परिणाम–आधारित कौशल विकास कार्यक्रम से जुड़ा हुआ प्लेसमेंट मिला है। साथ ही, उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित कौशल प्रदान करने के लिए उत्तर पूर्व क्षेत्र (एनईआर) के बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया।
- सौर पीवी स्थापना (सूर्यमित्र) पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत, केंद्र ने नई और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 30 बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षित किया।
- कुल 25 नामांकित अभ्यर्थियों में से 17 अभ्यर्थियों ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, मणिपुर सरकार द्वारा प्रायोजित एससी/एसटी छात्रों के लिए एलईडी लाइट मरम्मत तकनीशियन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के अंतर्गत परीक्षा उत्तीर्ण की।
- एमईआईटीवाई, भारत सरकार के प्रायोजन के अंतर्गत नाइलिट इम्फाल ने सीईआरटी–इन को सबमिशन हेतु स्पैम ईमेल के डेटा एकत्र करने के लिए एंटी–स्पैम समन्वय केंद्र की स्थापना की।
- केंद्र डिजिटल भुगतान मोड पर कई कार्यशालाओं और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है।
- वर्ष के दौरान, 1402 विद्यार्थियों को राज्य सरकार, केंद्र सरकार व निजी संगठनों में रोजगार प्राप्त हुआ है।
- नाइलिट इम्फाल के मॉडल कैरियर सेंटर (एमसीसी) ने एक रोजगार मेला आयोजित किया जिसमें 16 संगठन शामिल हुए, कुल 332 अभ्यर्थियों ने नौकरी मेले में भाग लिया और कुल 160 अभ्यर्थियों दो अलग–अलग वर्गों के लिए चुने गए वर्ष के दौरान 462 कैरियर परामर्श कार्यक्रम, 05 कैंपस भर्ती ड्राइव आयोजित किए गए, कुल 232 रिक्ति पोस्टिंग के लिए समन्वय किया। अब तक, 1678 जॉब सीकर नाइलिट इम्फाल के एमसीसी के माध्यम से एनसीएस पोर्टल में पंजीकृत हुए तथा 6 नियोक्ता/संगठन भी एनसीएस पोर्टल में पंजीकृत हुए।

ईटानगर

कार्यकारी समिति की बैठक
शून्य

कार्मिक
नियमित : 06
परियोजना आधारित : शून्य

कारोबार
311.45 लाख रु.

प्रभारी निदेशक
श्री एन देबाचंद्र सिंह

पता
नाइलिट ईटानगर केन्द्र
ई–सेक्टर, नाहरलगुन–791110
अरुणाचल प्रदेश

सम्पर्क के ब्यौरे
फोनरू 0360–2351854 / 2351855
ई–मेल : dir-itanagar@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य
अरुणाचल प्रदेश

विस्तार केन्द्र
• नाइलिट पासीघाट विस्तार केंद्र
• नाइलिट तेजू विस्तार केंद्र

केंद्र का इतिहासः

वर्ष 2011 में स्थापित नाइलिट ईटानगर केन्द्र कम्प्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी तथा संबद्ध विषयों पर कुशल जनशक्ति तैयार करने पर ध्यान दे रहा है। यह संस्थान रोजगार के अवसरों में वद्धि करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है तथा डिजिटल साक्षरता की सुविधा प्रदान करता है, केन्द्र का पासीघाट में एक विस्तार केन्द्र है जो, दिनांक 10 दिसंबर, 2015 से परिचालन में है और विस्तार केन्द्र तेजू है जिसका दिनांक 3 फरवरी, 2018 को उदघाटन किया गया था।

उत्कृष्टता के क्षेत्रः

☞ डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम
☞ टैली ईआरपी 9.0
☞ मैटलैब

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः

अल्पावधि पाठ्यक्रम

- कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- डीएसपी उपयोग कर मैटलैब
- ईएसडीएम योजना के अंतर्गत पीसी एसेम्बली और रखरखाव
- टैली सहित वित्तीय लेखा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

दीर्घावधि पाठ्यक्रम

- कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (बीसीए)
- नाइलिट् 'ओ' स्तर
- नाइलिट् सीएचएम 'ओ' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- अरुणाचल प्रदेश सरकार ने यूडीसी के लिए सीधी भर्ती हेतु सीसीसी पाठ्यक्रम तथा एलडीसी पद के लिए सशर्त बीसीसी पाठ्यक्रम प्रमाणपत्र को अर्हता के रूप में मान्य किया है।
- अकादमिक वर्ष 2016 से राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर से संबद्धता प्राप्त कंप्यूटर एप्लीकेशन में स्नातक (बीसीए) पाठ्यक्रम को शुरू किया गया।
- नाइलिट ईटानगर ने एमईआईटीवाई, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित "डिजिटल इंडिया के लिए उत्तर पूर्व की तैयारी" परियोजना के अंतर्गत सीसीसी पाठ्यक्रम पर अरुणाचल प्रदेश में कार्यरत 739 सरकारी कार्मिकों को प्रशिक्षित किया।
- नाइलिट इटानगर ने अपनी स्थापना से कुल 7111 अभ्यर्थियों को विभिन्न दीर्घकालिक और अल्पकालिक पाठ्यक्रमों के तहत प्रशिक्षित किया।
- नाइलिट इटानगर ने डीजीईटी प्रायोजित योजना के अंतर्गत नाइलिट सीएचएम 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम में 47 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया।
- डीआईटी, अरुणाचल प्रदेश सरकार के सहयोग से जीवन प्रमाण में संवेदनशीलता कार्यक्रम दिनांक 21.11.2016 को आयोजित किया गया।
- तेज़ू, अरुणाचल प्रदेश में एक विस्तार केंद्र का उद्घाटन दिनांक 3 फरवरी, 2018 माननीय मंत्री इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी, तथा विधि और न्याय, श्री रवि शंकर प्रसाद, माननीय मुख्यमंत्री अरुणाचल प्रदेश श्री पेमा खंडू की उपस्थिति में किया गया था।
- केंद्र उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित आईटी में प्रशिक्षण के लिए राज्य के सरकारी अधिकारियों की क्षमता निर्माण और डिजिटल सेवाओं (डिजिटल भुगतान और जीएसटी सहित) का कार्य कर रहा है। केंद्र ने मार्च, 2018 तक 30 राज्य विभागों से 203 पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया है।

अरुणाचल प्रदेश

कोहिमा

कार्यकारी समिति की बैठक
शून्य

कार्मिक
नियमित : 19
परियोजना आधारित : 61

कारोबार
1003.85 लाख रु.

प्रभारी निदेशक
श्री एल. लानुवाबांग

पता
नाइलिट कोहिमा
मेरिएमा
न्यू हाई कोर्ट रोड
कोहिमा – 797001
नागालैण्ड

सम्पर्क के ब्यौरे
मोबाइल : 09436215243
ई–मेल : dir-kohima@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य
नागालैण्ड

विस्तार केन्द्र
• चुचुयिमलांग विस्तार केंद्र, नागालैंड विश्वविद्यालय
• नाइलिट कोहिमा अध्ययन केंद्र लूममि
• मोन, लोंगलेंग, तुएनसांग तथा किफिरे में नाइलिट कोहिमा प्रशिक्षण केंद्र

केंद्र का इतिहासः

वर्ष 2004 में स्थापित नाइलिट कोहिमा तत्कालीन माननीय प्रधानमंत्री, श्री अटल बिहारी बाजपेयी की वर्ष 2003 में प्रथम यात्रा के दौरान नागालैण्ड की जनता के लिए सांकेतिक भाव–प्रदर्शन के रूप में की गई घोषणा का परिणाम है। नागालैंड सरकार द्वारा नाइलिट कोहिमा को आईटी व भागीदारी में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में भी पहचान दी गई है। वर्ष 2006 में, नागालैंड के मोकोकचंग जिले में नागालैंड गांधी आश्रम चुचुइमलांग के सहयोग से चुचुइमलांग में ग्रामीण विस्तार केंद्र भी स्थापित किया गया था जिसका उद्देश्य पूरे जिले में शिक्षा व आईटी साक्षरता के स्तर को बढ़ाना तथा क्षेत्र में आईटी उद्योग के बढ़ाने में ग्रामीण युवाओं की भागीदारी व योगदान के समान अवसरों का सृजन करना है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- साइबर फोरेन्सिक
- साइबर सुरक्षा
- चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

• कंप्यूटर अनुप्रयोग और नेटवर्किंग में डिप्लोमा (डीसीएएन) • कंप्यूटर अवधारणा पर पाठ्यक्रम (सीसीसी) • बेसिक कंप्यूटर पाठ्यक्रम (बीसीसी) • पीसी एसेम्बली और रखरखाव • ग्राफिक डिजाइनिंग • ऑडियो और वीडियो संपादन, इंटरनेट और वेबपेज डिजाइनिंग • सीएसी++ जावा, वीबी, सी #, ओरेकल जैसी प्रोग्रामिंग भाषा पर पाठ्यक्रम, आईटीई और सॉफ्ट स्किल्स, नेशनल इंस्ट्रूमेंट्स मल्टीइज्म पाठ्यक्रम, • एंबेडेड सिस्टम • इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की मरम्मत और रखरखाव • टैली ईआरपी9, आईसीसीयू उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव, मोबाइल की मरम्मत, सूचना सुरक्षा और साइबर लॉ, ई–गवर्नेंस एप्लीकेशन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम

• बैचलर ऑफ कम्प्यूटर ऍप्लिकेशन (बीसीए) • कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग / सूचना प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा • 'ओ' लेवल (कंप्यूटर एप्लीकेशन में फाउंडेशन पाठ्यक्रम) • 'ए' स्तर (कंप्यूटर अनुप्रयोग में एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम) • सीएचएम 'ओ' लेवल (कंप्यूटर हार्डवेयर रखरखाव में डिप्लोमा, सीएचएम 'ए' स्तर (कंप्यूटर हार्डवेयर रखरखाव और नेटवर्किंग में उन्नत डिप्लोमा) मैट–'ओ' स्तर (मल्टीमीडिया और एनीमेशन प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा)

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- कुल 5,397 अभ्यर्थियों को दीर्घ और अल्प अवधि पाठ्यक्रमों में नामांकित / प्रशिक्षित किया गया था।
- प्रथम बार, समाज के वंचित वर्गों के लिए बेहतर अवसर प्रदान करने की दिशा में नागालैंड में सोम, तुन्सैंग, लांगलेंग और किफिरे के चार पिछड़े जिलों में प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए गए थे। कुल 700 एसटी युवाओं व महिलाओं में से 329 पुरुष और 371 महिलाएं आईटी कौशल, डिजिटल विपणन और सॉफ्ट कौशल में प्रशिक्षित हुई।
- जैव चिकित्सा उपकरणों के रखरखाव पर एक सप्ताह का गहन प्रशिक्षण चेन्नई के फैबर सिंधुरी मैनेजमेंट सर्विसेज द्वारा भर्ती किए गए 19 अभ्यर्थियों को दिया गया था।
- सभी के लिए डिजिटल साक्षरता : कंप्यूटर मूलभूत पर एक माह का गहन प्रशिक्षण डिप्टी कमिश्नर के कार्यालय, जिला लोंगलेन्ग, नागालैंड के डोबाशिस (परंपरागत कानून और प्रथाओं के संरक्षक) को प्रदान किया गया था।
- नाइलिट कोहिमा ने दीमापुर, नागालैंड राज्य का वाणिज्यिक हब में सिटी सेंटर की स्थापना करने के लिए डिजिटल इंडिया विजन को लक्ष्य को पूरा करने के क्रम में आईईसीटी में युवाओं की क्षमता निर्माण और स्किलिंग हेतु उद्योग और वाणिज्य विभाग, नागालैंड सरकार के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए।
- डोनर मंत्रालय द्वारा प्रायोजित नागालैंड राज्य के सरकारी कार्मिकों के लिए आईटी और डिजिटल सेवाओं में प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया था व डोनर का उद्घाटन किया गया और 20 राज्य सरकार के कार्मिकों को प्रथम बैच के साथ प्रशिक्षित किया।
- कंप्यूटर विज्ञान इंजीनियरिंग में डिप्लोमा के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों, पॉलिटेक्निक कोहिमा, के 24 विद्यार्थियों को औद्योगिक प्रशिक्षण के अंतर्गत ग्राफिक डिजाइनिंग में प्रशिक्षित किया गया था।
- एआईसीटीई योजना के सामुदायिक कॉलेज के अंतर्गत शासकीय पॉलिटेक्निक कोहिमा के 26 विद्यार्थियों को टैली ईआरपी 09 पर प्रशिक्षित किया गया।
- नाइलिट कोहिमा ने पशुपालन और पशु चिकित्सा विभाग तथा चुनाव आयोग, नागालैंड सरकार के लिए विभिन्न पदों की की भर्ती के लिए परीक्षाएं आयोजित कीं। परीक्षा में 227 जॉब सीकर सम्मिलित हुए।
- 10 पुलिस अधिकारियों को एडवांस साइबर फोरेंसिक में प्रशिक्षित किया तथा नाइलिट कोहिमा ने 19 साइबर क्राइम के मामलों को सुलझाने में सहायता प्रदान की।
- नागालैंड राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित प्रशिक्षण के दौरान नागालैंड राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले के पेनल वकीलों को साइबर अपराध रोकथाम, सुरक्षा और जांच प्रक्रिया पर आधारित वार्ता कार्यक्रम का आयोजन किया।
- नाइलिट कोहिमा ने पूर्वोत्तर सेवा के द्वारा लाइव रेडियो ब्रिज कार्यक्रम, ऑल इंडिया रेडियो, शिलांग के दौरान साइबर अपराध व सोशल मीडिया, सोशल नेटवर्किंग और साइबर सुरक्षा मुद्दों और राज्य की वर्तमान पहल पर चर्चा में भाग लेते हुए राज्य का प्रतिनिधित्व किया।

कोलकाता

कार्यकारी समिति की बैठक
एक, 23 मार्च, 2018

कार्मिक
नियमित : 30
परियोजना आधारित : 46

कारोबार
548.37 लाख रु.

निदेशक
डॉ. वाई. जयंता सिंह

पता
नाइलिट कोलकाता
ईकाई 1 : जादवपुर
विश्वविद्यालय परिसर
कोलकाता–700032

ईकाई 2 : ब्लॉक–बीएफ 267,
सेक्टर–1, साल्ट लेक,
कोलकाता–700064
फोन : 033–4602–2246 / 0938

सम्पर्क के ब्यौरे
फोन : 033–24146081 / 6054,
033–24146261 (सीधा)
फैक्स : 033–24146549
ई–मेल : dir-kolkata@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य
पश्चिम बंगाल, सिक्किम व ओड़ीशा

अध्ययन केन्द्र

केंद्र का इतिहासः

क्षेत्रीय कम्प्यूटर केन्द्र (आरसीसी), कोलकाता के रूप में 1976 में स्थापित, नाइलिट कोलकाता लगभग 40 वर्षों से आईटी शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने वाले पूर्वी क्षेत्र में सबसे पुराने आईटी हॉउस में से एक है तथा पूर्वी भारत में आईटी / आईटीईएस में आईटी प्रशिक्षण एवं परामर्श सेवाएं प्रदान करने में अग्रणी है। केन्द्र में 11 व्याख्यान–कक्ष, एक स्मार्ट वर्चुअल क्लासरूम, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, मॉडल कैरियर केंद्र, सम्मलेन कक्ष जिसमें केंद्रीय यूपीएस और 24x7 100 एमबीपीएस एनकेएन कनेक्टिविटी के साथ 8 प्रयोगशालाएं हैं।

केंद्र की नई बी+जी+3 मंजिला भवन साल्ट लेक पर लगभग 20,000 वर्गफुट परिचालन क्षेत्र तथा आधुनिक कम्प्यूटेशनल सुविधाओं से सुसज्जित है।

उत्कृष्टता के क्षेत्रः

- सॉफ्टवेयर (एस / डब्ल्यू) विकास और एस / डब्ल्यू परीक्षण
- नियमित आईटी पाठ्यक्रमों पर प्रशिक्षण–ऑफिस ऑटोमेशन, प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेस, डाटाबेस, मल्टीमीडिया एनिमेशन टेक्नोलॉजी
- ई–शासन और कॉर्पोरेट प्रशिक्षण–ईआरपी, ई–वेस्ट मैनेजमेंट, ऑटोकैड
- नवीनतम आईटी पाठ्यक्रमों पर प्रशिक्षण–एंड्रॉइड, डेटा एनालिटिक्स, डाटा वेयरहाउसिंग और डाटा माइनिंग और क्लाउड कंप्यूटिंग

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः

अल्प अवधि

• ऑफिस ऑटोमेशन • सी प्रोग्रामिंग, ओरेकल और पीएल / एसक्यूएल • वेब डिजाइनिंग • लैंप (लिनक्स, अपाचे, MySQL,पीएचपी)* • पीसी एसेम्बली और रखरखाव • उन्नत जावा • डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग, ऑटोकैड / कोर जावा • उन्नत वित्तीय लेखा व जीएसटी उपयोग कर टैली, सी ++ प्रोग्रामिंग, इमेज एडिटिंग और 2डी एनिमेशन • मेटलैब • ओरेकल डीबीए • नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेशन • लिनक्स का उपयोग कर प्रणाली प्रशासन • विद्युत और सुरक्षा प्रेक्टिस पर कौशल विकास प्रशिक्षण • 3डी डिजाइन का परिचय • प्रमाणित एंड्रॉइड एप्लिकेशन डेवलपर • इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम की स्थापना और रखरखाव एंड्रॉइड ऐप विकास • आईओटी पायथन • पीसी के असेंबली और रखरखाव का उपयोग कर • डेस्क टॉप पब्लिशिंग • सॉफ्ट स्किल • मल्टीमीडिया • सौर टेक्नोलॉजी • इंटरेक्टिव मल्टीमीडिया डेवलपर में डिप्लोमा • डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन और एन / डब्ल्यू प्रशासन

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम

• आईटी–'ओ' स्तर • आईटी–'ए' लेवल • आईटी–'बी' स्तर • सीएचएम–'ओ' स्तर, • मैट 'ओ' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- संचालित पाठ्यक्रमों के माध्यम से, 5361 प्रतिभागियों को गैर–औपचारिक क्षेत्र में सम्पूर्ण वर्ष प्रशिक्षित किया गया था।
- कुल 200 अभ्यर्थियों के लिए कोलकाता और ओडिशा में डीजीईटी, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित नाइलिट 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम व कंप्यूटर हार्डवेयर रखरखाव (सीएचएम–'ओ') में प्रशिक्षण।
- जादवपुर विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त रूप से स्किलिंग– (1) बिजली और सुरक्षा प्रथाओं और (2) स्थापना – विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स प्रणाली का रखरखाव।
- संचालित कॉर्पोरेट प्रशिक्षण–1) एसआरएफटीआई, कोलकाता– (साइबर सुरक्षा, जीईएम), 2) सिंचाई विभाग और जलमार्ग, सरकार डब्ल्यूबी– (स्मार्ट ऑफिस), 3) कोलकाता नगर निगम– (ऑटोकैड), 4) एसडीओ अधिकारी, बोलपुर (ई–शासन), 5) कोलकाता पुलिस– (साइबर सुरक्षा) 6) लोक सेवा आयोग, कोलकाता (ई–गवर्नेंस), 7) जीएसटी (कई सरकारी अधिकारी के लिए) 8) ऑर्डेंस फैक्ट्री के लिए साइबर सुरक्षा बोर्ड, 9) बीएसएफ के लिए नेटवर्क विज्ञापन।
- कई आमंत्रित अंतर्राष्ट्रीय वार्ताएं, जैसेः प्रोफेसर एस. बरुआ द्वारा नैनो–टेक्नोलॉजी में करियर, एस.बार्बुईया, क्वीन यूनिवर्सिटी द्वारा एडीबीयू, असमय;, डेटा एनालिटिक्सः एम जहिद द्वारा यूके साइबर सुरक्षा; ई बरलास्कर, रानी विश्वविद्यालय द्वारा क्लाउड कंप्यूटिंग और बिग डेटा; श्री के शर्मा, एएसजी समूह, हांगकांग द्वारा ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी क्या है, डॉ जे.मैक निंगसन, शेफील्ड हॉलम विश्वविद्यालय, यूके द्वारा ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी।
- 'सीसीसी' परीक्षा के लिए कुल 2309 परीक्षार्थी उपस्थित हुए हैं व 'बीसीसी' परीक्षा के लिए कुल 848 अभ्यर्थी उपस्थित हुए। डिजिधन, जीवन प्रमाण, ऑनलाइन भुगतान, उमंग पर आयोजित कार्यशाला, भीम आदि पर कार्यशाला का आयोजन।
- मॉडल कैरियर सेंटर (एमसीसी) ने 2 मेले आयोजित किया जिसमें 10 कंपनियां और 222 अभ्यर्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की व 126 अभ्यर्थियों को सूचीबद्ध किया गया ।
- नई परियोजनाओं की प्राप्तिः

i) कृषि जनगणना की गणना और सत्यापन

ii) भारतीय इस्पात प्राधिकरण, कोलकाता के ईआरपी का रखरखाव

iii) पीएससी कोलकत्ता का ईआरपी विकास

iv) 54,0000 युवाओं के लिए पश्चिम बंगाल के 2/3 टायर शहरों में आईटी प्रशिक्षण

कुरुक्षेत्र

कार्यकारी समिति की बैठक
20 दिसंबर, 2017

कार्मिक
नियमित : 5
परियोजना आधारित : 8

कारोबार
24 लाख रु.

प्रभारी निदेशक
श्री तेजेंदर सिंह बावा

पता
नाइलिट कुरुक्षेत्र
शासकीय पॉलिटेक्निक कैंपस उमरी,
कुरुक्षेत्र–136131

सम्पर्क के ब्यौरे
मोबाइल : 9464088018
ई–मेल : dir-kurukshetra@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य
हरियाणा

अध्ययन केन्द्र
शून्य

केंद्र का इतिहासः

हरियाणा सरकार ने अगस्त 2016 को पॉलिटेक्निक परिसर, उमरी, कुरुक्षेत्र में 10000 वर्ग फुट क्षेत्र प्रदान किया। केंद्र की गतिविधियां दिनांक 5 जनवरी, 2017 से प्रारम्भ हुईं तथा कुरुक्षेत्र में टीम ने सरकारी विभागों तथा जनसाधारण के मध्य जागरूकता सृजन करने हेतु कार्यशालाओं और सेमिनार आयोजित कर धरातल पर कार्य आरम्भ किया। केंद्र ने 1 जून 2017 से अपनी गतिविधियों की शुरुआत की।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

☞ नाइलिट 'ओ' स्तर

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

- पाइथन का उपयोग कर मशीन लर्निंग और सोशल मीडिया एक्सेस
- एमवाईएसक्यूएल के साथ पीएचपी
- अर्डिनों का उपयोग कर जावा, एम्बेडेड सिस्टम
- पाइथन के साथ रास्पबेरी पाई
- सीसीसी पर डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम
- पीसी हार्डवेयर और नेटवर्किंग

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम

- नाइलिट 'ओ' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट 'ओ' स्तर के सत्र जुलाई 2017 में 65 विद्यार्थी व जनवरी, 2018 में 29 विद्यार्थियों ने नामांकन करवाया।
- अगले वर्ष से, ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (यूआईईटी) के साथ गर्मियों में प्रशिक्षण कार्यक्रम को उनके परिसर में ही रोल–आउट करने हेतु एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।
- कुल 853 अभ्यर्थियों की ऑनलाइन सीसीसी परीक्षा सफलतापूर्वक संचालित की गई। केंद्र सीसीसी परीक्षा और ईएसडीएम पाठ्यक्रमों के लिए नोडल सेंटर के रूप में भी अधिकृत था।
- सरकारी और निजी इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक, आईटीआई और अन्य कॉलेजों को अपने छात्रों के लिए करियर विकास कार्यशालाओं के आयोजन के लिए आमंत्रित किया गया। कुछ प्रसिद्ध महाविद्यालय जैसे सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज–करनाल, गीता प्रबंधन और प्रौद्योगिकी संस्थान, कनिप्ला, सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज, निलोखेरी– उमरी–कुरुक्षेत्र, करनाल, सरकारी आईटीआई–उमरी–कुरुक्षेत्र, करनाल। समान रूप से, सेठ जयराम महिला बी.एड. कॉलेज, भगवान पारसुराम कॉलेज – कुरुक्षेत्र तथा एसए जैन कॉलेज, अंबाला सिटी में भी कार्यशालाएं आयोजित की गई। केंद्र ने इन कार्यशालाओं को क्षेत्र में प्रचार–प्रसार हेतु सहयोग किया। कई संस्थानों ने अपने परिसर में संयुक्त रूप से सहयोग द्वारा क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के संचालन हेतु नाइलिट केंद्र, कुरुक्षेत्र के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- डिजिटल भुगतान पर 2 दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन– एक करनाल और कुरुक्षेत्र के व्यापारियों हेतु तथा दूसरी डीसी कार्यालय के कार्मिकों हेतु।
- अखिल भारतीय रेडियो पर दो वार्ताएं कार्यक्रम– युवाओं में आईटी कौशल के महत्व पर युवा–वाणी कार्यक्रम और आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स में युवाओं को स्किल करने में नाइलिट की भूमिका।

पटना

कार्यकारी समिति की बैठक
शून्य

कार्मिक
नियमित : 5
परियोजना आधारित : 27

कारोबार
606.26 लाख रु.

अपर निदेशक
श्री आलोक त्रिपाठी

पता
नाइलिट पटना केंद्र
आईआईटी के समीप, अमहारा, बिहटा,
पटना (बिहार)–801106

सम्पर्क के ब्यौरे
फोन : 0612–22191434
ई–मेल : dir-patna@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य
बिहार

विस्तार केन्द्र
• आदर्श कंप्यूटर केंद्र,
अलावलपुर, फतुहा, पटना

• आदर्श कंप्यूटर केंद्र,
लाखानपुरा, बख्तियारपुर, पटना

केंद्र का इतिहासः

नाइलिट पटना केंद्र इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी (एमईआईटीवाई), भारत सरकार के प्रशासनिक अनुमोदन एन 01(1)/2011–एचआरडी वॉल्यूम (II) से दिनांक 26.10.2012 को स्थापित हुआ था।

नाइलिट पटना केंद्र के स्थायी परिसर का उद्घाटन दिनांक 26/02/2018 को माननीय एमओईआईटी, श्री रविशंकर प्रसाद की गरिमामय उपस्थिति में माननीय मुख्यमंत्री, बिहार, श्री नीतीश कुमार द्वारा किया गया।

इस सिटी सेंटर का उद्घाटन माननीय मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी ने दिनांक 14 जुलाई, 2015 को किया था।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

☞ आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स में क्षमता निर्माण

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

- कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी) बेसिक कंप्यूटर (बीसीसी) पाठ्यक्रम
- "सी ++ में प्रोग्रामिंग" में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- उन्नत जावा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (जे2ईई)
- "पीएचपी का उपयोग कर उन्नत विकास" में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- टैली का उपयोग कर वित्तीय लेखा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- लिनक्स का उपयोग कर सिस्टम प्रशासन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन तकनीशियन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम

- नाइलिट 'ए' स्तर सॉफ्टवेयर पाठ्यक्रम
- नाइलिट 'ओ' स्तर सॉफ्टवेयर पाठ्यक्रम
- नाइलिट 'ओ' स्तर हार्डवेयर पाठ्यक्रम
- नाइलिट 'ओ' स्तर मल्टीमीडिया पाठ्यक्रम
- हार्डवेयर, नेटवर्किंग और सूचना सुरक्षा (एडीएचएनएन) में उन्नत डिप्लोमा

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- कर्मचारी प्रशिक्षण परियोजना (राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित):

  इस परियोजना में, समूह 'ग' के कार्मिकों को प्रशिक्षित व उनके लिए परीक्षाओं का संचालन करके प्रमाणित किया जाता है। परीक्षा को उत्तीर्ण करने पर हर दो माह के पश्चात सरकार के कर्मचारियों को वेतन में वृद्धि मिलती है। परीक्षा में कुल 11,819 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए।

- अल्पसंख्यक अभ्यर्थियों लिए क्षमता निर्माण (राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित):

  इस परियोजना में, 10+2/बीटेक/एमसीए अल्पसंख्यक विद्यार्थी उन्नत आईसीटी पाठ्यक्रमों जैसे सीसीसीएन, सीसीडब्ल्यूपी–सीसीएफए व आईटीईएस में प्रशिक्षण ले रहें हैं तथा अल्पसंख्यक उम्मीदवारों के लिए निशुल्क है। 16 अभ्यर्थी पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण हुए हैं।

- ईएसडीएम परियोजना (एमईआईटीवाई द्वारा प्रायोजित):

  इस परियोजना में, बिहार राज्य के बेरोजगार युवाओं को इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन के अंतर्गत प्रशिक्षित किया जाता है व विनिर्माण पाठ्यक्रम में कुल 360 अभ्यर्थियों को परियोजना के अंतर्गत नामांकित किया गया है।

- पंचायती राज परियोजना (राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित):

  इस परियोजना में, सभी मुखियाओं को "मूल कंप्यूटर साक्षरता व स्मार्ट फोन के उपयोग पर पर प्रशिक्षित किया गया है। कुल 3024 सभी गाँव के मुखिया को कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षित किया गया है।

- आदर्श कंप्यूटर साक्षीता केंद्र, लखनपुरा, बख्तियारपुर, पटना की स्थापना:

  दिनांक 21.06.2018 को माननीय मंत्री जी (श्री रवि शंकर प्रसाद, माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री व कानून और न्याय मंत्री, भारत सरकार द्वारा संसद आदर्श ग्राम योजना के दूसरे चरण के अंतर्गत अपनाया गया गांव है।) द्वारा लखनपुरा गांव में आदर्श कंप्यूटर साक्षारता केंद्र।

बिहार

राँची

कार्यकारी समिति की बैठक
शून्य

कार्मिक
नियमित : 6
परियोजना आधारित : 5

कारोबार
157.92 लाख रु.

प्रभारी निदेशक
श्री तपस त्रिवेदी

पता
नाइलिट राँची
दूसरी मंजिल, रियदा भवन
मेन रोड, जीईएल चर्च के सामने
राँची–834001

सम्पर्क के ब्यौरे
फोन : 0651–2332554
ई–मेल : dir-ranchi@nielit.gov.in
वेबसाईट : http://nielit.gov.in/ranchi/

क्षेत्राधिकार राज्य
झारखण्ड

अध्ययन केन्द्र
शून्य

केंद्र का इतिहासः

माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा 21 अगस्त 2014 को उद्घाटन किए जाने के बाद से ही नाइलिट राँची केन्द्र ने कार्य करना शुरू कर दिया है। झारखण्ड सरकार द्वारा रियदा भवन परिसर, मेन रोड राँची में एक अस्थायी कार्यालय स्थल उपलब्ध कराया गया है। नाइलिट, राँची का स्थायी परिसर स्थापित करने के लिए हालही में झारखण्ड सरकार ने कनके अंचल, सांगा मौजा, राँची में 5.0 एकड़ की भूमि आबंटित की है, जिसमें छात्रों तथा छात्राओं के छात्रावास भी होंगे। भूमि के कब्जे का पत्र झारखण्ड सरकार के माननीय मुख्य मंत्री, श्री रघुबर दास ने आयोजित इन्फोकॉम– 2015 – सुविधा झारखण्ड के अवसर पर नाइलिट के महानिदेशक डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा को औपचारिक रूप में सौंपा। दिनांक 17 दिसंबर, 2015 को होटल चाणक्य बीएनआर में 'एडवांटेज झारखंड' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उत्कृष्टता के क्षेत्रः

- ईएसडीएम पाठ्यक्रम
- एनडीएलएम पाठ्यक्रम
- डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम (नाईलिट सीसीसी, बीसीसी तथा एसीसी)

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

- नाइलिट 'सीसीसी' पाठ्यक्रम
- नाइलिट 'बीसीसी' पाठ्यक्रम
- नाइलिट 'एसीसी' पाठ्यक्रम

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम

- नाइलिट 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम
- नाइलिट् सीएचएम–'ओ' स्तर पाठ्यक्रम

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट रांची ने झारखंड और छत्तीसगढ़ में डिजिटल भुगतान पहल पर स्वयं संगठित सूक्ष्म और लघु व्यापार/व्यापारियों के ऑन–बोर्डिंग शीर्षक पर परियोजना के अंतर्गत परियोजना के अंतर्गत 2 राज्य स्तरीय कार्यशालाएं और 7 डिजिधन शिविर आयोजित किए हैं। कार्यक्रम में कुल 920 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- नाइलिट रांची ने डीजीईएंडटी प्रायोजित नाइलिट–आईटी 'ओ' स्तर (एससी/एसटी जॉब सीकर हेतु कुल 100 अभ्यर्थी) सीएचएम 'ओ' स्तर (एससी/एसटी जॉब सीकर हेतु कुल 50 अभ्यर्थी) पाठ्यक्रम का संचालन किया है।
- राजस्व बोर्ड, झारखंड सरकार द्वारा झारखंड सरकार के कार्मिकों के लिए विभागीय परीक्षा हेतु हिंदी और अंग्रेजी दोनों में कंप्यूटर आधारित टाइपिंग परीक्षा का आयोजन किया। नाइलिट रांची केंद्र द्वारा सॉफ्टवेयर विकसित किया गया। परीक्षा में कुल 59 अभ्यर्थी उपस्थित हुए।
- नाइलिट रांची केंद्र द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर का उपयोग कर राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड, झारखंड सरकार में जनशक्ति की भर्ती के लिए कंप्यूटर आधारित टाइपिंग स्पीड परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में कुल 40 अभ्यर्थी उपस्थित हुए।
- आईटी और ई–गव, झारखंड सरकार द्वारा प्रायोजित एससी/एसटी युवाओं के लिए आईटी आधारित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम। 600 एससी/एसटी युवाओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम झारखंड के जिलों अर्थात गुमला, लोहारदागा, लतेहार, सेराइकेला खारसवान, दुमका, सिमदेगा, चतरा, जमातारा, पाकुर और रामगढ़ में संचालित हो रहा है।
- नाइलिट रांची ने 35 सरकारी कार्मिकों के लिए तीन दिवसीय ई–अपशिष्ट प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया है तथा 35 सरकारी कार्मिकों के लिए एक दिवसीय ई–अपशिष्ट प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया है।
- केंद्र ने रांची के विभिन्न स्थानों में डिजिटल भुगतान, जनसाधारण की पहुँच का सुनिश्चय व अभिव्यक्ति के माध्यम से प्रदर्शन पर जागरूकता कार्यक्रम का संचालन किया।
- नाइलिट रांची द्वारा कुल 30 पेंशनरों को डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है।
- कंप्यूटर अवधारणा (सीसीसी) पाठ्यक्रम में 37 विद्यार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया है।

रोपड़

कार्यकारी समिति की बैठक
20 दिसंबर, 2017

कार्मिक
नियमित : 5
परियोजना आधारित : 3

कारोबार
693.16 लाख रु.

प्रभारी निदेशक
श्री दीपक वासन

पता
नाइलिट रोपड़
बिरला फर्म्स, बड़ाफूल,
रोपड़–140001

सम्पर्क के ब्यौरे
मोबाइल : 9815601093
ई–मेल : dir-ropar@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य
पंजाब

अध्ययन केंद्र
शून्य

केंद्र का इतिहासः

पंजाब सरकार ने अगस्त 2012 में नाइलिट रोपड़, पंजाब के स्थायी परिसर के निर्माण हेतु निशुल्क रूप से लगभग 12 एकड़ जमीन (आईआईटी परिसर के समीप) आवंटित की थी "नाइलिट ने अप्रैल, 2016 से अस्थायी कार्यालय स्थल से अपनी प्रशिक्षण गतिविधियों की शुरुआत की। भवन निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है और नाइलिट ने तब से ही अक्तूबर, 2017 से नए परिसर से अपनी प्रशिक्षण गतिविधियों की शुरुआत की थी।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- एंड्रॉइड का उपयोग कर मॉड्यूल ऐप विकास
- एंड्रॉइड का उपयोग कर एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन
- एमवाईएसक्यूएल के साथ पीएचपी

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

- डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम जैसे एसीसी / बीसीसी / सीसीसी
- एंड्रॉइड पर मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपमेंट
- वेब डिजाइनिंग, वीबी / सी# के साथ एएसपी नेट
- एमवाईएसक्यूएल के साथ एफपीएचपी
- सिस्टम प्रशासन और शैल प्रोग्रामिंग के अंतर्गत लिनक्स / यूनिक्स
- कोर और उन्नत जावा, सी / सी ++, ऑटो सीएडी
- एसक्यूएल सर्वर / ओरेकल, एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन, अर्डिनों

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- नाइलिट 'ओ' स्तर / नाइलिट 'ए' स्तर और सीएचएम – 'ओ' स्तर।

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- केंद्र नाइलिट के आईटी 'ओ' स्तर 'ए' स्तर, सीएचएम 'ओ' स्तर और सीसीसी में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। केंद्र ने जावा, एंड्रॉइड, पीएचपी/एमवाईएसक्यूएल, एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन, ऑटोकैड, सी–भाषा, आदि में विद्यार्थियों को अल्प अवधि पाठ्यक्रम की शुरूआत की है।

- नाइलिट रोपड़ ने इंजीनियरिंग कॉलेज अर्थात आईईटी भद्दाल के साथ एमओयू में हस्ताक्षर किया है। जिसके अंतर्गत सभी वर्गों के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए डिजिटल साक्षारता प्रशिक्षण व दूसरे/तीसरे/चौथे वर्ष के छात्रों के लिए समर/औद्योगिक प्रशिक्षण प्रदान करना है।

- नाइलिट रोपड़ ने नाइलिट चंडीगढ़ के साथ मिलकर, इंदर कुमार गुजराल पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय (आईकेजी पीटीयू), कपूरथला के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं जिसके अंतर्गत आईकेजी पीटीयू से संबद्ध सभी छात्रों को किसी एक मोहाली, रोपर या चंडीगढ़ परिसर से ग्रीष्मकालीन/औद्योगिक प्रशिक्षण लेना होगा।

- अभी तक, कुल 220 से अधिक अभ्यर्थियों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकन किया है।

- नाइलिट रोपड़ ने जिला रोजगार कार्यालय, रोपड़ द्वारा 08 मार्च, 2018 को आयोजित नौकरी मेले में भाग लिया तथा और नाइलिट और इसके पाठ्यक्रमों के बारे में आगंतुकों के बीच जागरूकता का सृजन किया गया।

- नाइलिट गतिविधियों को हाइलाइट करने वाली जागरूकता आधारित कार्यशाला दिनांक 24 नवंबर, 2017 को इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, भड्डाल के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई थी।

- 10 नवंबर, 2017 को जिला रोजगार कार्यालय द्वारा आयोजित 'रोजगार शिविर' में भाग लिया जिसमें छात्रों को करियर के अवसरों और उद्योग आवश्यकताओं और स्थानीय बाजार की मांग के बारे में जानकारी दी गई थी।

- संयुक्त प्रमाणन के अंतर्गत नाइलिट रोपड़ शीघ्र ही आईआईटी रोपड़ के साथ मिलकर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है।

शिलांग

कार्यकारी समिति की बैठक
शून्य

कार्मिक
नियमित : 01
परियोजना आधारित : 28

कारोबार
212.47 लाख रु.

प्रभारी निदेशक
श्री सांतनु बोर्गोहैन

पता
नाइलिट शिलांग
दूसरी मंजिल, मेघालय राज्य आवास
वित्त सहकारी संस्था (एमएसएचएफसीएक)
लिमिटेड बिल्डिंग
बेथाने अस्पताल के पीछे
नॉनग्रिम हिल्स, शिलांग–793003
मेघालय

सम्पर्क के ब्यौरे
फोन : 0364–2520166/2520177
ई–मेल : dir-shillong@nielit.gov.in
वेबसाईट : www.nielit.gov.in/shillong

क्षेत्राधिकार राज्य
मेघालय

अध्ययन केन्द्र
• नाइलिट तूरा विस्तार केंद्र

केंद्र का इतिहासः

नाइलिट शिलांग, देश में नाइलिट का 12 वां केंद्र है (उत्तर पूर्व में 6वां) नाइलिट शिलांग इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी (डीईआईटीवाई), भारत सरकार के द्वारा रु.7.15 करोड़ की लागत से प्रायोजित है। डीओईएसीसी संस्था की प्रारंभिक प्रशिक्षण सुविधा, शिलांग केंद्र का संचालन दूसरे मंजिल, मेघालय राज्य आवास वित्त पोषण सहकारी समिति भवन, नोंग्रिम हिल्स, शिलांग–793003 स्थित किराए के स्थान पर किया जा रहा है। नाइलिट शिलांग का अपना तुरा स्थित विस्तार केंद्र है।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

- सीसीसी (कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम)
- पीसी असेंबली और रखरखाव में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- वेब डिजाइनिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- कार्यालय स्वचालन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- ईसीजी और आईसीसीयू उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम

- आईटी में 'ओ' स्तर
- सीएचएम में 'ओ' स्तर (कंप्यूटर हार्डवेयर और रखरखाव)
- आईटी में 'ए' स्तर
- सीएचएम में 'ए' स्तर (कंप्यूटर हार्डवेयर और रखरखाव)
- 'ओ' स्तर मैट (मल्टीमीडिया और एनीमेशन प्रौद्योगिकी)

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- मेघालय राज्य कृषि विभाग के 32 कार्मिकों को आईसीटी कौशल और मूलभूत सूचना सुरक्षा पर प्रशिक्षण का संचालन किया गया।

- भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) के लिए ऑनलाइन परीक्षा के संचालन की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

- नाइलिट शिलांग में दिनांक 13.2.2018 को ई–अपशिष्ट जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था। विद्यार्थियों, स्टाफ व अन्य, समीप के कार्यालय से अन्य प्रोफेसर दिबेंदू पॉल, पर्यावरण अध्ययन विभाग, उत्तर पूर्वी हिल विश्वविद्यालय को व्यख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

- वायु सेना के अधिकारियों के लिए मूलभूत आईटी प्रशिक्षण कार्यक्रम पर कॉर्पोरेट ट्रेनिंग।

- उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्रालय, (डोनर), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटल सेवाओं (डिजिटल भुगतान और जीएसटी सहित) पर प्रशिक्षण के प्रथम बैच की शुरुआत।

- सभी राज्यों से आए पुलिस पदाधिकारियों के लिए नाइलिट शिलांग द्वारा सूचना सुरक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 20 फरवरी, 2018 को उत्तर पूर्वी पुलिस अकादमी (एनईपीए), उमियम, जिला–रिबोई, मेघालय में शुरू किया गया। एएसआई के स्तर से एसपी तक कुल 33 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।

- नाइलिट शिलांग के स्थायी परिसर के निर्माण के लिए एमयूडीए (मेघालय शहरी विकास एजेंसी) से स्वीकृति प्राप्त हुई।

- नाइलिट शिलांग ने 'कर आयुक्त' और 'आयुक्त कार्यालय', वेस्ट जेंतिया हिल्स के सहयोग से 'वस्तु व सेवा कर' विषय पर दिनांक 14 सितंबर, '2017 को व्यापारियों और राज्य सरकार के अधिकारियों के लिए कार्यशाला आयोजित की थी।

- दिनांक 28 अप्रैल, 2013 को योजना भवन, मुख्य सचिवालय, शिलांग, मेघालय में व्यापारियों के लिए डिजिटल भुगतान पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- गांव रोजगार परिषद के अधिकारियों के लिए 5–16 जून, 2017 के दौरान, नाइलिट का 'डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम' में 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया गया। कार्यक्रम के लिए राज्य समुदाय और ग्रामीण विकास, मेघालय द्वारा कुल 32 प्रतिभागियों को नामांकित किया गया था।

शिमला

कार्यकारी समिति की बैठक(कें)
20.12.2017

कार्मिक
नियमित : 7
परियोजना आधारित : 14

कारोबार
45.01 करोड़ रु.

प्रभारी निदेशक
श्री राजीव अग्रवाल

पता
नाइलिट शिमला
किडरवूड बिल्डिंग
लोअर जाखू, शिमला–171300

सम्पर्क के ब्यौरे
फोन : 0177–2804216
ई–मेल : dir-shimla@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य
हिमाचल प्रदेश

अध्ययन केन्द्र
शून्य

केंद्र का इतिहासः

नाइलिट शिमला की स्थापना दिनांक 10.04.1995 को हुई थी। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य हिमाचल प्रदेश राज्य में आईटी सेवाओं को बढ़ावा देना था। नाइलिट शिमला के उपकेंद्र कसूमपती (उप केंद्र, शिमला) और मंडी, धर्मशाला, चंबा और नहान में एचपीए अर्थात हिमाचल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के सहयोग से हैं। इन संबद्ध केंद्रों के अतिरिक्त, नाइलिट शिमला उना, बिलासपुर, सोलन, कुल्लू, कंगड़ा और हमीरपुर में अपने प्रत्यायित केंद्रों के साथ पाठ्यक्रम का संचालन कर रहें हैं। नाइलिट शिमला केंद्र एक नोडल एजेंसी है जो राज्य सरकार की ई–गोव परियोजनाओं के संचालन के लिए तकनीकी जनशक्ति उपलब्ध कराता है।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

☞ ई–गवर्नेंस

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

- टैली
- पायथन
- एसक्यूएल सर्वर
- एंड्रॉइड, जावा (उन्नत)
- नेट टेक्नोलॉजी, सी, सी++

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम

- नाइलिट 'ओ' स्तर / नाइलिट 'ए' स्तर
- सीएचएम– 'ओ' स्तर, एमसीआरपी विश्वविद्यालय भोपाल का पीजीडीसीए
- नाइलिट पीजीडीसीए
- डीसीए

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- हिमाचल प्रदेश सरकार के 1225 स्कूलों में आई टी शिक्षा में नामांकित हिमाचल प्रदेश के विद्यार्थियों को गुणवत्तापरक आईटी शिक्षा प्रदान की जा रही है। नाइलिट के माध्यम से 9वीं से 12 वीं कक्षा के 60,000 से अधिक विद्यार्थी आईटी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।
- नाइलिट शिमला राज्य सरकार के सामाजिक कल्याण योजना के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश राज्य भर में अपने प्रत्यायित केन्द्रों में नामांकित अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, ओबीसी और अल्पसंख्यकों को आईटी शिक्षा प्रदान कर रहा है।
- नाइलिट ने ई–गवर्नेंस परियोजना के संचालन के लिए विभिन्न सरकारी सरकारी विभागों में 2000 से अधिक आईटी विशेषज्ञों को नियुक्त किया है।
- नाइलिट "ओ" स्तर / "ए" स्तर पाठ्यक्रम 700 से अधिक विद्यार्थियों के लिए संचालित किया जा रहा है।
- 200 से अधिक विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन (पीजीडीसीए) का संचालन किया जा रहा है।
- केंद्र सरकार की प्रसिद्ध योजना जैसे डेमोंस्ट्रेशन, स्वच्छ भारत इत्यादि पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है।
- नाइलिट शिमला ने महिला एवं बाल विकास विभाग, हिमाचल प्रदेश सरकार के पदाधिकारियों के लिए दिनांक 20 फरवरी, 2018 को "ई–अपशिष्ट प्रबंधन" पर एक सेमिनार आयोजित किया।
- नाइलिट शिमला ने माननीय अध्यक्ष, न्यायमूर्ति वी.के.शर्मा और ट्रिब्यूनल के अधिकारियों की अधिकारी गरिमामय उपस्थिति में हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक ट्रिब्यूनल, हिमाचल प्रदेश में प्रोग्रामर के पद हेतु दिनांक 16 दिसंबर, 2017 को भर्ती अभियान का संचालन किया।
- नाइलिट केंद्र, शिमला ने महिला और बाल विकास विभाग, हिमाचल प्रदेश के सायोग से दिनांक 03 अप्रैल से 05 मई, 2017 के अवधि में कुल 15 स्थानों पर बाल आश्रम के बच्चों के लिए कार्यालय स्वचालन पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यालय स्वचालन कौशल, हार्डवेयर और नेटवर्किंग के बुनियादी सिद्धांतों पर ज्ञान प्रदान करना है जिससे बाल आश्रम के बच्चों को पीसी हार्डवेयर, नेटवर्किंग के रखरखाव और सामान्य पेरिफ्रेल और सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का अपने दिन–प्रतिदिन की गतिविधियों में अधिकतम उपयोग करने में आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

श्रीनगर

कार्यकारी समिति की बैठक(कें)
शून्य

कार्मिक
नियमित : 54
परियोजना आधारित : 39

कारोबार
4123.90 लाख रु.

प्रभारी निदेशक
श्री डी.एस. ओबेरॉय

पता
नाइलिट श्रीनगर
सिडको इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स
पुराना एअरपोर्ट रोड, रंगरेथ
श्रीनगर–191132

सम्पर्क के ब्यौरे
फोन : 0194–2300501, 2300502
फैक्स : 0194–2300949
ई–मेल : dir-srinagar@nielit.gov.in
वेबसाईट : www.nielit.gov.in/srinagar

क्षेत्राधिकार राज्य
जम्मू तथा कश्मीर

विस्तार केन्द्र
- नाइलिट जम्मू, जम्मू विश्वविद्यालय का नया परिसर–180006
- नाइलिट लेह, नया सचिवालय परिषद, एलएएचडीसी, लेह–194101

केंद्र का इतिहासः

नाइलिट श्रीनगर/जम्मू इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जम्मू तथा कश्मीर सरकार व कश्मीर विश्वविद्यालय के सहयोग से वर्ष 1983 में स्थापित एक अग्रणी सूचना प्रौद्योगिकी–मानव संसाधन विकास संगठन है। यह एक आईएसओ 9001:2008 प्रमाणित संगठन है। नाइलिट जम्मू और कश्मीर द्वारा संचालित विभिन्न कार्यकलापों में औपचारिक पाठ्यक्रम (एमसीए, एमएससी–आईटी और पीजीडीसीए) और अनौपचारिक पाठ्यक्रम जैसेः (ओ/ए/बी स्तर), आईईसीटी, आर एंड डी गतिविधियों में कौशल विकास कार्यक्रम, परामर्श, अस्पताल में उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव इंजीनियरिंग सम्मिलित हैं। इसका कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू विश्वविद्यालय, आईआईटी बॉम्बे, सिस्को, ओरेकल, सर्ट–इन, एनपीटीईएल, ईसी परिषद, इत्यादि के साथ अकादमिक संबंध हैं। यह वार्षिक 400 से अधिक अभ्यर्थियों को अपने दीर्घ अवधि पाठ्यक्रमों व अपने कैंपस व ऑफ कैंपस मोड में विभिन्न अल्प अवधि कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से 30,000 से भी अधिक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित करता है।

नाइलिट श्रीनगर/जम्मू ई–गवर्नेंस योजनाओं के संचालन में जम्मू और कश्मीर सरकार के आईटी सलाहकार की भूमिका में है।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- ☞ वायरलेस सेंसर नेटवर्क।
- ☞ सूचना सुरक्षा।
- ☞ अस्पताल के उपकरणों की मरम्मत व रखरखाव।
- ☞ ऑफिस ऑटोमेशन

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

• वायरलेस सेंसर नेटवर्क • क्लाउड कंप्यूटिंग • इथिकल हैकिंग (सीईएच) • साइबर फोरेंसिक • सूचना सुरक्षा • लिनक्स का उपयोज कर सिस्टम प्रशासन • सूचना सुरक्षा, नेटवर्किंग और क्लाउड कंप्यूटिंग में डिप्लोमा • सीसीएनए/सीसीएनपी/एमसीएसए • इमेजिंग उपकरण (एक्स–रे व अल्ट्रासाउंड) की मरम्मत और रखरखाव • ईसीजी और आईसीसीयू की मरम्मत और रखरखाव • अस्पताल के उपकरणों की मरम्मत • दंत चिकित्सा उपकरण की मरम्मत और रखरखाव • डेस्कटॉप और लैपटॉप की चिप स्तरीय मरम्मत • मोबाइल मरम्मत में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • एसी और रेफरिजरेशन उपकरणों की मरम्मत व रखरखाव • स्थापना और घरेलू उपकरणों का रखरखाव • दूरसंचार तकनीशियन – पीसी हार्डवेयर व नेटवर्किंग • एंड्रॉइड प्रोग्रामिंग • पीएचपी व एमवाई एसक्यूएल • पायथन• सी और सी ++ में प्रोग्रामिंग • एएसपी.नेट/वी डब्ल्यू.नेट • जावा प्रोग्रामिंग • ओरेकल और डीबी प्रशासन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • एसक्यूएल और डाटाबेस प्रशासन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • वीएलएसआई • वीएचडीएल • एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन • मैटलैब प्रोग्रामिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग में मैटलैब का उपयोग करना • कंप्यूटर एडेड ड्राफ्टिंग (ऑटोकैड) • जीआईएस • डिजिटल विश्लेषण और सिमुलेशन • मल्टीमीडिया और वेब डिज़ाइन • डेस्कटॉप प्रकाशन (डीटीपी) • लेखा (टैली) • सीसीसी • आईटीईएस–बीपीओ (ग्राहक देखभाल और बैंकिंग)

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम

औपचारिकः • कश्मीर विश्वविद्यालय के साथ संबद्धता में एमसीए • कश्मीर विश्वविद्यालय से संबद्धता में एमएससी आईटी • जम्मू विश्वविद्यालय से संबद्धता में पीजीडीसीए।

अनौपचारिकः • 'ओ'–स्तरीय सॉफ़्टवेयर • 'ए' स्तर सॉफ़्टवेयर • बी–स्तरीय सॉफ़्टवेयर • सीएचएम 'ओ' स्तर • सीएचएम–'ए' स्तर • मैट 'ओ' स्तर • 'ओ'–स्तर जैव सूचना विज्ञान

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट श्रीनगर/जम्मू ने विभिन्न क्षमता निर्माण और कौशल विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत कुल 42,297 से अधिक अभ्यर्थियों का पंजीकरण/प्रमाणन किया है। केंद्र ने विभिन्न संगठनों जैसे एसएमवीडी श्राइन बोर्ड, डीजीआर, जम्मू और कश्मीर स्वास्थ्य सेवा, जेके निधियाँ, पशुपालन विभाग आदि द्वारा प्रायोजित प्रतिभागियों के लिए विशेषतः प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।
- एससीएसपी/टीएसपी योजना के अंतर्गत कुल 1224 अभ्यर्थियों को वर्ष में प्रशिक्षित किया गया था। वर्ष 2017–18 में, डीजीईटी ने 'ओ' स्तर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर पाठ्यक्रम के लिए 94 छात्रों को प्रायोजित किया था।
- जे एंड के स्कूल शिक्षा विभाग के 3,647 स्कूल शिक्षकों को स्मार्ट कक्षा प्रौद्योगिकी और ई–लर्निंग सामग्री की डिलीवरी के उपयोग में प्रशिक्षित किया गया था।
- नाइलिट श्रीनगर/जम्मू ने आरएमएसए, एसएसए जम्मू–कश्मीर, शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, जे एंड के माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, इत्यादि के लिए स्मार्ट कक्षा–कक्ष/कंप्यूटर प्रयोगशाला की स्थापना की।
- केंद्र ने सेवा चयन भर्ती बोर्ड, जम्मू और कश्मीर हेतु 72,765 अभ्यर्थियों के लिए कंप्यूटर आधारित टाइपिंग मूल्यांकन परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की। इसी प्रकार, जेबीओसीडब्ल्यूडब्लू, एडवोकेट जनरल कार्यालय, आईआईआईएम (सीएसआईआर), आदि के लिए टंकण परीक्षा का भी आयोजन किया था।
- नाइलिट श्रीनगर/जम्मू ने विभिन्न संगठनों बीओपीईई, जेके माध्यमिक विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भेड़ और पशुपालन, जम्मू–कश्मीर, जम्मू और कश्मीर मुस्लिम वाकाफ बोर्ड, जम्मू–कश्मीर हाउसिंग बोर्ड, पर्यटन विभाग, डिग्री कॉलेज लेहए जिला सांख्यिकी विभाग और पर्यटन विभाग लेह, आदि के लिए विभिन्न सॉफ्टवेयर और वेबसाइट विकास और हार्डवेयर (टर्नकी आधार पर, स्थापन–आईटी उपकरण, आदि) योजनाएँ सफलतापूर्वक पूर्ण की।
- नाइलिट श्रीनगर/जम्मू ने मोटर वाहन विभाग, जम्मू और कश्मीर सरकार के लिए सड़क दुर्घटना डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली (आरएडीएमएस) विकसित की। यह एंड्रॉइड ऐप सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित डेटा जैसेः फोटो, साइट के जीपीएस निर्देशांक, वाहन, संबंधित का विवरण के लिए जम्मू–कश्मीर पुलिस विभाग और अन्य हितधारकों के सहयोग से जम्मू–कश्मीर परिवहन विभाग द्वारा उपयोग में लाया जाएगा; जो भविष्य में दुर्घटनाओं को कम करने के लिए ब्लाक स्पॉट की रिपोर्टिंग, विश्लेषण और पहचान के लिए उपयोग किया जा सकेगा।
- नाइलिट श्रीनगर/जम्मू ने आईएसईए परियोजना चरण–2 के तृतीय वर्ष में, 113 सरकारी पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया व विभिन्न आईएसईए जागरूकता कार्यशाला में कुल 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- केंद्र द्वारा "मशीन लर्निंग", "शिक्षा के लिए आईसीटी में फाउंडेशन प्रोग्राम" और "ऑनलाइन के लिए अध्यापन मिश्रित शिक्षण–सीखने की प्रक्रिया "," ई–अपशिष्ट प्रबंधन पर कार्यशाला ", डिजीधन, आईएसईए जागरूकता पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- केंद्र के विद्यार्थियों ने विभिन्न रोजगार मेले और करियर परामर्श सत्र में भाग लिया, जिसे मॉडल कैरियर सेंटर के सहयोग से श्रीनगर और लेह में आयोजित किया गया था।
- वर्चुअलाइज्ड डेटा सेंटर नाइलिट श्रीनगर में स्थापित किया गया था; जिसकी होस्टिंग राज्य अवसंरचना जैसे यूटीएम, 32टीबी स्टोरेज, हाई–एंड सर्वर, आदि ने की व जिसका उपयोग ऑनलाइन परीक्षा आयोजित करने के लिए भी किया जा रहा है तथा छात्रों को उनकी परियोजनाओं के लिए नवीनतम सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर आधारभूत संरचना प्रदान करने व उनके स्टार्टअप विचारों को उत्प्रेरक के रूप में दिशा देना का भी कार्य कर रहा है।

सोसायटी के लेखा परीक्षक

क्र.सं.	नाइलिट के केन्द्र	विधिक लेखा परीक्षक
1.	औरंगाबाद	**मेसर्स ए.एस. बेदमुथा एंड कंपनी** ए–301 एवं 304, सीटियस स्पेस ओलंपिया, सुतगिरनी चौक, गरखेड़ा, औरंगाबाद–431 005
2.	अगरतला	**मेसर्स एस. बसु ठाकुर एंड कंपनी** बेस्ट बैंक आफ मध्यपारा, अगरतला–799 001 (त्रिपुरा)
3.	आइज़ॉल	**मेसर्स पी. एल. बक्शी एण्ड कंपनी** जेल रोड, सिलचर–788004
4.	अजमेर	**मेसर्स अम्बानी एण्ड कं.** 21, देव अम्बा कॉम्प्लेक्स, अजमेर
5.	कालीकट	**मेसर्स मोहन एंड मोहन एसोसिएट** करुनलायम, वेयन्द रोड, कोझिकोड़े–673001
6.	चेन्नै	**मेसर्स वी. सुंदरराजन एंड कंपनी** न. 3, भूतल, इमराल्ड इस्टेटन्यू न. 6, ओल्ड न. 18, II कनाल क्रॉस रोड, गांधी नगर, अदयार, चेन्नै–600 020
7.	चण्डीगढ़	**मेसर्स बी.एम. वर्मा एंड एसोसिएट्स चंडीगढ़** एससीओ न. 80–81, सैक्टर 17–सी, चण्डीगढ़–160017
8.	गंगटोक	**मेसर्स आर.एन. गोयल एण्ड कंपनी** एम.आर. रोड, खलपाड़ा, सिलीगुड़ी–734005
9.	गुवाहाटी	**मेसर्स जी टोसनीवाल एण्ड कं.** प्रोबीर मार्केट, दूसरी मंजिल, पलटन बाजार, गुवाहाटी
10.	गोरखपुर	**मेसर्स हाबिबुल्लाह एण्ड कं.** एचवी हाउस, 10 पार्क रोड, गोरखपुर
11.	मुख्यालय	**मेसर्स जे.पी. चावला एंड कंपनी** सी–129, सैक्टर–2, नोएडा–201301
12.	ईटानगर	**मेसर्स रमेश चंद्रा राय एण्ड एसोसिएट्स** इटानगर
13.	इम्फाल	**मेसर्स बसु ठाकुर एण्ड कंपनी** 3/1, मध्य पारा, अगरत्तला–799001
14.	कोहिमा	**मेसर्स एम.के. बरदोलोई एण्ड कंपनी** हाउस न. 124, राजगढ़, एबीआई, एटीएम के ऊपर, भंगागढ़, गुवाहाटी–781007
15.	कोलकाता	**मेसर्स सेन एण्ड कंपनी** 1/13, चितरंजन कालोनी, जादवपुर, कोलकाता–700 032
16.	दिल्ली	**मेसर्स सिंघल सुनील एण्ड एसोसिएट्** 105, लक्षमन प्लेस, 19, वीर सावरकर ब्लॉक, शकरपुर, नई दिल्ली–110 092
17.	पटना	**मेसर्स सच्चिदानन्द चौधरी एण्ड कंपनी** 401, राजेन्द्र एन्क्लेव, एक्जीबिशन रोड, पटना–800001
18.	श्रीनगर	**मेसर्स मंज़र एण्ड कंपनी** द्वितीय तल, मीर एंड कंपनी शॉपपिंग कॉम्प्लेक्स, एलआईसी बिल्डिंग के पीछे करनगर, श्रीनगर–190 010
19.	शिलांग	**मेसर्स स्पार्क एण्ड कंपनी** प्रथम तल, बी.के. ककोटी रोड, उलुबारी, गुवाहाटी–781007, असम
20.	रांची	**मेसर्स प्रसाद कुमार एंड कंपनी** G/(G +2), दूसरी मंजिल, श्री विमलानन्द टॉवर, सदर हॉस्पिटल के पीछे, पुरुलिया रोड, रांची, झारखंड–834001
21.	रोपड़	**मेसर्स बंसल मोजा एंड एसोसिएशन** एस.सी.ओ. 5, ऊपरी मंजिल, वीआईपी रोड, मोहाली

स्वतंत्र लेखा–परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में
अध्यक्ष,
अधिशासी परिषद
रा.इ.सू.प्रौ.सं. (राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान)
नई दिल्ली

समेकित वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट।

हमने राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली–110003 (जिसे आगे 'सोसायटी' कहा गया है), संस्था पंजीकरण अधिनियम 1860 के अन्तर्गत पंजीकृत संस्था के संलग्न समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा–परीक्षा की है जिसमें 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष का तुलन–पत्र इसी वर्ष में समाप्त समेकित आय तथा व्यय लेखा, समेकित प्राप्ति एवं भुगतान लेखा तथा उसके साथ संलग्न महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ एवं अन्य स्पष्टीकरण संबंधी सूचना सम्मिलित हैं साथ ही, नाइलिट दिल्ली मुख्यालय के रिटर्न्स, हमारे द्वारा राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के समेकित लेखा विवरणों की लेखा परीक्षा की गई है तथा अन्य 20 केन्द्रों–आइजोल, औरंगाबाद, कालीकट, गोरखपुर, इम्फाल, श्रीनगर, गुवाहाटी, कोलकाता, चण्डीगढ़, कोहिमा, चेन्नै, अगरतला, शिलांग, गंगटोक, अजमेर, रोपड़, पटना, राँची नई दिल्ली एवं ईटानगर के अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा–परीक्षित विवरण सम्मिलित किए गए हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों पर प्रबंध वर्ग की जिम्मेदारी

इन समेकित वित्तीय विवरणों को तैयार करने की जिम्मेदारी सोसायटी के प्रबंध वर्ग की है, जो भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन के सिद्धान्तों के अनुसार सोसायटी की समेकित वित्तीय स्थिति इसके केन्द्रों सहित तथा समेकित वित्तीय निष्पादन का सही चित्र प्रस्तुत करते हैं। यह सोसायटी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है कि वह सोसायटी की परिसम्पतियों की सुरक्षा के लिए विभिन्न अधिनियमों के प्रावधानों के अनुसार लेखाओं के पर्याप्त रिकार्डों का रखरखाव करे तथा धोखाधड़ियों एवं अन्य अनियमितताओं की रोकथाम एवं समुचित लेखांकन नीतियों का चयन एवं प्रयोगय ऐसे निर्णय लेना तथा अनुमान लगाना जो यथोचित एवं विवेकपूर्ण हों; तथा पर्याप्त आन्तरिक वित्तीय नियंत्रण का कार्यान्वयन एवं अनुरक्षण करना, जो लेखांकन रिकार्डों की शुद्धता एवं पूर्णता का सुनिश्चय करने के लिए प्रभावी रूप से चल रहे हैं तथा जो वित्तीय विवरण तैयार करने और प्रस्तुत करने के लिए प्रासंगिक हो, जो किसी प्रकार के तथ्यात्मक गलत विवरण, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण से हो, मुक्त हैं, जिसका उपयोग उपर्युक्त सोसाइटी के प्रबंधन द्वारा समेकित वित्तीय विवरणों की तैयारी के उद्देश्य से किया गया है।

लेखा–परीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी लेखा–परीक्षा के आधार पर इन समेकित वित्तीय विवरणों पर अपने विचार प्रस्तुत करने से है। लेखा–परीक्षा का संचालन करते हुए, हमने लेखांकन तथा लेखा–परीक्षा के मानकों पर ध्यान दिया है।

हमने लेखांकन के मानकों के अनुसार लेखा–परीक्षा की है, इन मानकों के अनुसार आवश्यक है कि हम नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें तथा लेखा–परीक्षा की योजना एवं निष्पादन इस प्रकार करें कि यथार्थ आश्वासन प्राप्त किया जाए कि समेकित वितीय विवरण तथ्यात्मक गलत विवरण से मुक्त हैं। लेखा–परीक्षा में समेकित वित्तीय विवरणों में राशि तथा प्रकटनों के बारे में लेखा–परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने की कार्यात्मक कार्यपद्धति सम्मिलित होती है। चयन की जाने वाली कार्यपद्धति लेखा–परीक्षक के निर्णय, साथ ही समेकित वित्तीय विवरणों के तथ्यात्मक गलत विवरण, चाहे धोखाधड़ी के कारण या गलती से हों, पर निर्भर करती है। इन जोखिमों का मूल्यांकन करने में, लेखा–परीक्षक समेकित वित्तीय विवरण को तैयार करने से संबद्ध आन्तरिक वित्तीय नियंत्रणों पर विचार करता है जिससे, वह लेखा की कार्यपद्धति तैयार करने के लिए सही एवं स्पष्ट चित्र प्रस्तुत करता है, जो परिस्थितियों के लिए समुचित हों लेकिन यह राय व्यक्त करने के लिए नहीं है कि चाहे सोसायटी में वित्तीय रिपोर्टिंग के मामले में पर्याप्त आन्तरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली उपलब्ध है या ऐसे नियंत्रणों के प्रचालन की प्रभावशीलता कितनी है। प्रयोग में लाई गई लेखांकन नीतियों की यथार्थता और सोसायटी के प्रबंध वर्ग द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों के औचित्य का मूल्यांकन करना, और साथ ही समेकित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन करना भी लेखा–परीक्षा में सम्मिलित है।

हमारा विश्वास है कि अन्य मामलों के लेख के उप–लेख में उल्लिखित अपनी रिपोर्ट के संदर्भ में, हमारे द्वारा प्राप्त लेखा–परीक्षा साक्ष्य तथा अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा प्राप्त लेखा–परीक्षा साक्ष्य, समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी लेखा–परीक्षा राय के लिए आधार देना, पर्याप्त और यथोचित है।

सापेक्ष राय

हमारी राय तथा हमारी अच्छी जानकारी में और हमे दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उपर्युक्त समेकित वित्तीय विवरण भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धान्तों के अनुसरण में सही एवं स्पष्ट चित्र प्रस्तुत करते हैं। विशेष रूप से बिन्दु अनुसार मामलों में ध्यान दिया गया है।

क) समेकित तुलन–पत्र के मामले में, सोसायटी के 31 मार्च 2018 के अनुसार कार्य की स्थिति तथा

ख) समेकित आय तथा व्यय लेखा के मामले में, उस तिथि पर समाप्त वर्षों के लिए आय से अधिक व्यय तथा

ग) समेकित प्राप्ति एव भुगतान लेखा के मामले में, उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए सोसाइटी की प्राप्तियां और भुगतान पर, विशेष रूप से बिन्दु अनुसार मामलों में ध्यान दिये जाने के अतिरिक्त।

अन्य मामले

हमने ऐजावल, औरंगाबाद, कालीकट, गोरखपुर, इम्फाल, श्रीनगर, गुवाहाटी, कोलकाता, चंडीगढ़, कोहिमा, चेन्नई, अगरतला, शिलांग, गंगटोक, अजमेर, रोपड, पटना, रांची, नई दिल्ली और ईटानगर के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा नहीं की गई, जैसाकि, समेकित वित्तीय विवरणों में देखा जा सकता है।

इन वित्तीय विवरणों की लेखा–परीक्षा अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा की गई है जिनकी रिपोर्ट को प्रबंधन द्वारा हमें प्रस्तुत की गई है तथा समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय, जहां तक यह इन केंद्रों के संबंध में सम्मिलित धनराशि और प्रकटीकरण से संबंधित है, पूर्ण रूप से, अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर आधारित है।

ध्यान देने योग्य मामले

हम सदोष और संदिग्ध ऋण हेतु प्रावधान संबंधी अनुसूची 25 के नोट 3 तथा राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर की वर्तमान स्थिति से संबंधित वित्तीय विवरणों की अनुसूची 25 के नोट 5 (डी,ई,एफ,जी,एच और आई) तथा समेकित वित्तीय विवरणों में मात्र भौतिक नोटों के संकलन संबंधी अनुसूची 25 की संख्या 10 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हैं। आगे, देनदार, लेनदारों और ऋण और वित्तीय विवरणों में बताए गए अग्रिमों की लंबित पुष्टि के संबंध में अनुसूची 25 के नोट संख्या 9 की ओर ध्यान दिया गया है। आगे, आयकर विभाग द्वारा जारी किए गए फॉर्म 26 एएस सहित स्रोत पर कटौती के लंबित संराधन संबंधी अनुसूची 25 के नोट संख्या 11 की ओर ध्यान दिया गया है। आगे, प्राप्तियाँ और भुगतान लेखा की तैयारियों तथा नकद और बैंक शेष की शुरुआत व समाप्ति के बीच संराधन विभिन्नताओं के समय अल्पकालिक और दीर्घकालिक जमा के मामले में संराधन अंतर संबंधी अनुसूची 25 के नोट संख्या 12 की ओर ध्यान दिया गया है।

हमारे द्वारा रा.इ.सू.प्रो.सं. दिल्ली मुख्यालय की लेखा–परीक्षा किए जाने की स्थिति में, निम्नानुसार बिन्दुओं पर ध्यान दिया जा रहा है।

देनदार, लेनदारों, मौजूदा संपत्तियों, वर्तमान देनदारियों और ऋण की लंबित पुष्टि के संबंध में अपने स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के अनुसूची 24 के नोट संख्या 16 तथा वित्तीय विवरणों में वर्णित अग्रिम और अपने स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के अनुसूची 24 के नोट संख्या 17 में अन्य वस्तुओं के लंबित संराधन की ओर ध्यान दिया गया है। आगे, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को भुगतान पर वस्तु और सेवा कर संबंधी अपने स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की अनुसूची 24 की नोट संख्या 20 की ओर ध्यान दिया गया है तथा आगे, स्थायी संपत्ति रजिस्टर के लंबित अद्यतन संबंधी अपने स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की अनुसूची 24 की नोट संख्या 21 की ओर ध्यान दिया गया है।

गोरखपुर केंद्र के मामले में, उनके लेखा–परीक्षकों द्वारा सहवर्ती समेकित वित्तीय विवरणों के अनुसूची 25 की नोट संख्या 3(ई) की ओर विशेष ध्यान दिया गया है।

चंडीगढ़ केंद्र के मामले में, उनके लेखा परीक्षकों द्वारा सहवर्ती समेकित वित्तीय विवरणों के अनुसूची 25 की नोट संख्या 3 (बी) की ओर विशेष ध्यान दिया गया है।

पटना और चेन्नई केंद्रों के मामले में, उनके स्टैंडअलोन लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों में निहित नोट्स की ओर उनके लेखा–परीक्षकों द्वारा विशेष ध्यान दिया गया है।

कृते जे.पी. चावला एंड कंपनी एलएलपी
शासपत्रित लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या 001875एन/एन50025

रजत चावला
(भागीदार)
एम. सं.: 510745
दिनांक: 28.09.2018

तुलन–पत्र

31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
देयताएँ			
कोष / पूँजीगत निधि	1	4,80,90,51,776	5,34,91,94,040
सहायता अनुदान	2	2,97,09,64,551	2,76,36,16,810
सहायता अनुदान (ख) प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त निधि	2-A	82,11,40,128	19,17,07,148
आरक्षित एवं अतिशेष	3	17	17
इयरमार्क्ड / एनडाउमेंट निधि	4	3,59,56,03,735	3,25,99,43,311
सुरक्षित ऋण एवं उधारी	5	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधारी	6	-	-
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	7	2,93,16,78,648	2,67,55,10,042
योग		**15,12,84,38,855**	**14,23,99,71,368**
परिसम्पि ायाँ			
स्थिर परिसम्पत्तियाँ.	8	1,53,28,63,036	1,13,24,40,497
स्थिर परिसम्पत्तियाँ. प्रायोजित परियोजनाएँ	8-A	17,22,03,993	15,25,14,071
स्थिर परिसम्पत्तियाँ. संस्था की अतिशेष पूँजी से	8-B	40,01,77,535	9,20,11,144
पूँजीगत निर्माणाधीन कार्य	9	1,07,05,08,695	1,49,55,27,440
इयरमार्क्ड / एनडाउमेंट निधि का निवेश	10	3,10,01,71,805	2,78,83,50,147
अन्य निवेश	11	42,59,30,946	-
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, पेशगियाँ आदि	12	8,42,65,82,845	8,57,91,28,069
योग		**15,12,84,38,855**	**14,23,99,71,368**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24	-	-
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25		

हमारी इसी तारीख की लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
जे.पी. चावला एण्ड कम्पनी एल.एल.पी
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन–001875एन / एन50025

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : **28.09.2018**

(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

(सीए रजत चावला)
(भागीदार)
एम.सं. 510745

तुलन–पत्र

31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	नाइलिट	एनपीआर परियोजना	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष नाइलिट	गत वर्ष एनपीआर	गत वर्ष
देयताएँ							
कोष/पूँजीगत निधि	1	2,87,55,48,663	1,93,35,03,113	**4,80,90,51,776**	2,64,40,72,396	2,70,51,21,644	**5,34,91,94,040**
सहायता अनुदान	2	2,97,09,64,551	-	**2,97,09,64,551**	2,76,36,16,810	-	**2,76,36,16,810**
सहायता अनुदान (ख) प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त निधि	2-A	82,11,40,128	-	**82,11,40,128**	19,17,07,148	-	**19,17,07,148**
आरक्षित एवं अतिशेष	3	17	-	**17**	17	-	**17**
इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि	4	1,18,15,95,002	2,41,40,08,733	**3,59,56,03,735**	1,14,43,78,327	2,11,55,64,984	**3,25,99,43,311**
सुरक्षित ऋण एवं उधारी	5	-	-	-	-	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधारी	6	-	-	-	-	-	-
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	7	1,55,51,08,247	1,37,65,70,401	**2,93,16,78,648**	1,18,66,50,197	1,48,88,59,845	**2,67,55,10,042**
योग		**9,40,43,56,608**	**5,72,40,82,247**	**15,12,84,38,855**	**7,93,04,24,895**	**6,30,95,46,473**	**14,23,99,71,368**
परिसम्पि त्तयाँ							
स्थिर परिसम्पत्तियाँ. सहायता अनुदान	8	1,53,28,63,036	-	**1,53,28,63,036**	1,13,24,40,497	-	**1,13,24,40,497**
स्थिर परिसम्पत्तियाँ. प्रायोजित परियोजनाएँ	8-A	17,18,79,046	3,24,947	**17,22,03,993**	15,21,28,914	3,85,157	**15,25,14,071**
स्थिर परिसम्पत्तियाँ. संस्था की अतिशेष पूँजी से	8-B	40,01,77,535	-	**40,01,77,535**	9,20,11,144	-	**9,20,11,144**
पूँजीगत निर्माणाधीन कार्य	9	1,07,05,08,695	-	**1,07,05,08,695**	1,49,55,27,440	-	**1,49,55,27,440**
इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि का निवेश	10	68,86,18,816	2,41,15,52,989	**3,10,01,71,805**	67,27,85,163	2,11,55,64,984	**2,78,83,50,147**
अन्य निवेश	11	42,59,30,946	-	**42,59,30,946**	-	-	-
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, पेशगियाँ आदि	12	5,11,43,78,534	3,31,22,04,311	**8,42,65,82,845**	4,38,55,31,737	4,19,35,96,332	**8,57,91,28,069**
योग		**9,40,43,56,608**	**5,72,40,82,247**	**15,12,84,38,855**	**7,93,04,24,895**	**6,30,95,46,473**	**14,23,99,71,368**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24	-	-	-	-	-	-
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25						

हमारी इसी तारीख की लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
जे.पी. चावला एण्ड कम्पनी एल.एल.पी
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन–001875एन/एन50025

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : **28.09.2018**

(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

(सीए रजत चावला)
(भागीदार)
एम.सं. 510745

आय तथा व्यय लेखा

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
आय			
सेवाओं से आय	13	1,05,18,91,882	89,01,34,184
अनुदान / सब्सिडी	14	18,09,53,854	18,03,02,221
शुल्क / अंशदान	15	1,09,81,49,758	1,06,96,21,336
परियोजनाओं से आय	16	1,09,17,48,185	95,40,26,437
प्रकाशनों की बिक्री से आय	17	14,98,721	46,66,920
अर्जित ब्याज	18	22,83,96,522	27,16,81,165
टाउनशिप से प्राप्तियाँ	19	13,24,824	10,96,958
विविध आय	20	23,20,36,556	19,41,36,463
योग (क)		**3,88,60,00,302**	**3,56,56,65,684**
व्यय			
स्थापना व्यय	21	1,01,69,92,456	70,32,58,400
अन्य प्रशासनिक व्यय	22	53,88,51,296	51,92,80,166
परियोजनाओं पर व्यय	23	1,67,23,90,688	71,83,84,591
सेवाओं पर व्यय	23	87,27,28,972	71,36,63,819
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यहृास – सहायता अनुदान	22	18,24,45,746	15,38,59,752
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यहृास – अधिशेष से	22	6,26,90,376	2,83,60,470
योग (ख)		**4,34,60,99,534**	**2,83,68,07,198**
व्यय से अधिक आय के रूप में शेष (क – ख)		(46,00,99,232)	72,88,58,486
घटाइए : एण्डाउमेंट निधि को अन्तरित ब्याज		5,04,87,719	8,75,89,680
अधिशेष के रूप में शेष को समेकित निधि/पूँजीगत निधि में ले जाया गया		**(51,05,86,951)**	**64,12,68,806**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24		
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25		

हमारी इसी तारीख की लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
जे.पी. चावला एण्ड कम्पनी एल.एल.पी
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन–001875एन / एन50025

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : **28.09.2018**

(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

(सीए रजत चावला)
(भागीदार)
एम.सं. 510745

आय तथा व्यय लेखा

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष नाइलिट	वर्तमान वर्ष एनपीआर परियोजना	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष नाइलिट	गत वर्ष एनपीआर	गत वर्ष
आय							
सेवाओं से आय	13	1,05,18,91,882	-	1,05,18,91,882	89,01,34,184	-	89,01,34,184
अनुदान / सब्सिडी	14	18,09,53,854	-	18,09,53,854	18,03,02,221	-	18,03,02,221
शुल्क / अंशदान	15	1,09,81,49,758	-	1,09,81,49,758	1,06,96,21,336	-	1,06,96,21,336
परियोजनाओं से आय	16	1,09,17,48,185	-	1,09,17,48,185	95,25,13,378	15,13,059	95,40,26,437
प्रकाशनों की बिक्री से आय	17	14,98,721	-	14,98,721	46,66,920	-	46,66,920
अर्जित ब्याज	18	22,75,46,834	8,49,688	22,83,96,522	27,10,10,818	6,70,347	27,16,81,165
टाउनशिप से प्राप्तियाँ	19	13,24,824	-	13,24,824	10,96,958	-	10,96,958
विविध आय	20	23,20,36,556	-	23,20,36,556	19,41,36,463	-	19,41,36,463
योग (क)		**3,88,51,50,614**	**8,49,688**	**3,88,60,00,302**	**3,56,34,82,278**	**21,83,406**	**3,56,56,65,684**
व्यय							
स्थापना व्यय	21	1,01,49,51,292	20,41,164	1,01,69,92,456	70,17,05,254	15,53,146	70,32,58,400
अन्य प्रशासनिक व्यय	22	53,80,38,647	8,12,649	53,88,51,296	51,89,35,779	3,44,387	51,92,80,166
परियोजनाओं पर व्यय	23	90,09,78,152	77,14,12,536	1,67,23,90,688	71,83,84,591		71,83,84,591
सेवाओं पर व्यय	23	87,27,28,972	-	87,27,28,972	71,36,63,819	-	71,36,63,819
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यहृास . सहायता अनुदान	22	18,23,85,536	60,210	18,24,45,746	15,37,58,469	1,01,283	15,38,59,752
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यहृास . अधिशेष से	22	6,26,90,376	-	6,26,90,376	2,83,60,470	-	2,83,60,470
योग (ख)		**3,57,17,72,975**	**77,43,26,559**	**4,34,60,99,534**	**2,83,48,08,382**	**19,98,816**	**2,83,68,07,198**
व्यय से अधिक आय के रूप में शेष (क – ख)		31,33,77,639	(77,34,76,871)	(46,00,99,232)	72,86,73,896	1,84,590	72,88,58,486
घटाइए : एण्डाउमेंट निधि को अन्तरित ब्याज		5,04,87,719	-	5,04,87,719	8,75,89,680	-	8,75,89,680
अधिशेष के रूप में शेष को समेकित निधि/पूँजीगत निधि में ले जाया गया		**26,28,89,920**	**(77,34,76,871)**	**(51,05,86,951)**	**64,10,84,216**	**1,84,590**	**64,12,68,806**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24						
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25						

हमारी इसी तारीख की लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
जे.पी. चावला एण्ड कम्पनी एल.एल.पी
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन–001875एन / एन50025

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : **28.09.2018**

(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

(सीए रजत चावला)
(भागीदार)
एम.सं. 510745

अनुसूची 1 :

समेकित/पूँजीगत निधि

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
आय तथा व्यय समायोजन खाता		
वर्ष के आरम्भ में शेष	5,19,81,96,040	4,62,61,95,968
घटाइए : मुख्यालय के अतिशेष से केन्द्रों को अन्तरित	(72,67,000)	(1,12,21,000)
घटाइए : दिल्ली केन्द्र के लिए भवन निधि को अन्तरित	-	(5,00,00,000)
घटाइए : चिनहित निधियों में स्थानांतरित (पुरस्कार, एससी/एसटी स्टाफ निधियाँ इत्यादि)	-	(1,05,00,000)
जोड़िएः अन्य पूर्व अवधि समायोजन	17,11,858	1,06,32,993
जोड़िएः भउपदान एवं छुट्टी नकदीकरण	2,63,96,812	(50,79,625)
घटाइए : संचित बचत का उपयोग	(5,03,96,983)	-
घटाइए/घटाइए : सहायता अनुदान से अन्तरित निधि	-	(31,01,102)
जोड़िएः व्यय/(घटाइए) से अधिक आय/(व्यय)	**(51,05,86,951)**	**64,12,68,806**
योग क	**4,65,80,53,776**	**5,19,81,96,040**
नाइलिट योजना के अतिशेष जारी		
अथ शेष **योग ख**	**15,09,98,000**	**15,09,98,000**
वर्ष के अन्त में शेष योग क+ख	**4,80,90,51,776**	**5,34,91,94,040**

हस्ता/–
(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 2 :

सहायता अनुदान

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
मुख्य कार्यकलापों के लिए सहायता अनुदान –क बजटीय स्रोत		
केन्द्र सरकार से सहायता अनुदान		
अथ शेष	2,08,68,43,604	1,95,49,44,142
जोड़िए: ब्याज पूँजीकृत	-	39,57,101
ज़ोड़िए: इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिक मंत्रालय से प्राप्त योजनागत अनुदान / केन्दों द्वारा वापस	-	-
जोड़िए: नए केन्द्रों के लिए योजनागत अनुदान	-	41,26,73,312
घटाइए: मुख्यालय को लौटाई गई राशि।	(37,49,338)	(6,16,91,999)
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त निधियाँ (योजना)	12,47,67,431	-
घटाइए: आवर्ती व्यय के लिए राजस्व को अन्तरित	(66,92,047)	(3,24,86,448)
जोड़िए / घटाइए: वर्ष के दौरान प्रयुक्त / पुंजीकृत / अन्य केन्द्रों को अन्तरित	25,40,172	(30,78,757)
घटाइए: समायोजन	-	(1,63,12,520)
घटाइए: मूल्यहास वापस किया गया	(17,96,64,837)	(15,20,78,154)
31.03.2018 को इति शेष	**2,02,40,44,985**	**2,10,59,26,677**
नाइलिट केन्द्रों के इंट्रानेट की स्थापना	-	-
जोड़िए: इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिक मंत्रालय से प्राप्त	-	-
जोड़िए: वर्ष के दौरान ब्याज	-	-
घटाइए: इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी को वापसी	-	-
घटाइए: केन्द्रों को वितरित निधि	-	-
31.03.2018 को इति शेष	**-**	**-**
सहायता अनुदान (विस्तार केन्द्र)		
अथ शेष	55,82,13,781	30,03,31,281
वर्ष के दौरान इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से प्राप्त योजनागत अनुदान	39,25,79,157	34,70,23,635
गत वर्षों की स्थिर परिसम्पत्तियों के लिए योजनागत अनुदान	-	-
जोड़िए: अर्जित ब्याज / अय स्रोतों से आय	7,90,518	4,80,399
जोड़िए: पाठ्यक्रमों से आय	-	-
घटाइए: आस्थगित राजस्व व्यय वापस किया गया	(21,33,370)	(32,50,741)
घटाइए: मुख्यालय को लौटाई गई	-	(1,60,51,564)
घटाइए: पूर्व अवधि समायोजन	-	(45,00,044)
घटाइए: आवर्ती व्यय एवं सहायता अनुदान योजना भिन्न को अन्तरित	(11,04,57,365)	(6,84,56,077)
घटाइए: मूल्यहास वापस किया गया	(1,36,64,915)	(1,64,46,181)
31.03.2018 को इति शेष	**82,53,27,806**	**53,91,30,708**
भवन के लिए सहायता अनुदान अथ शेष	10,43,37,412	8,86,68,711
घटाइए: किराया/मूल्यहास	(23,75,074)	(15,299)
वर्ष के दौरान प्राप्त	57,67,000	1,56,84,000
31.03.2018 को इति शेष	**10,77,29,338**	**10,43,37,412**
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रलय से पट्टा किराया के लिए अनुदान	**-**	**3,15,625**
वर्ष के दौरान प्रयुक्त	-	(3,15,625)
31.03.2018 को इति शेष	-	**-**

जारी है......

हस्ता / –
(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता / –
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 2 :

सहायता अनुदान

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
राज्य सरकार से सहायता अनुदान	-	-
अथ शेष	1,41,32,012	1,41,56,446
जोड़िएः पूँजीकृत निधियाँ/ब्याज	-	-
जोड़िएः वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-
घटाइएः मूल्यह्रास वापस किया गया	(3,59,591)	(24,434)
31.03.2018 को अथ शेष	**1,37,72,421**	**1,41,32,012**
अन्यों से सहायता अनुदान		
अथ शेष	90,001	90,001
	-	
31.03.2018 को अथ शेष	**90,001**	**90,001**
वर्ष के दौरान प्राप्त आय	**2,97,09,64,551**	**2,76,36,16,810**

टिप्पणी i) सहायता अनुदान के अथशेष में गत वर्षों के वापस लाए गए मूल्यह्रास तथा गत वर्षों में पूँजीगत निधि से अन्य समायोजन शामिल हैं।

ii) केन्द्रों को जारी अतिशेष निधियों की राशि समेकित निधि में अन्तरित की गई है।

हस्ता/–
(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 2क :

प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त सहायता–अनुदान (ख) निधियां

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
प्रायोजित परियोजनाओं के लिए सहायता–अनुदान (ख)		
डोनर परियोजना		
अथ शेष	16,47,832	16,47,832
वर्ष के दौरान प्राप्त	5,92,14,400	-
घटाइए: प्रयोग में लाई गई/लौटाई गई निधि	(4,00,21,473)	-
घटाइए: मुल्यहास वापस लाया गया	-	-
वर्ष के अंत में शेष (क)	**2,08,40,759**	**16,47,832**
एमइआईटीवाई एवं केन्द्र सरकार की परियोजनाएँ	-	-
अथ शेष	18,53,54,751	1,71,96,79,411
जोड़िए: परियोजना के लिए प्राप्त निधि	1,44,96,91,057	1,12,89,82,788
गत वर्षों की स्थिर परिसम्पत्तियों के लिए योजनागत निधियाँ	-	2,80,07,959
अन्य जोड़िए वर्ष के दौरान अर्जित व्याज	1,95,31,408	4,40,65,584
अन्य संवर्धन: फीस/पेशगियाँ आदि	1,10,21,615	6,94,56,906
घटाइए: प्रयुक्त/वितरित/वापिस की गई निधियां	(84,87,76,560)	(2,77,59,59,588)
घटाइए: परियोजना आय को अन्तरित व्यय	(16,80,000)	(42,56,626)
घटाइए: मुल्यहास वापस लाया गया	(2,02,47,289)	(2,46,21,683)
परियोजना पूरी होने तक निधियो का शेष (ख)	**79,48,94,982**	**18,53,54,751**
अन्य परियोजनाएँ	-	-
अथ शेष	37,02,665	42,28,610
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त/अन्तरित निधि	-	8,19,300
घटाइए: आवर्ती एवं पूँजीगत व्यय/वापसी	-	(10,90,935)
घटाइए: मुल्यहास वापस लाया गया	(2,35,906)	(2,54,310)
परियोजना पूरी होने तक निधियो का शेष (ग)	**34,66,759**	**37,02,665**
(राज्य सरकार की परियोजनाएँ)	-	-
अथ शेष	10,01,900	59,19,826
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त निधि	80,40,507	4,73,330
जोड़िए: वर्ष के दौरान निवेश से ब्याज/आय	-	-
घटाइए: मुल्यहास वापस लाया गया	-	-
घटाइए: आवर्ती व्यय/प्रयुक्त निधि	(71,04,779)	(53,91,256)
परियोजना पूरी होने तक निधियो का शेष (ड़)	**19,37,628**	**10,01,900**
राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर	-	-
अथ शेष	-	-
वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-
केन्द्रों को अंतरित	-	-
जोड़िए: परियोजनाओं से आय	-	-
जोड़िए: अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए: पूँजीगत आवर्ती व्यय	-	-
घटाइए: एपीआर खाते को अन्तरित (अलग खाता रखे जाने के कारण)	-	-
31.03.2018 को वर्ष के अन्त में शेष (च)	-	-
योग (क+ख+ग+घ+ड़)	**82,11,40,128**	**19,17,07,148**

हस्ता/–
(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 3 :

आरक्षित/अधिशेष निधि

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची (राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
पूँजीगत आरक्षित निधि*	17	17
सामान्य आरक्षण	-	-
आय तथा व्यय लेखा के अनुसार अतिशेष/कमी	-	-
योग	**17**	**17**

* निःशुल्क रूप से प्राप्त परिसंपतियों के बारे में

हस्ता/–
(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 4 :

इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधियां

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची (राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
क. निधियों का अथ शेष		
भवन निधि	74,68,16,845	71,25,91,095
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	2,51,10,854	3,42,25,750
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान प्रयुक्त निधि	-	-
वर्ष के अन्त में कुल निधियाँ	**77,19,27,699**	**74,68,16,845**
पाठसामग्री विकास निधि	23,17,070	18,73,393
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान प्रयुक्त निधि	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	1,66,833	4,43,677
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
वर्ष के अन्त में कुल निधियाँ	**24,83,903**	**23,17,070**
अ.जा/अ.ज.जा, विकलांग एवं महिला छात्रृि ा निधि	32,92,980	21,75,138
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	-	50,00,000
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	2,66,148	39,842
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : प्रावधान/प्रयुक्त निधियाँ/वितरण	(10,82,000)	(39,22,000)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**24,77,128**	**32,92,980**
पुरस्कार निधि	39,91,742	24,60,881
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	-	15,00,000
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	2,83,970	30,861
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : प्रावधान/प्रयुक्त निधियाँ	-	-
उपलब्ध शेष निधियाँ	**42,75,712**	**39,91,742**
मानव संसाधन विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास निधि	4,76,05,937	4,41,43,585
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	33,10,341	34,62,352
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : प्रावधान/प्रयुक्त निधियाँ	-	-
उपलब्ध शेष निधियाँ	**5,09,16,278**	**4,76,05,937**
मानव संसाधन विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास निधि	3,03,00,160	3,42,65,782
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	15,55,728	32,33,206
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : प्रावधान/प्रयुक्त निधियाँ	(1,92,68,151)	(71,98,828)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**1,25,87,737**	**3,03,00,160**

जारी है....

अनुसूची 4 :

इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधियां

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
नाइलिट के अधिकारियो का प्रशिक्षण एवं पुनः प्रशिक्षण	4,02,36,937	3,59,65,860
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	27,47,698	52,99,026
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए रू प्रावधान/प्रयुक्त निधियाँ	(7,97,148)	(10,27,949)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**4,21,87,487**	**4,02,36,937**
उपदान एवं छु ी नकदीकरण निधि	4,63,15,697	4,00,43,637
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	(2,63,96,812)	50,79,625
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	10,65,420	9,84,080
जोड़िए : अर्जित ब्याज	1,43,715	2,08,355
घटाइए : निधि का उपयोग किया	(4,69,214)	-
उपलब्ध शेष निधियाँ	**2,06,58,806**	**4,63,15,697**
चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति निधि	44,69,346	41,37,482
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	2,93,741	3,31,864
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
उपलब्ध शेष निधियाँ	**47,63,087**	**44,69,346**
दिल्ली केन्द्र के लिए भवन निधि	21,50,00,000	16,50,00,000
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	-	5,56,82,496
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	5,00,00,000	-
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	(56,82,496)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**26,50,00,000**	**21,50,00,000**
एनपीआर/आरजीआई निधि (ब्याज)	3,79,31,25,941	1,36,76,22,700
वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	29,84,43,749	2,14,42,24,903
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइएः एनपीआर परियोजना खाते में अन्तरित	(1,67,75,60,957)	(1,39,62,82,619)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**2,41,40,08,733**	**2,11,55,64,984**
स्टाफ कल्यान निधि	**40,31,613**	
जोड़िए : अतिरिक्त शेष ब्याज	-	**40,00,000**
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	2,85,552	**31,613**
शेष उपलब्ध निधि	**43,17,165**	**40,31,613**
वर्ष के कुल शेष	**3,59,56,03,735**	**3,25,99,43,311**

हस्ता/–
(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 5 :

सुरक्षित ऋण तथा उधारियाँ

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
बैंक से सावधि ऋण (वाहन को बंधक में रखने पर सुरक्षित)	-	-
अनुसूचित बैंक से नकद जमा	-	-
अनुसूचित बैंकों में नकद जमा पर अर्जित ब्याज एवं प्राप्य	-	-
अन्य संस्थान एवं एजेंसियाँ	-	-
निवेश के एवज में अनुसूचित बैंकों से सुरक्षित ऋण	-	-
योग	**-**	**-**

अनुसूची 6 :

असुरक्षित ऋण तथा उधारियाँ

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
भारत सरकार से ऋण	-	-
राज्य सरकार से ऋण	-	-
अन्यों से ऋण	-	-
डिमाण्ड नकद जमा	-	-
ऋण पर अर्जित ब्याज एवं प्राप्य	-	-
योग	**-**	**-**

हस्ता/–
(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 7 :

वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
(क) वर्तमान देयताएँ		
1. फुटकर लेनदार		
कम्प्यूटर तथा उपस्कर	70,82,527	1,66,77,069
आपूर्तिकर्ता	3,30,87,638	7,92,25,491
सेवाएँ/अन्य	41,79,07,709	32,49,46,891
2. प्राप्त सुरक्षा जमा राशि		
आपूर्तिकर्ता एवं अन्य	8,55,04,933	6,77,92,281
बयाना राशि/प्रतिधारण राशि	14,03,13,423	28,97,38,440
जमानती राशिध् पुस्तकालय सुरक्षा	2,61,44,631	2,26,28,629
प्रतिधारण राशि दण्ड	43,21,07,642	32,07,13,824
3. प्राप्त पेशगियाँ		
विद्यार्थियों से	12,09,65,640	6,01,80,748
अन्यों से	3,94,85,750	7,37,17,336
आरजीआई से	52,72,76,622	52,72,76,622
जम्मू तथा कश्मीर के स्कूली शिक्षा विभाग से	3,28,03,057	16,48,50,000
नाइलिट योजना से	-	-
4. व्यय की देयताएँ		
संचित ब्याज–सरकारी ऋण	-	-
संचित ब्याज–वित्तीय संस्थान	-	-
संचित ब्याज–अन्य	-	-
देयताएँ–एल आर यू आर (एन पी आर)	10,71,83,746	-
देयताएं – अन्य व्यय	9,58,47,241	22,54,62,004
5. कर्मचारियों को देय वेतन, मजदूरी तथा अन्य दावे		
देय वेतन तथा मजदूरी	4,13,87,401	3,22,12,384
अदत्त वेतन तथा मजदूरी	26,30,218	-
कर्मचारियों को देय अन्य दावे	2,64,97,535	51,97,337
अनुबंध पर कर्मचारियों के वेतन तथा मजदूरी	2,31,33,864	2,82,87,413
6. निधियों में अंशदान		
कर्मचारियों का अनिवार्य अंशदान–(सीपीएफ/ईपीएफ)	66,03,605	60,85,249
कर्मचारियों का स्वैच्छिक अंशदान–सीपीएफ	90,974	68,398
अनुबंध पर कर्मचारियों का अंशदान–पीएफ	20,91,150	16,70,520
संस्था का अंशदान–सीपीएफ	60,51,823	95,54,941
ऋण की वसूली	32,170	25,983

जारी है....

अनुसूची 7 :

वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची (राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
7. **जमा नहल होने तक वेतन से वसूलियाँ**	3,862	
वेतन पर आयकर	60,91,834	29,63,351
जीवन/सामूहिक बीमा प्रीमियम	1,55,521	85,259
रोजगार/व्यावसायिक कर	2,89,766	6,73,697
प्रतिनियुक्ति पर आए व्यक्तियों से वसूली	12,480	25,425
वेतन से अन्य वसूलियाँ	14,97,331	11,23,334
सामूहिक बीमा	6,027	7,569
8. **अन्य देयताएँ**	-	-
ठेकेदारो/पेशेवरों/किराए से काटा गया आयकर	1,03,19,206	53,47,304
देय परीक्षा व्यय–ओ/ए/बी/सी	50,38,077	45,85,262
प्रत्यायन व्यय देय	1,09,566	91,957
परीक्षा व्यय देय – सीसीसी/बी सी सी	5,22,280	80,86,949
चेक जारी/फटे–पुराने चेक	3,09,45,173	56,53,806
वापसी योग्य परीक्षा शुल्क	5,92,958	3,56,429
अन्य देय व्यय	6,72,71,082	7,17,82,637
लेखा–परीक्षक को देय राशि	7,56,674	6,25,368
वेतन पर टीडीएस	1,98,429	1,42,048
सेवा कर देय	5,47,74,625	29,10,670
केन्द्रीय बिक्री कर एवं वैट	-	11,442
केन्द्रों/विस्तार केन्द्रों/क्षेत्रीय कार्यालयो/एनपीआर परियोजना/नाइलिट मुख्यालय को देय राशि	1,39,92,756	1,16,74,689
अन्तर–केन्द्र पटना आरसी	-	-
चण्डीगढ़ केन्द्र दिल्ली जनशक्ति	1,738	-
विस्तार केन्द्र की देयताएँ एवं प्रावधान	-	-
सूचना–सामग्री विकास के लिए पेशगी	-	1,85,000
योग (क)	**2,36,68,08,684**	**2,37,26,43,756**
(ख) प्रावधान		
कराधान के लिए प्रावधान	-	-
अनुग्रह राशि/बोनस के लिए प्रावधान	6,908	1,06,591
निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य के लिए प्रावधान	-	-
देय सेवा कर के लिए प्रावधान	-	-
खर्च व अन्य के लिए प्रावधान	2,66,34,101	7,08,537
छुट्टी वेतन के लिए प्रावधान	25,07,94,600	19,58,12,435
उपदान के लिए प्रावधान	28,74,34,355	21,30,34,330
घटाइए: एलआईसी सामूहिक उपदान योजना द्वारा वित्तपोषित	-	(10,67,95,607)
योग (ख)	**56,48,69,964**	**30,28,66,286**
योग (क) + (ख)	**2,93,16,78,648**	**2,67,55,10,042**

हस्ता/–
(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 8 :

स्थिर परिसम्पि   ायों के विवरण

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची (राशि रुपए में)

विवरण	अवमूल्यन दर	सकल मालियत				मूल्यहृास				सकल मालियत	
		वर्ष के आरम्भ में लागत 01.04.17 को	वर्ष के दौरान बढोतरी	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत में लागत मूल्य	वर्ष के आरम्भ मे	वर्ष के दौरान बढोतरी	वर्ष के दौरान समायोजन/ कटौती	वर्ष के अन्त तक योग	वर्तमान वर्ष के अन्त में	गत वर्ष के अन्त में
1. भूमि											
क) फ्री होल्ड		4	-	-	4	-	-	-	-	4	5
ख) पट्टाकृत		33,000	-	-	33,000	-	-	-	-	33,000	33,000
2. भवन		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) फ्री होल्ड	10%	61,64,57,302	47,70,75,473	-	1,09,35,32,775	27,43,02,935	-	-	27,43,02,935	81,92,29,840	60,93,35,212
ख) पट्टाकृत		29,26,73,337	-	-	29,26,73,337	2,95,13,412	8,61,47,702	-	11,56,61,114	17,70,12,223	26,31,59,925
ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर		1	-	-	1	-	2,62,95,680	-	2,62,95,680	(2,62,95,679)	1
घ) बिना स्वत्व की भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर	10%	40,46,06,684	8,89,78,994	-	49,35,85,678	7,86,89,274	-	-	7,86,89,274	41,48,96,404	5,87,36,565
3. संयंत्र तथा मशीनरी एवं उपस्कर	15%	8,54,02,294	-	(35,367)	8,53,66,927	6,91,98,205	3,02,40,066	-	9,94,38,271	(1,40,71,344)	1,62,04,089
4. वाहन	15%	1,13,05,724	41,916	-	1,13,47,640	78,97,333	24,25,309	-	1,03,22,642	10,24,998	34,08,391
5. फर्नीचर तथा फिक्सचर	10%	12,06,36,667	88,66,529	(8,81,114)	12,86,22,082	6,04,31,386	5,14,403	(1,08,415)	6,08,37,374	6,77,84,708	6,30,71,257
6. कार्यालय उपस्कर	15%	9,73,21,391	38,50,677	(18,07,413)	9,93,64,655	5,18,31,698	68,53,322	(11,85,401)	5,74,99,619	4,18,65,036	4,86,93,966
7. कम्प्यूटर तथा पेरिफरल (सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर)	40%	39,75,72,714	79,34,988	(2,19,18,555)	38,35,89,147	36,39,07,670	77,17,344	(1,90,23,542)	35,26,01,472	3,09,87,675	3,42,08,564
8. विद्युत प्रतिष्ठापन	15%	4,47,53,584	99,71,813	(5,83,353)	5,41,42,044	3,03,60,102	1,48,12,302	(5,15,148)	4,46,57,256	94,84,788	1,47,47,655
9. पुस्तकालय एवं पुस्तकें	40%	4,59,06,531	2,01,217	-	4,61,07,748	4,55,38,210	30,67,222	-	4,86,05,432	(24,97,684)	3,69,903
10. टयूबवेल जल आपूर्ति एवं भूमि विकास	15%	50,71,642	-	-	50,71,642	36,56,133	1,96,466	-	38,52,599	12,19,043	14,15,509
11. इंटरनेट सम्पर्क	15%	-	-	-	-	-	1,41,552	-	1,41,552	(1,41,552)	-
12. वातानुकूलन यत्र	10%	70,04,619	97,228	-	71,01,847	41,96,255	-	-	41,96,255	29,05,592	29,86,703
13. प्रयोगशाला उपस्कर	15%	4,81,48,684	3,04,693	(19,02,192)	4,65,51,185	3,65,12,985	7,88,272	(17,93,983)	3,55,07,274	1,10,43,911	1,43,78,194
14. अन्य स्थिर परिसम्पत्तियाँ	15%	28,83,731	8,150	(8,500)	28,83,381	13,23,913	29,53,841	(8,499)	42,69,255	(13,85,874)	16,91,556
15. यूएनडीपी उपस्कर	15%	1	-	-	1	-	2,32,055	-	2,32,055	(2,32,054)	1
16. सडक एवं पुलिया		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17. गैस सिलिंडर	40%	72,534	-	-	72,534	72,533	-	-	72,533	1	1
योग		**2,17,98,50,444**	**59,73,31,678**	**(2,71,36,494)**	**2,75,00,45,628**	**1,05,74,32,044**	**18,23,85,536**	**(2,26,34,988)**	**1,21,71,82,592**	**1,53,28,63,036**	**1,13,24,40,497**

हस्ता/–
(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 8 क :

स्थिर परिसम्पि ायों के विवरण (प्रायोजित परियोजनाएँ)

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

		सकल मालियत				मूल्यह्रास				शुद्ध मालियत	
विवरण	अवमूल्यन दर	वर्ष के आरम्भ में लागत 01.04.17 को	वर्ष के दौरान बढोतरी	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अन्त में लागत/मूल्य	वर्ष के आरम्भ मे	वर्ष के दौरान बढोतरी	वर्ष के दौरान समायोजन/ कटौती	वर्ष के अन्त तक योग	वर्तमान वर्ष के अन्त में	गत वर्ष के अन्त में
1. भूमि											
क) फ्री होल्ड		5	-	-	5	-	-	-	-	5	6
ख) पट्टाकृत		1	1,01,175	-	1,01,176	-	-	-	-	1,01,176	-
2. भवन								-			
क) फ्री होल्ड	10%	3,15,88,878	30,53,638	-	3,46,42,516	9,92,664	6,37,361	-	16,30,025	3,30,12,491	3,05,96,214
ख) पट्टाकृत		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घ) बिना स्वत्व की भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर	10%	58,45,930	-	-	58,45,930	35,74,192	2,27,174	-	38,01,366	20,44,564	22,71,738
3. संयंत्र तथा मशीनरी एवं उपस्कर	15%	92,97,148	99,840	-	93,96,988	37,41,369	8,40,855	-	45,82,224	48,14,764	55,55,779
4. वाहन	15%	24,77,172	-	-	24,77,172	10,82,545	2,09,194	-	12,91,739	11,85,433	13,94,627
5. फर्नीचर तथा फिक्सचर	10%	3,14,54,498	49,39,721	(19,650)	3,63,74,569	1,02,20,448	24,71,529	-	1,26,91,977	2,36,82,592	2,00,48,155
6. कार्यालय उपस्कर	15%	5,69,64,794	79,51,103	-	6,49,15,897	2,13,76,252	65,98,207	-	2,79,74,459	3,69,41,438	3,41,54,742
7. कम्प्यूटर तथा पेरिफरल (सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर)	40%	14,33,27,061	3,03,44,348	19,650	17,36,91,059	12,40,40,292	1,46,97,785	-	13,87,38,077	3,49,52,982	1,88,05,976
8. विद्युत प्रतिष्ठापन	15%	45,07,876	4,93,278	-	50,01,154	28,64,381	4,96,993	-	33,61,374	16,39,780	14,26,312
9. पुस्तकालय एवं पुस्तकें	40%	65,79,780	4,47,098	-	70,26,878	62,36,414	2,13,405	-	64,49,819	5,77,059	3,43,366
10. ट्यूबवेल जल आपूर्ति एवं भूमि विकास	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11. इंटरनेट सम्पर्क	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12. वातानुकूलन यत्र	10%	6,86,189	47,050	-	7,33,239	2,94,304	71,679	-	3,65,983	3,67,256	2,13,546
13. प्रयोगशाला उपस्कर	15%	5,40,27,037	1,08,019	-	5,41,35,056	1,58,81,331	68,55,182	-	2,27,36,513	3,13,98,543	3,54,03,211
14. अन्य स्थिर परिसम्पत्तियाँ	15%	46,41,757	33,615	-	46,75,372	22,09,620	9,79,842	-	31,89,462	14,85,910	23,00,399
15. यूएनडीपी उपस्कर	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
16. सडक एवं पुलिया		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग		**35,13,98,126**	**4,76,18,885**	**-**	**39,90,17,011**	**19,25,13,812**	**3,42,99,206**	**-**	**22,68,13,018**	**17,22,03,993**	**15,25,14,071**

अनुसूची 8 ख :

स्थिर परिसम्पि ायों के विवरण (अतिशेष निधियों से सृजित)

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	अवमूल्यन दर	सकल मालियत				मूल्यह्रास				शुद्ध मालियत	
		वर्ष के आरम्भ में लागत 01.04.17 को	वर्ष के दौरान बढोतरी	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अन्त में लागत/मूल्य	वर्ष के आरम्भ में	वर्ष के दौरान बढोतरी	वर्ष के दौरान समायोजन/ कटौती	वर्ष के अन्त तक योग	वर्तमान वर्ष के अन्त में	गत वर्ष के अन्त में
1. भूमि											
क) फ्री होल्ड		21,62,861	-	-	21,62,861	-	-	-	-	21,62,861	21,62,860
ख) पट्टाकृत		1,24,02,545	-	-	1,24,02,545	-	-	-	-	1,24,02,545	1,24,02,545
2. भवन		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) फ्री होल्ड	10%	1,65,81,168	6,67,061	-	1,72,48,229	66,60,771	10,30,323	-	76,91,094	95,57,135	99,20,397
ख) पट्टाकृत		12,00,481	31,91,62,760	-	32,03,63,241	9,25,850	3,19,43,739	-	3,28,69,589	28,74,93,652	2,74,631
ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर		36,20,947	-	-	36,20,947	29,12,385	-	-	29,12,385	7,08,562	7,08,562
घ) बिना स्वत्व की भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर	10%	39,93,323	-	-	39,93,323	21,37,678	2,56,421	-	23,94,099	15,99,224	18,55,645
3. संयंत्र तथा मशीनरी एवं उपस्कर	15%	98,51,231	3,93,213	-	1,02,44,444	37,04,512	9,56,391	-	46,60,903	55,83,541	61,46,719
4. वाहन	15%	30,98,864	14,85,773	-	45,84,637	18,01,391	3,06,054	-	21,07,445	24,77,192	12,97,473
5. फर्नीचर तथा फिक्सचर	10%	3,01,33,586	29,53,928	1,32,804	3,32,20,318	1,56,78,748	17,81,536	-	1,74,60,284	1,57,60,034	1,27,74,757
6. कार्यालय उपस्कर	15%	1,69,56,428	96,65,636	(72,044)	2,65,50,020	86,82,462	23,21,797	(29,926)	1,09,74,333	1,55,75,687	65,03,493
7. कम्प्यूटर तथा पेरिफरल (सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर)	40%	12,24,98,694	2,87,91,751	(24,45,188)	14,88,45,257	8,88,04,612	2,20,30,440	(25,34,122)	10,83,00,930	4,05,44,327	3,36,31,355
8. विद्युत प्रतिष्ठापन	15%	19,28,130	21,66,562	-	40,94,692	12,24,374	5,85,837	-	18,10,211	22,84,481	5,66,766
9. पुस्तकालय एवं पुस्तकें	40%	54,24,823	12,92,701	-	67,17,524	51,80,514	4,21,212	-	56,01,726	11,15,798	2,42,727
10. टयूबवेल जल आपूर्ति एवं भूमि विकास	15%	7,93,495	-	-	7,93,495	4,97,435	29,606	-	5,27,041	2,66,454	2,96,060
11. इंटरनेट सम्पर्क	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12. वातानुकूलन यत्र	10%	20,13,898	2,85,374	-	22,99,272	14,49,616	1,24,333	-	15,73,949	7,25,323	5,64,282
13. प्रयोगशाला उपस्कर	15%	76,75,156	25,370	-	77,00,526	56,47,523	6,53,701	-	63,01,224	13,99,302	20,27,633
14. अन्य स्थिर परिसम्पत्तियाँ	15%	13,27,897	1,35,164	-	14,63,061	6,92,658	2,48,986	-	9,41,644	5,21,417	6,35,239
15. यूएनडीपी उपस्कर	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
16. सडक एवं पुलिया		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17. गैस सिलिंडर	40%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग		**24,16,63,527**	**36,70,25,293**	**(23,84,428)**	**60,63,04,392**	**14,60,00,529**	**6,26,90,376**	**(25,64,048)**	**20,61,26,857**	**40,01,77,535**	**9,20,11,144**

अनुसूची 9 :

निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची (राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य	-	-
i) कार्यालय छात्रवास एवं आवासीय भवनों का निर्माण	53,04,74,590	1,10,50,85,370
ii) सिविल परामर्श सेवा	18,77,38,737	13,00,74,346
iii) आनुषंगिक व्यय	-	20,17,788
iv) दिल्ली केन्द्र के लिए भवन का निर्माण	35,22,95,368	25,83,49,936
योग	**1,07,05,08,695**	**1,49,55,27,440**

अनुसूची 10 :

इयरमार्क्ड/एन्डाउमेंट निधियों से निवेश

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची (राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	-	-
अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-
शेयर	-	-
डिबेंचर तथा बॉण्ड	-	-
अन्य (राष्टीकृत बैंक)	-	-
एन पी आर निधि	2,41,15,52,989	2,11,55,64,984
भवन निधि . मुख्यालय	37,60,91,119	37,93,17,469
भवन निधि दिल्ली केन्द्र–एफडीआर	2,70,14,388	2,40,89,054
पाठ्यसामग्री विकास निधि	25,18,869	23,50,000
अ.जा/अ.ज.जा, शारीरिक रूप से विकलांग तथा महिला छात्रवृत्ति निधि	39,65,878	37,00,000
पुरस्कार निधि	42,87,437	40,00,000
स्टाफ कल्याण निधि	42,87,436	40,00,000
मानव संसाधन विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास निधि	5,11,17,021	4,76,22,163
आईईसीटी के उदीयमान क्षेत्रों में पाठ्यक्रम के पाठ्यविषय के विकास के लिए निधि	1,32,59,539	3,04,85,301
नाइलिट निधि के कर्मचारियों का प्रशिक्षण तथा पुनः प्रशिक्षण निधि	4,29,85,468	4,00,59,402
चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति निधि–एफडीआर	46,01,542	42,72,016
गेजुउटी नकद अवकाश निधि	15,84,90,119	13,28,89,758
योग	**3,10,01,71,805**	**2,78,83,50,147**

हस्ता/–
(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 11 :

निवेश – अन्य

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	-	-
अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-
शेयर	-	-
सामूहिक उपदान (भारतीय जीवन बीमा निगम की योजना)	10,59,30,948	-
डिबेंचर तथा बॉण्ड	-	-
सहायक कम्पनियाँ तथा संयुक्त उद्यम	-	-
अन्य (एफ डी आर)	-	-
एनपीआर/आरजीआई एफडीआर का सृजन	-	-
पंचायती राज एफडीआर	-	-
ग्रामीण भारत में कम्प्यूटर पाठ्यक्रम एफडीआर	-	-
आरएण्डएम, आईटी कुशलता तथा आईटीईएस–बीपीओ एफडीआर	-	-
एनईआर में आईईसीटी का प्रशिक्षण एफडीआर	-	-
एसएफआईएओ–एफडीआर	-	-
ईएसडीएम क्षेत्र में कुशलता विकास चरण–2 एफडीआर	31,99,99,998	-
पटना केन्द्र की स्थापना एफडीआर	-	-
अगरतला केन्द्र की स्थापना एफडीआर	-	-
राइलिट अजमेर की स्थापना एफडीआर		
योग	**42,59,30,946**	**-**

हस्ता/–
(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 12 :

वर्तमान परिसम्पि ायाँ, ऋण, अग्रिम आदि

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची (राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
क. वर्तमान परिसम्पि ायाँ		
1. वर्तमान परिसम्पि ायाँ		
फुटकर देनदार – आपूर्तिकर्ताओं के लिए	1,43,45,739	26,67,634
फुटकर देनदार – सेवाओं के लिए	27,07,47,314	34,46,85,479
फुटकर देनदार – अन्य	8,77,96,108	2,76,75,542
फुटकर देनदार – केन्द्र	-	-
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	(1,89,03,180)	(1,48,12,509)
फुटकर देनदार – आरजीआई	98,62,07,181	98,79,49,478
2. पास में स्टॉक (लेखन–सामग्री एवं प्रकाशन)	24,61,849	16,73,184
3. पास में नकद शेष		
पास में नकदी (परियोजना सहित)	3,921	37,537
पास में अग्रदाय राशि	5,000	5,000
पास में स्टाम्प	70	10
मार्गस्थ चेक/डीडी भुगतान	-	1,91,51,025
पास में चेक/डीडी	46,33,188	17,21,717
4. बैंक में शेष		
चालू खाता	24,51,48,280	10,07,03,203
बचत खाता	81,69,73,792	25,73,91,802
अल्पावधि जमा	2,56,56,21,109	3,62,97,27,187
दीर्घावधि जमा	1,59,02,73,422	1,62,03,63,444
सहायता अनुदान निधि के लिए दीर्घावधि जमा	-	-
जमा राशि पर अर्जित ब्याज	18,48,44,837	25,21,73,457
दीर्घावधि जमा (ईएमडी)	10,000	10,000
इयरमार्क्ड निवेश पर अर्जित ब्याज	1,27,35,811	1,52,72,709
सहायता अनुदान निधि पर अर्जित ब्याज	71,09,299	-
5. अन्य वर्तमान परिसम्पि ायाँ	-	-
बिक्री कर/वैट इनपुट क्रेडिट	8,01,95,289	72,78,113
एमइआइइटीवाई से प्राप्य अ.जा/अ.ज.जा फीस कंसेशन	54,65,87,348	29,69,73,909
एमईआईटीवाई से डिजिधन की वसूली योग्य धन	15,12,649	-
वसूली योग्य फीस/आय	9,25,65,030	11,78,24,890
	-	-
योग (क)	**7,49,08,74,056**	**7,66,84,72,811**
ख. ऋण, पेशगियाँ आदि		
1. ऋण	-	-
कर्मचारियों को भवन निर्माण ऋण	11,71,517	13,25,369
कर्मचारियों को मोटर कार/स्कूटर ऋण	8,925	14,025
कर्मचारियों को अन्य ऋण	82,519	-
बाहरी संस्थानों को ऋण	83,342	2,166
ऋण पर अर्जित ब्याज	1,93,610	1,65,295
सीपीएफ निधि को अग्रिम भुगतान	-	-

जारी है....

अनुसूची 12 :

वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची (राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
2. बसूली योग्य पेशगियाँ		
जमा कार्यों के लिए पेशगियाँ	21,51,92,503	19,13,38,666
अन्य स्थिर परिसम्पत्तियों के लिए पेशगियाँ	1,66,01,702	1,12,11,960
आपूर्तिकर्ताओं को पेशगियाँ	74,032	12,40,47,179
अन्य को पेशगियाँ–बाहरी	23,98,22,095	21,87,06,055
घटाइए : अन्यों के लिए प्रावधान	-	-
कर्मचारियों को त्यौहार पेशगी	67,715	2,01,965
यात्रा पेशगी	56,572	3,17,041
कर्मचारियों को अन्य पेशगियाँ	6,53,926	4,02,539
परीक्षा अधीक्षकों को पेशगियाँ–ओ/ए/बी/सी स्तर	12,24,905	6,24,203
परीक्षा अधीक्षकों को पेशगियाँ–बायो/सीसीसी	1,42,462	1,76,744
परीक्षा अधीक्षकों को पेशगियाँ–बीयूडीए	1,02,357	1,02,357
व्यय के लिए अस्थायी पेशगियाँ	5,40,114	4,62,733
कर्मचारियों से वसूली योग्य राशि	2,43,470	1,85,876
पार्टियों/केन्द्रों से वसूली योग्य राशि	6,99,59,347	5,06,07,551
स्रोत पर काटा गया आयकर	37,19,68,568	29,23,25,479
पूर्व प्रदत्त व्यय	16,51,483	27,44,456
सुरक्षा जमा	1,12,38,381	99,98,233
क्षेत्रीय कार्यालय/शाखा कार्यालय को पेशगियाँ	15,00,000	10,00,000
डिजिटल लाइब्रेरी के लिए केन्द्रों को पेशगी	1,29,244	1,44,297
एसटीपीआई को प्रदत्त लीज़होल्ड किराया	-	-
ईएसडीएम परियोजना से वसूली योग्य राशि	-	-
अन्य चालू परिसम्पत्तियाँ (पूर्वोत्तर परियोजना)	-	-
3 विविध व्यय तथा हानि	-	-
आस्थगित राजस्व व्यय	30,00,000	45,51,069
4. अन्तर केन्द्र लेखा	-	-
क) आइजॉल	-	-
ख) औरंगाबाद	(1,69,270)	-
ग) कालीकट केन्द्र	35,000	-
घ) चण्डीगढ़ केन्द्र	(2,28,76,121)	-
ङ) चेन्नै केन्द्र	3,74,486	-
च) गोरखपुर केन्द्र	(9,24,320)	-
छ) गंगटोक केन्द्र	5,40,363	-
ज) इम्फाल केन्द्र	-	-
झ) श्रीनगर/जम्मू केन्द्र	-	-
ञ) कोलकाता	1,66,42,122	-
ट) राइलिट कोहिमा	-	-
ठ) नाइलिट केन्द्र शिलांग	1,28,319	-
ड) राइलिट अगरतला	2,02,68,989	-
ढ) गुवाहाटी/ तेजपुर केन्द्र	1,22,39,713	-
ण) ईटानगर केन्द्र	-	-
त) नाइलिट मुख्यालय	(5,46,89,926)	-
थ) नाइलिट दिल्ली	2,27,14,912	-
द) नाइलिट पटना	-	-
ध) राँची	(2,73,708)	-
न) लखनउ	-	-
प) नाइलिट अजमेर	-	-
फ) नाइलिट रोपड	-	-
ब) नाइलिट श्रीकाकुलम	-	-
भ) एनपीआर	59,89,441	-
योग (ख)	**93,57,08,789**	**91,06,55,258**
योग (ख+ख)	**8,42,65,82,845**	**8,57,91,28,069**

हस्ता/–
(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 13 :

सेवाओं से आय

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
परामर्श सेवाएँ/व्यावसायिक शुल्क		
परामर्श शुल्क	31,87,41,036	59,30,738
आईआरडीए परीक्षा	49,67,772	38,45,730
एवीएसईसी/बीसीएएस परीक्षा	29,81,375	13,76,605
वेबसाइट अनुरक्षण/प्रयोगशाला अनुरक्षण	13,99,714	24,80,640
एसएफआईओ प्रयोगशाला की स्थापना	-	-
डीईआईटीवाई की भर्ती परीक्षा का आयोजन	46,86,053	9,40,065
आयोजित ऑनलाइन परीक्षा फीस	3,57,873	3,27,624
कार्पोरेट प्रशिक्षण	5,10,648	10,18,813
कम्प्यूटर किराए पर लेना (इग्नू के लिए)	78,833	-
डेटा संसाधन सेवाएँ	-	-
कृषि जनगणना	-	7,90,000
पीएसईबी तथा अन्य	11,12,64,571	12,80,91,446
जनशक्ति सेवाएँ प्रदान किया जाना	60,69,04,007	74,53,32,523
योग	**1,05,18,91,882**	**89,01,34,184**

अनुसूची 14 :

अनुदान/सब्सिडी

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
अनुदान – एमईआईईटीवाई		
योजना–भिन्न – सामान्य	-	5,76,00,000
अनुदान – एमईआईईटीवाई से भिन्न	-	-
योजना से अन्तरण/आवर्ती व्यय के लिए इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रलाय	18,09,53,854	12,18,82,921
राज्य सरकार–मॉडल केरियर काउंसिल सेंटर	-	8,19,300
पट्टा किराया खाते में सहायता अनुदान का अन्तरण	-	-
योग	**18,09,53,854**	**18,03,02,221**

हस्ता/–
(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 15 :

फीस/अंशदान

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूची (राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. दी विधि पाठ्यक्रमों के आयोजन से आय		
औपचारिक पाठ्यक्रम (विश्वविद्यालय से संबद्ध)	-	-
पाठ्यक्रम शुल्क	-	-
बी.टेक	1,22,85,738	63,63,900
एम.टेक	1,49,21,249	1,29,18,925
बीसीए	1,80,75,923	1,75,76,803
एमसीए	96,00,025	1,04,15,686
अन्य (एमसीआरपी)/पीएचडी	2,26,13,765	2,28,76,642
स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम/मैट्रिकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम	1,14,72,229	72,17,238
पंजीकरण तथा अन्य शुल्क	-	-
बी.टेक	13,92,725	52,51,397
एम.टेक	5,21,373	14,17,982
बीसीए	1,96,620	1,70,680
एमसीए	80,080	1,08,160
अन्य (पीजीडीसीए)/पीएचडी/डीईपीएम	4,55,568	11,27,703
परीक्षा शुल्क	-	-
बी.टेक	-	2,56,637
एम.टेक	-	1,42,395
बीसीए	4,62,070	5,55,190
एमसीए	-	-
अन्य (डीईपीएम)	29,79,890	14,24,312
अनौपचारिक पाठ्यक्रम (विश्वविद्यालय से असंबद्ध)		
पाठ्यक्रम शुल्क		
ओ स्तर	11,08,42,290	6,77,81,648
ए स्तर	86,86,768	82,23,009
बी स्तर	1,24,000	27,000
सी स्तर	75,195	-
मैट ओ स्तर	28,29,164	23,40,914
जैव सूचना–विज्ञान	-	27,421
हार्डवेयर पाठ्यक्रम	64,28,919	41,93,813
अन्य (पीजीडीसीए, डीईटीई तथा डीसीएसई)	79,82,611	50,08,597
पंजीकरण तथा अन्य शुल्क		
ओ स्तर	2,47,500	3,13,18,250
ए स्तर	30,600	11,01,700
बी स्तर	-	94,500
सी स्तर	-	68,269
मैट ओ स्तर	2,000	9,515
जैव सूचना–विज्ञान	-	5,799
हार्डवेयर पाठ्यक्रम	23,30,764	16,10,708
पुनः पंजीकरण/आई–कार्ड तथा अन्य	2,90,325	3,64,269
परीक्षा शुल्क/परीक्षा शुल्क का अंश		
ओ स्तर	10,65,85,540	6,94,38,800
ए स्तर	69,77,400	73,99,600
बी स्तर	7,91,000	9,26,500
सी स्तर	2,47,354	2,44,587
मैट ओ स्तर	17,200	45,100
जैव सूचना–विज्ञान	-	-
हार्डवेयर पाठ्यक्रम	42,59,593	39,50,900

लगातार....

अनुसूची 15 :

फीस/अंशदान

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूची (राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
ओ/ए/बी स्तर के लिए संसाधन/प्रैक्टिकल शुल्क	1,94,54,900	1,34,50,300
अन्य (पीजीडीसीए, डीईटीई तथा डीसीएसई)	78,200	75,900
परीक्षाओं से अन्य प्राप्तियाँ		
परियोजना शुल्क	4,70,988	3,95,737
छूट शुल्क	1,430	1,909
पुनःयोग शुल्क तथा अन्य	2,25,461	30,468
सेमेस्टर परीक्षी केन्द्र शुल्क	-	-
अल्पावधि पाठ्यक्रमों से आय (एक वर्ष से कम अवधि)		
पाठ्यक्रम शुल्क		
एसीसी (कम्प्यूटर अवधारणाओं में जागरूकता)	90,79,193	77,60,556
बीसीसी (मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	13,20,369	19,48,517
सीसीसी	9,53,96,433	8,74,75,709
ईसीसी (विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	1,16,000	-
विशेष रूप से निर्मित अल्पावधि पाठ्यक्रम (प्रशिक्षण, आईटीईएस)	12,58,16,043	22,12,91,497
पंजीकरण तथा अन्य शुल्क		
एसीसी (कम्प्यूटर अवधारणाओं में जागरूकता)	15,67,705	3,93,841
बीसीसी (मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	-	-
सीसीसी	21,86,540	14,00,809
ईसीसी (विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	-	41,48,865
आन्तरिक पंजीकरण शुल्क, ईएसडीएम प्रभार आदि	3,79,437	27,86,541
परीक्षा शुल्क/परीक्षा शुल्क का अंश		
ईसीसी (विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	6,12,800	1,09,660
बीसीसी (मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	28,35,040	35,84,056
सीसीसी	45,87,92,904	39,45,85,480
ईसीसी (विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	27,000	-
सीसीसी प्लस	12,30,343	-
बीसीएएस/ऑनलाइन परीक्षा संसाधन शुल्क, ईएसडीएम प्रभार, यूडीएके/जेयूडीए आदि	40,74,934	1,37,25,409
प्रत्यायन शुल्क	-	-
अनन्तिम प्रत्यायन शुल्क		
ओ स्तर	44,40,000	23,98,760
ए स्तर	2,70,000	1,38,603
बी स्तर	-	-
ए स्तर	30,000	-
अनन्तिम प्रत्यायन का विस्तार सभी स्तर	3,15,087	29,96,692
सभी अनन्तिम एसीसीआर का संसाधन शुल्क	2,23,000	56,492
हार्डवेयर ओ स्तर	-	15,000
पूर्ण प्रत्यायन शुल्क		
ओ स्तर	4,49,184	6,66,852
ए स्तर	2,43,288	2,50,633
पूर्ण प्रत्यायन का विस्तार सभी स्तर	9,56,303	17,07,009
ईएसडीएम	3,09,446	25,58,749

जारी है....

अनुसूची 15 :

फीस/अंशदान

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
अन्य – एसीसीआर शुल्क	-	-
नाम/पता में परिवर्तन सभी स्तर	2,24,745	1,50,511
सभी एसीसीआर के स्तरों का नवीनीकरण	3,27,415	3,37,895
प्रत्यायन का विलम्ब शुल्क	1,36,923	1,85,701
अस्थगित मामले	50,000	47,429
अतिरिक्त/कम शुल्क एसीसीआर	12,34,726	2,000
परिवर्तनशील एसीसीआर शुल्क/	49,26,290	46,38,533
एसीसीआर–सीसीसी (सुविधा प्रभार)	65,42,153	83,00,674
योग	**1,09,81,49,758**	**1,06,96,21,336**

हस्ता/–
(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 16 :

परियोजनाओं से आय

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूची (राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सरकार द्वारा प्रायोजित परियोजनाएँ (डीईआईटीवाई से भिन्न)		
पंचायती राज परियोजनाएँ	2,21,59,800	-
एनसीपीयूएल	25,19,62,468	19,88,33,890
एचपी स्कूल परियोजनाएँ	18,84,60,889	11,25,23,637
अन्य	2,30,22,245	54,58,277
एमइआइइटीवाई परियोजनाएँ		
ईएसडीएम परियोजनाएँ	36,96,919	61,99,571
ई–विद्या परियोजनाएँ	1,57,90,006	28,31,218
आईटी कुशलता/ग्रामीण जनता के लिए आईटी में प्रशिक्षण	88,11,372	51,25,849
एनईआर क्षेत्र में आईईसीटी में प्रशिक्षण	-	-
चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला	9,41,137	22,52,057
आईटी आईटीईएस–बीपीओ में प्रशिक्षण	-	-
महिलाओं का प्रशिक्षण/अल्पसंख्यक समुदाय का प्रशिक्षण	19,315	-
ग्रामीण भारत में महिला अधिकारिता	57,104	6,156
ई–शासन में क्षमता निर्माण/क्षमता निर्माण कूच बिहार/ईपीडीपीटी	2,54,57,015	3,46,03,062
साइबर फोरेन्सिक प्रयोगशाला/साइबर सुरक्षा जागरूकता परियोजना/आईएसईए	54,87,285	1,27,18,442
जीवन प्रमाण परियोजना	-	-
एसएमडीपी एवं आईसीडीयू (जयराज–यूके)	28,97,281	89,99,774
संयुक्त परियोजना नाइलिट, सीएलटी़अमृता विश्व विद्यापीठ एवं सीएससी वीएलई (पीकेएस)	66,86,619	1,97,23,228
डीजीईएण्डटी–ओएमआर शीट स्कैनिंग	2,36,00,452	3,96,90,512
अनुसूचित जाति/जनजाति को प्रतिपूर्ति	78,90,005	1,24,63,430
एनबीसीएफडीसी कुशलता विकास पाठ्यक्रम	-	-
अन्य (एसएफआईओ, डीएलएम, आईआईटी, बम्बई/आईसीटी परियोजना)	15,31,789	9,40,453
डिजिटल जागरूकता कार्यक्रम	18,32,580	51,627
डिजिधन मेला	44,19,801	5,93,781
अन्य (एसएफआईओ,डीएलएम/आईआईटी मुम्बई/आईसीटी परियोजना/बीएसडीएम/माडल करियर साइबर ग्राम योजना	2,50,94,920	1,69,58,609
राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित	-	-
स्मार्ट कक्षा कक्ष	31,10,64,571	24,21,66,518
बीएडीपी के अर्न्तगत कौशल विकास	-	11,79,500
जेआईसीए परियोजना	-	3,92,574
कर्मचारी प्रशिक्षण परियोजना (ईटीपी)	1,28,36,966	1,82,67,850
कौशल विकास	3,17,46,520	22,23,000
अपनी परियोजनाएँ	-	-
लोक सेवा आयोग	2,33,333	7,70,000
राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन (एनडीएलएम)	9,60,524	7,25,62,463
मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	6,47,61,323	5,25,73,627
मूल्यहृास वापस लाया गया	3,42,38,996	4,16,21,687
विस्तार केन्द्र से आय–पूर्वोत्तर परियोजना	-	-
एनपीआर	1,60,86,950	4,22,95,645
योग	**1,09,17,48,185**	**95,40,26,437**

हस्ता/–
(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 17 :

प्रकाशनों की बिक्री से आय

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
विवरण पुस्तिका की बिक्री	-	-
ओ स्तर	11,50,001	4,92,190
ए स्तर	1,900	3,300
ओ स्तर–हार्डवेयर	-	-
बीसीए	32,100	33,300
एमसीए	5,700	7,200
अन्य (एम.टेक)/पीएचडी	2,61,700	6,14,257
पाठ्यविवरण की बिक्री		
ओ स्तर	920	39,455
परीक्षा फार्म की बिक्री		
ओ/ए/बी/सी स्तर	2,300	-
बीसीसी/सीसीसी	-	33,39,050
अन्य वस्तुओं की बिक्री	6,500	
प्रकाशनों की बिक्री–मुख्यालय/अन्य केन्द्र/हार्डवेयर पाठ्यक्रम	37,600	1,38,168
रायल्टी से आय	-	-
योग	**14,98,721**	**46,66,920**

अनुसूची 18 :

अर्जित ब्याज

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सावधि जमा पर	15,97,75,623	16,16,78,483
बचत खातों पर	96,07,500	1,33,00,099
कर्मचारी ऋण पर	61,475	66,263
अन्य – आयकर आदि से प्राप्तियाँ	27,43,632	91,47,258
ईयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि पर	5,62,08,292	8,74,89,062
योग	**22,83,96,522**	**27,16,81,165**

अनुसूची 19 :

टाउनशिप से प्राप्तियाँ

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
किराया प्राप्तियाँ	10,02,075	8,10,819
जल प्रभार की वसूली	1,54,685	1,28,388
विद्युत प्रभार की वसूली	1,61,764	1,57,751
टाउनशिप से अन्य प्राप्तियाँ	6,300	-
योग	**13,24,824**	**10,96,958**

हस्ता/–
(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 20 :

विविध प्राप्तियाँ

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार आय और व्यय तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
विविध आय	1,66,18,987	1,04,41,459
कार्यशाला प्राप्ति	4,84,725	2,24,430
अतिथि गृह/छात्रावास प्राप्तियाँ	67,19,671	59,86,621
अन्य फुटकर प्राप्तियाँ	40,00,964	24,71,241
योग (क)	**2,78,24,347**	**1,91,23,751**
गैर प्रचालन आय		
गत वर्षों से संबंधित आय	1,92,20,849	22,44,817
स्थिर परिसम्पत्तियों की बिक्री से लाभभ	(1,25,478)	-
असाधारण वस्तुओं से आय	21,33,370	32,50,741
गत वर्ष का मूल्यहृास	-	-
अतिरिक्त प्रावधान वापस लाया गया	7,04,393	1,62,87,740
अनुदान की परिसम्पत्तियों पर मूल्यहृास	18,23,85,536	15,30,79,907
योग (ख)	**20,43,18,670**	**17,48,63,205**
अन्तिम स्टॉक		
तैयार वस्तुओं तथा निर्माणाधीन कार्य के स्टॉक में बढ़ोतरी/कमी	(1,40,091)	1,08,451
भण्डार, अतिरिक्त–पुर्जे, खपत योग्य वस्तुएँ तथा संघटक–पुर्जे	33,630	41,056
योग (ग)	**(1,06,461)**	**1,49,507**
कुल योग (क)+(ख)+(ग)	**23,20,36,556**	**19,41,36,463**

हस्ता/–
(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 21 :

स्थापना व्यय

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. कर्मचारियों की परिलब्धियाँ		
वेतन तथा मजदूरी	72,53,87,597	52,18,05,448
समयोपरि भत्ता/अवकाश दिवस क्षतिपूर्ति	32,015	4,39,032
बोनस/अनुग्रह राशि	1,72,000	15,43,210
प्रतिनियुक्ति पर आए कर्मचारियों के लिए छुट्टी वेतन तथा पेंशन अंशदान	58,47,777	-
अतिथि शिक्षकों को मानदेय	15,62,954	4,52,917
प्रशिक्षार्थियों को छात्रवृत्ति	-	-
2. कर्मचारियों को लाभ		
चिकित्सा प्रभार – प्रतिपूर्ति	4,32,22,034	3,49,68,490
छुट्टी यात्रा रियायत	40,38,114	50,60,416
प्रोत्साहन योजनाओं के अन्तर्गत भुगतान	-	-
छुट्टी का नकदीकरण	15,79,306	5,29,631
कर्मचारियों को अन्य लाभभ	57,64,070	72,73,077
सामूहिक/उपदान बीमा प्रीमियम	1,06,57,676	36,24,854
सीपीएफ पर ब्याज	-	84,916
संतान शिक्षा भत्ता/ट्यूशन फीस की प्रतिपूर्ति	60,02,386	60,15,265
मेसिंग तथा प्रति दिन भत्ता	10,34,964	11,50,857
3. निधियों में संस्था का अंशदान		
भविष्य निधि में अंशदान	6,89,42,397	5,27,21,365
उपदान निधि में अंशदान	7,46,84,240	3,82,53,657
छुट्टी के नकदीकरण के लिए प्रावधान तथा अन्य	6,80,64,926	2,93,35,265
परियोजना निधि को अन्तरित व्यय	-	-
योग	**1,01,69,92,456**	**70,32,58,400**

हस्ता/–
(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 22 :

अन्य प्रशासनिक व्यय

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूची (राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. कर्मचारी कल्याण व्यय		
कैन्टीन पर व्यय	77,37,779	73,66,434
अन्य कल्याणकारी व्यय	43,00,471	52,22,609
2. मुख्यालय द्वारा नाइलिट योजना के कार्यान्वयन से व्यय	72,74,434	6,79,79,748
मानदेय व्यय	97,688	8,40,173
नाइलिट पाठ्यक्रमों पर किया गया व्यय	5,16,49,970	2,64,509
3. किराया महसूल एवं कर		
परिसर का किराया	4,76,27,960	5,02,51,932
भवन के सेवा प्रभार	43,07,660	47,78,369
विद्युत एवं जल प्रभार	3,13,20,798	2,57,30,676
4. बीमा		
कार्यालय का बीमा	9,98,808	11,02,428
वाहन बीमा	3,06,557	3,23,145
अन्य बीमा	77,010	63,823
5. मरम्मत तथा अनुरक्षण		
उपस्कर	89,67,561	1,12,56,345
कार्यालय एवं आवास भवन	1,29,78,835	1,61,77,294
वाहन	17,03,784	13,81,605
अन्य/स्थिर परिसम्पत्तियाँ	46,66,440	37,02,014
6. यात्र व्यय		
अन्तर्देशीय	1,71,22,531	1,45,25,397
विदेश	89,345	3,87,802
वाहन प्रभार प्रतिपूर्ति	4,95,461	6,82,742
यात्रा व्यय – अन्य	4,741	3,65,371
यात्रा व्यय	3,14,122	78,174
7. विज्ञापन एवं प्रचार–प्रसार		
टेंडर आमंत्रण	13,08,906	18,40,474
भर्ती	6,81,752	6,96,682
बिक्री संवर्धन एवं प्रचार–प्रसार	96,97,389	86,14,345
प्रदर्शनी एवं मण्डप	2,76,751	7,17,808
अन्य बिक्री संवर्धन व्यय	6,68,021	6,08,364
कार्यशाला व्यय	32,69,500	30,71,740
8. कार्यालय व्यय		
पुस्तकें एवं पत्र–पत्रिकाएँ	6,43,565	8,21,486
डाक एवं तार	34,98,409	36,80,031
कूरियर एवं माल भाडा	7,00,062	1,08,950

जारी है....

अनुसूची 22 :

अन्य प्रशासनिक व्यय

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूची (राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
टेलीफोन/इंटरनेट प्रभार	1,00,82,004	1,01,88,974
खरीदी गई पाठ सामग्रियाँ एवं विकास	41,056	1,40,352
मुद्रण एवं लेखन–सामग्री	97,92,653	1,13,89,306
वाहन चालन व्यय	12,35,525	10,58,718
आतिथेयता व्यय	5,97,993	13,58,104
कर्मचारियों की वर्दी	1,990	10,824
विधायी/व्यावसायिक/परामर्श सेवा शुल्क व्यय	26,25,302	30,42,378
जनशक्ति व्यय	10,29,50,810	8,91,60,640
9. विविध व्यय		
लेखा–परीक्षा शुल्क	9,91,685	9,63,886
अन्य हैसियत में लेखा परीक्षकों को भुगतान	2,61,067	4,23,917
अनुसंधान संस्थानों/आईईईई पुस्तकालय को अंशदान	21,722	27,311
कार्मिकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण	1,23,62,090	35,07,414
सॉफ्टवेयर विकास पर व्यय	10,33,980	18,82,132
सेमीनार एवं पाठ्यक्रमों के विकास पर व्यय	8,94,943	8,10,656
कम्प्यूटरों का किराया	1,74,530	23,300
वाहन किराया	59,59,442	65,69,807
बैंक प्रभार	5,24,962	2,64,924
अतिथि गृह व्यय	12,02,552	4,13,330
अन्य फुटकर व्यय	2,06,41,044	1,58,40,157
बैठकों पर व्यय	37,12,981	29,37,536
परीक्षा व्यय/पंजीकरण शुल्क (सीएफसी, सीसीसी, डीईपीएम, एम.टेक, जैव सूचना–विज्ञान)	88,31,626	85,40,299
एफिलिएशन फीस	4,39,042	3,32,348
प्रशिक्षार्थियों को छात्रवृत्ति	1,95,487	1,89,861
प्रत्यायन व्यय	-	-
परियोजनाओं पर व्यय का आबंटन/परियोजनाओं से वसूल	(4,25,000)	3,06,750
पट्टा किराया का भुगतान (सहायता अनुदान)	-	-
संदिग्ध ऋण बट्टा खाता	4,215	38,391
हानि–बट्टे खाते डाली गई	-	1,07,200
आस्थगित राजस्व व्यय/विविध व्यय बट्टे खाते डाली गई	36,84,439	48,25,805
संघटक–पुर्जे तथा उपभोज्य वस्तुएँ	18,70,349	25,68,730
10.ब्याज		
वित्तीय संस्थानों से ऋण पर ब्याज	-	-
नकद ऋण/ओवरड्राफ्ट पर ब्याज	57,515	13,774
अन्य वस्तुओं पर ब्याज (स्पष्ट करें)	19,566	2,55,791
11.आयकर/व्यावसायिक कर		
व्यावसायिक कर	4,54,131	2,500
सेवा कर	(1,49,197)	11,51,303
12.प्रावधान		
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	39,44,189	37,82,058

जारी है....

अनुसूची 22 :

अन्य प्रशासनिक व्यय

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
गत वर्ष से संबंधित व्यय (पूर्व अवधि व्यय)	49,79,639	72,47,013
स्थिर परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान पर हानि	35,637	-
13.पाठ्यक्रमों के संचालन पर व्यय		
दीर्घावधि पाठ्यक्रम	40,13,016	1,05,06,123
एम.टेक/एमसीए	11,89,675	25,730
सीसीसी योजना	2,09,68,685	1,29,36,095
बीसीसी योजना	1,85,157	25,080
अल्पावधि पाठ्यक्रम	8,82,27,450	7,51,83,782
हार्डवेयर पाठ्यक्रम	10,36,338	85,03,522
आईईटीएस बीपीओ योजना	-	-
डीएसडब्ल्यूएस/डीडीसीएस योजना	8,59,082	-
जैव सूचना–विज्ञान पाठ्यक्रम/ईएसडीएम	18,750	83,875
14.बाहरी पार्टियों को प्रशिक्षण व्यय	5,16,864	-
योग	**53,88,51,296**	**51,92,80,166**
स्थिर परिसम्पि ायों पर मूल्यहृास – सहायता अनुदान	**18,24,45,746**	**15,38,59,752**
स्थिर परिसम्पि ायों पर मूल्यहृास – अतिशेष का	**6,26,90,376**	**2,83,60,470**

हस्ता/–
(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 23 :

परियोजनाओं पर व्यय

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
केन्द्र सरकार (सू.प्रौ.वि/वि.प्रौ.वि/एआईसीटीई/डीजीएण्डईटी की परियोजनाएँ)	39,39,65,124	34,38,29,066
विस्तार केन्द्र पर व्यय	-	-
चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक परियोजना के लिए केन्द्र का अंशदान	10,77,213	-
राज्य सरकार	3,49,58,096	3,21,81,886
अन्य परियोजनाएँ	-	-
अपनी परियोजनाएँ	43,67,38,723	30,02,19,689
परियोजनाओं की स्थिर परिसम्पत्तियों का मूल्यहृास	3,42,38,996	4,21,53,950
राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर	77,14,12,536	-
योग (क)	**1,67,23,90,688**	**71,83,84,591**
सेवाओं पर व्यय (ख)	**87,27,28,972**	**71,36,63,819**
योग (क+ख)	**2,54,51,19,660**	**1,43,20,48,410**

हस्ता/—
(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/—
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

वि ीय वर्ष 2017–2018 के लिए केन्द्र–वार अतिशेष/(कमी) के ब्यौरे

31.03.2018 की स्थिति के अनुसार आय और व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
केन्द्र की आय	3,88,60,00,302	3,56,56,65,684
केन्द्र का व्यय	4,34,60,99,534	2,83,68,07,198
अतिशेष/(कमी)	**(46,00,99,232)**	**72,88,58,486**
एण्डाउमेंट निधि को अन्तरित ब्याज	5,04,87,719	8,75,89,680
संस्था का शुद्ध अतिशेष	**(51,05,86,951)**	**64,12,68,806**

हस्ता/–
(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 24 :

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आगे नाइलिट के रूप में संदर्भित), एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था (डीओईएसीसी सोसायटी दिनांक 10.10.2011 से प्रभावी रूप से परिवर्तित नाम) की स्थापना इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत नवंबर, 1994 के दौरान सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास और संबंधित कार्यकलापों को कार्यान्वित करने के लिए की गई थी। यह संस्था यू/एस 12ए के तहत आयकर विभाग से पंजीकृत है तथा विश्व स्तरीय शिक्षा व प्रशिक्षण तथा प्रत्यायन सेवाएं प्रदान करते हुए, सूचना इलेक्ट्रॉनिकी और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) और संबद्ध क्षेत्रों में केवल उत्तम जनशक्ति का सृजन और कुशल पेशेवरों का विकास करने के उद्धेश्य से, बनायी गई है। यह संस्था सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के क्षेत्र में दोनों औपचारिक एवं अनौपचारिक रूप से शिक्षण प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, अत्याधुनिक क्षेत्रों में उद्योग उन्मुखी उत्तम शिक्षा व प्रशिक्षण का विकास, आईसीटी के क्षेत्र में परीक्षा व प्रमाणन हेतु देश के प्रमुख संस्थानों के लिए मानकों का निर्धारण करती है। यह एक राष्ट्रीय परीक्षा निकाय भी है जो संस्थानों/संगठनों को विशेष रूप से आईटी शिक्षा और प्रशिक्षण के अनौपचारिक क्षेत्र में पाठ्यक्रमों का संचालन करने के लिए प्रत्यायन प्रदान करती है। रा.इ.सू.प्रौ.सं. अपने 20 केंद्रों– एजवाल, औरंगाबाद, अगरतला, अजमेर, कालीकट, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी ईटानगर, इम्फाल, कोलकाता, कोहिमा, पटना, रांची, रोपड़, शिलांग, श्रीनगर और जम्मू के माध्यम से कार्य कर रहा है। ये निम्नलिखित नीतियां नाइलिट की समेकित लेखांकन नीतियों का प्रतिनिधित्व करती हैं जिसमें, अपने केन्द्रों तथा विभिन्न सूचनाएँ और लेखों के नोट्स मुख्यत: नाइलिट के इस समेकित वित्तीय विवरणों को विभिन्न केन्द्रों के लेखापरीक्षित विवरणों को उल्लिखित किया गया, सम्मिलित हैं।

1. लेखांकन की परम्परा:

क) लेखांकन पद्धति

वित्तीय विवरण लेखांकन की अर्जन पद्धति के अन्यथा बताए जाने तक ऐतिहासिक लागत परम्परा के आधार पर तैयार किए जाते हैं।

ख) अनुमानों का प्रयोग

वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए अनुमान तथा मान्यताएँ करनी पड़ती हैं जो वित्तीय विवरण की तिथि में बताई जाने वाली परिसम्पतियों तथा देयताओं की राशि तथा रिपोर्ट की अवधि के दौरान राजस्व तथा व्यय की राशि को प्रभावित करती हैं। वास्तविक परिणामों तथा अनुमानों के बीच अन्तर को जिस अवधि में परिणाम प्राप्त होते हैं/मूर्त रूप देते हैं, उस समय स्वीकार किया जाता है।

2. आय की मान्यताएं

निम्नलिखित को छोड़कर, सभी नाइलिट केन्द्र लेखांकन की अर्जन पद्धति को अपनाते हैं :

क) चेन्नई केंद्र कुछ वस्तुओं व अन्य के लिए अर्जन आधारित लेखांकन के नकद आधार को अपना रहा है।

ख) 'आईएसई' परियोजना–2, एनजीडी परियोजना, विद्यार्थियों से प्राप्त परीक्षा शुल्क व प्राप्तियों के बीसीसी, और सीसीसी अंश के अतिरिक्त एससीएसपी व टीएसपी योजना के अंतर्गत शुल्क को नकद आधार पर लेखांकित किया गया है।

ग) गंगटोक केंद्र ने संचय आधार पर पाठ्यक्रमों से आय को मान्यता दी, हालांकि, किस्त में किए गए शुल्क के भुगतान की स्थिति में, इसे नकद आधार पर लेखांकित किया है।

घ) अजमेर केंद्र बीसीसी/सीसीसी परीक्षा शुल्क के अंश के संबंध में लेखांकन के नकद आधार को लेखांकित कर रहा है।

ड) कालीकट केंद्र– विद्यार्थी परियोजनाओं से आय को समाप्ति आधार पर स्वीकृति प्राप्त है।

च) ईटानगर और नई दिल्ली केंद्र ने वास्तव में नकद आधार पर भारत सरकार से अनुदान प्राप्त किया।

छ) श्रीनगर/जम्मू केंद्र ने प्राप्ति के आधार पर पाठ्यक्रम शुल्क की स्वीकृति प्रदान की।

ज) गोरखपुर केंद्र ने नकद आधार पर एससी/एसटी विद्यार्थियों के शुल्क की प्रतिपूर्ति की स्वीकृति प्रदान की है।

i) पंजीकरण शुल्क, प्रत्यायन शुल्क, परिवर्तनीय प्रत्यायन शुल्क (वीएएफ) और जागरूकता सृजन निधि (एसीएफ) को पावती आधार पर स्वीकृति प्रदान की गई है।

3. आवर्ती व्यय की बैठक हेतु एमईआईटीवाई से केंद्रों द्वारा जारी राजस्व अनुदान–सहायता को संबंधित केंद्रों द्वारा आय के रूप में जोड़ा गया है, जैसाकि, नीचे विवरण इस प्रकार है:

क्र.सं.	नाइलिट केन्द्रों का नाम	धनराशि (रु)
i	ऐजवाल	2,16,16,150/-
ii	गुवाहाटी	4,14,27,010/-
iii	गेंगटॉक	1,40,45,631/-
iv	इम्फ़ाल	2,59,86,000/-
v	ईटानगर	1,94,58,407/-
vi	कोहिमा	1,51,58000/-
vii	शिलोंग	1,93,50,000/-
viii	रांची	66,92,047/-
ix	मुख्यालय	1,72,20,609/-
	कुल	18,09,53,854/-

4. निवेश

संस्था की निधियों को राष्ट्रीयकृत बैंकों में अल्पकालीन सावधि जमा में निवेशित किया गया है जिसे संस्था के दिशा–निर्देशों के अनुसार 'कोषागार प्रबंध अतिशेष' के रूप में दर्शाया गया है।

वर्ष के दौरान प्राप्त इयरमाक्र्ड/एन्डाउमेंट निधि सावधि जमा राशियों पर ब्याज को संबंधित इयरमाक्र्ड/एन्डाउमेंट निधि में जमा किया जा रहा है।

5. स्थिर परिसम्पतियाँ

स्थिर परिसम्पतियों को लागत कम संचित मूल्यह्रास पर दर्शाया जाता है। अर्जन की लागत को आवक मालभाड़ा, शुल्क एवं कर तथा अर्जन के प्रासंगिक एवं प्रत्यक्ष व्यय को मिलाकर दर्शाया जाता है। निर्माण से संबंधित परियोजनाओं के मामले में, संबंधित प्रचालन–पूर्व व्यय पूँजीकृत परिसम्पतियों के मूल्य के भाग के रूप में होता है।

क) कालीकट केन्द्र के संदर्भ में, यूएनडीपी द्वारा केन्द्र को अनुदान के रूप में दिए गए 17 उपस्करों के मूल्य को 1/–रु. के सांकेतिक मूल्य पर देयता एवं परिसम्पतियाँ दोनों ही पक्षों में दर्शाया गया है।

ख) कोलकाता केंद्र के संदर्भ में, स्थायी परिसंपतियों को लागत (सकल) कम संचित मूल्यह्रास जिसकी लागत में, अधिग्रहण की लागत, अधिष्ठापन, निहित भाड़ा व शुल्क, कर, आकस्मिक खर्च सम्मिलित, को घटकर लागत (सकल) पर दर्शाया गया है। बिधान नगर के सेक्टर–1 (सॉल्ट लेक, प्लाट नं. 267, ब्लॉक– बीएफ) स्थित 'पट्टाकृत भूमि' को स्थिर परिसंपत्तियों की अनुसूची में 'भवन' शीर्षक के अन्तर्गत दर्शाया गया है।

ग) चंडीगढ़ केंद्र के संदर्भ में, एससीओ 114–116, सेक्टर–17–बी, चंडीगढ़ में नाइलिट (पूर्व में आरसीसी) द्वारा कब्जे वाली इमारत में जून, 2014 में एक बड़ी आग की घटना हुई। वर्ष 2015–16 में उनके संबंध में हानियों/राईट ऑफ़ के संबंध में उपयुक्त लेखांकन प्रविष्टियां दर्ज की गई हैं। इस घटना में, केंद्र ने उस तारीख तक लगभग सभी अभिलेख उपलब्ध नहीं हैं, जो स्थायी परिसंपत्ति रजिस्टर भी सम्मिलित था।

घ) कोलकाता केंद्र के संदर्भ में, स्थायी परिसंपत्ति रजिस्टर को अद्यतन करने की आवश्यकता है।

ड) अगरतला केंद्र के संदर्भ में, त्रिपुरा सरकार द्वारा निशुल्क रूप से स्थायी परिसर के निर्माण के लिए 15 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। इसे स्थायी परिसंपत्ति अनुसूची के अंतर्गत नाममात्र मूल्य रु.1/– पर दर्शाया गया है।

च) राजस्थान सरकार ने केकड़ी, जिला अजमेर के पास खोडा गाँव में 16.33 हेक्टेयर की जमीन 99 वर्षों की लीज़ पर निःशुल्क रूप में आबंटित की है जिसे 1/– रु. के सांकेतिक मूल्य पर दर्शाया गया है।

छ) गुवाहाटी केंद्र के संदर्भ में, सिलचर तथा जोरहाट विस्तार केन्द्र की पूर्वोत्तर क्षमता निर्माण परियोजना के मामले में, 4 वर्षों की अवधि के लिए किराए पर लिए गए भवन के नवीकरण (सिविल तथा विद्युत) पर किए गए व्यय के रूप में दर्शाया गया है जिसे उसके कब्जे की अवधि के दौरान बट्टे खाते डाला जाएगा। इसके अतिरिक्त, नाइलिट गुवाहाटी (सिटी केन्द्र) के मामले में, 10 वर्षों की अवधि के लिए किराए पर लिए गए भवन के नवीकरण (सिविल तथा विद्युत) पर किए गए व्यय के रूप में दर्शाया गया है जिसे उसके कब्जे की अवधि के दौरान बट्टे खाते में डाला जाएगा।

ज) वर्ष के दौरान, रु.25,40,172.43 के डब्ल्यूडीवी सहित स्थायी परिसंपत्तियों को नाइलिट केंद्र, अजमेर से नाइलिट केंद्र, कुरुक्षेत्र और नाइलिट केंद्र, चंडीगढ़ को स्थानांतरित कर दी गई है। इन सभी स्थायी परिसंपत्तियों को अनुदान सहायता के साथ अधिग्रहण किया गया है, जैसाकि, नाइलिट केंद्र, अजमेर से पुष्टि हुई है। तदनुसार, अनुदान सहायता के बराबर राशि को नाइलिट केंद्र, अजमेर से नाइलिट केंद्र, कुरुक्षेत्र और नाइलिट केंद्र, चंडीगढ़ को स्थानांतरित कर दी गई है। इन संपत्तियों पर मूल्यह्रास को बट्टे खाते में डाला गया है।

6. मूल्यह्रास

मूल्यह्रास का प्रावधान आयकर अधिनियम 1961 में निर्धारित दरों पर डब्ल्यू.डी.वी. पद्धति पर किया जाता है।

'अनुदान से संबंधित परिसंपत्तियों पर चालू वर्ष की परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास को आय तथा व्यय खाते के नामे किया गया है तथा एएस–12 के अनुसार आय तथा व्यय खाते में जमा भी किया गया है तथा वर्ष के दौरान 'पूँजीगत सहायता अनुदान' से घटाया गया है।

7. सरकारी अनुदान

वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान, नाइलिट को एमईआईटीवाई से जीआईए (योजना) और (गैर योजना) प्राप्त नहीं हुई है।

8. लेखा नीति में परिवर्तन

वर्ष के दौरान, कोई परिवर्तन नहीं हुए हैं।

9. कर्मचारी के लाभ

- उपदान के लिए प्रावधान का लेखांकन एएस–15 के अनुसार अर्जन मूल्यांकन पर किया जाता है। कालीकट, चण्डीगढ़ के मामले में उपदान की देयता को भारतीय जीवन बीमा निगम से नकद संचयन के आधार पर सामूहिक उपदान के अन्तर्गत संबंधित कर्मचारी के ट्रस्ट में पालिसी के रूप में सम्मिलित किया गया है। नाइलिट के कर्मचारी 14.12.2002 की स्थिति के अनुसार उपदान योजना के अन्तर्गत सम्मिलित हैं अर्थात प्रत्येक कर्मचारी की उस माह की परिलब्धियाँ (वेतन+ग्रेड वेतन), सेवा के प्रत्येक पूरे किए गए वर्ष के लिए है।
- छुट्टी के नकदीकरण के लिए प्रावधान का लेखांकन एएस–15 के अनुसार अर्जन मूल्यांकन आधार पर किया जाता है।
- बोनस नकद आधार पर लेखांकित किया गया है।
- नाइलिट मुख्यालय तथा केन्द्रों को सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से 01.01.2003 से ईपीएफ के अन्तर्गत सम्मिलित किया गया है। अप्रैल, 2013 से ईपीएफ में अंशदान को आरपीएफसी में जमा किया जा रहा है। 01.01.2003 से 31.03.2013 की अवधि के लिए ईपीएफ की बकाया राशि ईपीएफ कार्यालय में जमा की गई है। नाइलिट के सीपीएफ में रखी शेष राशि का संराधन किया जा रहा है।

अनुसूची 25 :

लेखाओं पर टिप्पणियां

1) आकस्मिक देयता:

क) चंडीगढ़ केंद्र

(i) विभाग द्वारा उठाए गए सेवा कर की मांग:

क्र.सं	मामले का प्राधिकरण	मामले के तथ्य	सम्मिलित राशि
1	केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण, (सीईएसटीएटी), चंडीगढ़	सेवा कर विभाग ने सेवाओं के कर योग्य मूल्य में नाइलिट द्वारा प्रदान की गई अचल राशि का मूल्य सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। विभाग द्वारा उठाई गई मांग पर सीईएसटीएटी, चंडीगढ़ द्वारा रोक लगायी गयी है। हालांकि, मामले में नियमित सुनवाई अभी शुरू नहीं हुई है।	रु.83,92,094/– बराबर धनराशि और ब्याज सहित जुर्माना।
2	केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण, (सीईएसटीएटी), चंडीगढ़	वर्ष 2012 के दौरान, सेवा कर विभाग ने सेवाओं के कर योग्य मूल्य में नाइलिट द्वारा प्रदान की गई अचल राशि का मूल्य सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। विभाग द्वारा उठाए गए मांग के संबंध में आयुक्त (अपील) के आदेश के विरुद्ध अपील दायर की गई है।	रु.3,55,310/– बराबर धनराशि और ब्याज सहित जुर्माना।
3	आयुक्त (अपील) वस्तु और सेवा कर, लुधियाना	वित्त वर्ष 2014–15 के दौरान, सेवा कर विभाग ने कर योग्य सेवाओं के मूल्य में शिक्षा सेवाओं के माध्यम से छूट जैसी शिक्षा सहायक सेवाओं से आय, नाइलिट के 'ओ' लेवल के पाठ्यक्रम से आय और सीसीसी परीक्षा से आय आदि से छूट प्राप्त सेवाओं के मूल्य को सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। विभाग द्वारा उठाए गए मांग के संबंध में सहायक आयुक्त के आदेश के विरुद्ध अपील दायर की गई है।	रु.46,23,975/– बराबर धनराशि, ब्याज और रु. 10,000/– का अतिरिक्त जुर्माना सहित
4	आयुक्त (अपील) वस्तु और सेवा कर, लुधियाना	वित्तीय वर्ष 2011–12 के दौरान, सेवा कर विभाग ने सेवाओं के कर योग्य मूल्य में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति छात्रों को वाणिज्यिक प्रशिक्षण और कोचिंग से अग्रिम प्राप्त और आय के मूल्य को सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। विभाग द्वारा उठाए गए मांग के संबंध में सहायक आयुक्त के आदेश के विरुद्ध अपील दायर की गई है।	रु.28,21,447/–बराबर धनराशि, ब्याज और रु. 10,000/– का अतिरिक्त जुर्माना सहित।

(ii) सेवा कर वापसी का दावा:

i) नाइलिट केंद्र, चंडीगढ़ केन्द्र ने सेवा कर विभाग के समक्ष मार्च 2013 से जनवरी 2014 तक की अवधि के लिए उच्च शिक्षा विभाग (डीएचई), एचपी सरकार, शिमला को प्रस्तुत बिल के सापेक्ष त्रुटिवश जमा किए गए सेवा कर के रूप में रु.74.86 लाख की वापसी हेतु दावा पेश किया है। हालांकि, निर्णय लेने वाले प्राधिकारी ने 30.01.2018 के आदेश के अनुसार दावे को खारिज कर दिया है। तदनुसार, रु.74.86 लाख की धनराशि सेवा कर विभाग से वसूली योग्य है और डीएचई शिमला को देय है जिसने उपर्युक्त सेवा कर के भुगतान के सापेक्ष विवाद उठाया है।

ii) धनराशि रु.2,57,77,696/– के लिए जून, 2014 से अगस्त, 2015 तक की अवधि की अन्य धन वापसी दायर आवेदन को समान तथ्य व आधार पर दिनांक 30.01.2018 के आदेश

के अनुसार खारिज कर दिया गया है। दोनों मामलों में सेवा कर की वापसी की मांग के लिए केंद्र ने आयुक्त (अपील) के आदेश के विरुद्ध केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (सीईएसटीएटी), चंडीगढ़ में अपील दायर की है।

ii) अन्य मुकदमे:

- नाइलिट केंद्र, चंडीगढ़ ने केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के विरुद्ध स्कूल परियोजना के लिए प्रशिक्षकों को उपलब्ध कराने हेतु शेष धनराशि रु.15,66,021/– की वसूली हेतु मध्यस्थता कार्यवाही शुरू की है। जोकि, पहले से ही संदिग्ध ऋण के रूप में बुक्स में प्रावधान किए गए थे। केवीएस ने न केवल केंद्र के दावे को खारिज कर दिया है बल्कि, केंद्र (पूर्व में आरसीसी) को अत्यधिक भुगतान के रूप में धनराशि रु.2,68,650/– का काउंटर दावा भी पेश किया है। मध्यस्थता कार्यवाही अभी तक समाप्त नहीं हुई है।

- ईएसआई ने अक्टूबर, 2002 से मार्च 2003 की अवधि के लिए ईएसआई योजना का अनुपालन न किए जाने पर धनराशि रु.11,22,702/– और रु.3,03,947/– का मांग नोटिस जारी किया था। उपनिदेशक, ईएसआई के दिनांक 21.07.2011 के आदेश संख्या पीबी.17000399790001013/245 ने मांग के भुगतान के लिए केंद्र को निर्देशित किया है। हालांकि, केंद्र ने अपील की है और तदनुसार 2013 के सिविल राइट याचिका (सीडब्ल्यूपी) संख्या 5441 और 2013 के सीडब्ल्यूपी संख्या 5367 माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ में लंबित हैं, हालांकि माननीय उच्च न्यायालय ने एक अंतरिम राहत के रूप में मांग की वसूली के विरुद्ध रोक लगाई है।

- दिनांक 2 मई, 2014 के माननीय केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण के आदेशों के विरुद्ध, केंद्र ने माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय चंडीगढ़ से समक्ष सुश्री मनजीत कौर, डाटा एंट्री ऑपरेटर 'ई' के द्वारा एचआरए सहित पेनल ब्याज धनराशि रु. 3,89,642/– की त्रुटिवश निकासी पर शेष धनराशि की वसूली के लिए वर्ष 2014 में सिविल राइट याचिका सं 15204 को दायर किया गया था। इस मामले में कार्यवाही प्रक्रिया में हैं। उनकी सेवानिवृत्ति पर देय छुट्टी नकदीकरण की धनराशि में से रु3,89,642/– की वसूली कर ली गई है। सुश्री मनजीत कौर, इस केंद्र के पूर्व डाटा एंट्री ऑपरेटर 'ई' ने माननीय केन्द्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल, चंडीगढ़ बेंच में पुनः ओ संख्या 60/129/2018 के माध्यम से रोक लगाई गई धनराशि रु.3,89,642/– को जारी किए जाने संबंधी याचिका दायर की है तथा कार्यवाही प्रक्रिया में हैं।

  इस समय तक, माननीय द्वारा निर्णय लिया गया है, कि धनराशि रु.3,89,642/– को आकस्मिक देनदारियों के रूप में समझा जाए।

- इस केंद्र ने राजस्थान राज्य सहकारी बैंक जयपुर को हार्डवेयर इंफ्रास्ट्रक्चर की खरीद के लिए कंसल्टेंसी सर्विसेज प्रदान की थी जिसके लिए रु.17.15 लाख की अग्रिम धनराशि प्राप्त हुई। राजस्थान राज्य सहकारी बैंक जयपुर ने अंतिम रूप से आपूर्ति आदेश नहीं दिया और माननीय अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश, फास्ट ट्रैक–13, जयपुर सिटी के समक्ष 23.58 लाख (रु 17.15 प्लस रु. 6.43 लाख ब्याज के रूप में) वसूली सूट नं. 60/2007 दायर की, रु.23.58 लाख (रु 17.15 प्लस रु. 6.43 लाख ब्याज के रूप में) का दावा अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक –13, जयपुर सिटी के समक्ष कार्यवाही प्रक्रिया में हैं और निपटान के लिए लंबित हैं।

- धनराशि रु.43,24,045/– दिनांक 29.01.2002 पत्र सं. एमसी/ईएसटीएटी/2002/4732 के माध्यम से भूमि आवंटन के विरुद्ध नगर निगम चंडीगढ़ के खिलाफ वसूली योग्य दिखाया गया था जिसका बाद में, केंद्र द्वारा समर्पण कर दिया गया था। मुख्य प्रशासक, चंडीगढ़ और यूटी प्रशासन, चंडीगढ़ द्वारा प्रदान की गई किसी भी राहत की अनुपस्थिति में, माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ के समक्ष रिट याचिका दायर की गई थी, जिसे डिफ़ॉल्ट रूप से भी खारिज कर दिया गया था, जिसके विरुद्ध, एक अन्य रिट मामले की बहाली के लिए दायर की गई थी। उस रिट याचिका को उसी कारण से पुनः नए रूप में फाइल करने की स्वतंत्रता के साथ वापस ले लिया गया था। मनीमाजरा में भूमि आवंटन के लिए पुनः विचार करने के संबंध में नगर निगम, चंडीगढ़ के पक्ष में इस केंद्र द्वारा जारी किए गए रु.43.24 लाख के प्रारंभिक भुगतान को समायोजित करके और प्रीमियम के विलंब भुगतान पर ब्याज की ओर उठाए गए मांग नोट की गैर–प्रयोज्यता के संबंध में नगर निगम, चंडीगढ़ को भेजे गए अभ्यावेदन के आधार पर उस रिट याचिका को उसी कारण से पुनः नए रूप में फाइल करने की स्वतंत्रता के साथ वापस ले लिया गया था। केंद्र सरकार के परामर्श से ग्राउंड रेंट और जब्त राशि, नवीन राइट याचिका दायर की गई है। इस संबंध में केंद्र की लेखा पुस्तिकाओं में उचित प्रावधान पहले से ही किया जा चुका है।

ख) कोलकाता केंद्र

(i) नाइलिट में 01.01.2004 से पहले कार्यभार ग्रहण किए कर्मचारियों की भविष्य निधि का खाता आयकर विभाग में आरसीसी कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि न्यास में रख रहा है। लेकिन, जिन कर्मचारियों ने 01.01.2004 को या उसके बाद नाइलिट में कार्यभार ग्रहण किया है उनकी भविष्य निधि सीपीएफ अधिनियम 1952 के अन्तर्गत नाइलिट मुख्यालय में रखी जा रही है। केन्द्र को क्षेत्रीय ईपीएफ प्राधिकरण से 11.07.2006 को एक नोटिस तथा धारा 7क के अन्तर्गत आदेश दिनांक 09.07.2008 तथा धारा 7ख के अन्तर्गत

आदेश दिनांक 30.9.2009 प्राप्त हुआ है कि नाइलिट को ईपीएफ एवं अगस्त, 1982 से एमपी अधिनियम 1952 के अन्तर्गत शामिल किया जाएगा। केन्द्र ने उपर्युक्त आदेश के खिलाफ ईपीएफ अपील न्यायाधिकरण, दिल्ली (समुचित प्राधिकारी) के समक्ष एक अपील दायर की है कि हमारा मुख्यालय भारत सरकार की गजट अधिसूचना दिनांक 26.07.1997 के अनुसार सीपीएफ अधिनियम, 1925 के अन्तर्गत शामिल है। लेकिन, ईपीएफ अपील न्यायाधिकरण, दिल्ली ने दिनांक 3 अगस्त, 2011 के आदेश के जरिए अपील को खारिज कर दिया है। उसके पश्चात केन्द्र ने माननीय उच्च न्यायालय, कोलकाता में उक्त आदेश के विरुद्ध दिनांक 21 मार्च, 2012 को एक अपील दायर की है। उक्त अपील अभी तक लम्बित है।

नाइलिट कोलकाता ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पश्चिम बंगाल क्षेत्र से रु.6,27,413/– की माँग के विरुद्ध रु.1,56,854/– की राशि का भुगतान प्रतिवाद के अन्तर्गत किया है। केन्द्र द्वारा की गई मांग विवादित है।

ii) सामान्य इनपुट सेवा पर उपलब्ध सेनवैट क्रेडिट के लिए धनराशि रु.9.82,620/– (4,87,425/–) की सेवा कर की आकस्मिक देयता जोकि तुलन–पत्र तिथि तक मूल्यांकन लंबित है तथा नियम 6(3) और सीसीआर नियम, 2004 के नियम 14 के अंतर्गत धनराशि रु.4,95,195/– जिसके लिए अपील सेवा कर प्राधिकरण में लंबित है, जिसमें से धनराशि रु.4,95,195/– पर आयुक्त, सीजीएसटी और सीएक्स हावड़ा आयोग ने अपने आदेश संख्या 219/एस टैक्स–11/को–1/2018 दिनांक 20.03.18 के द्वारा विचार नहीं किया गया था।

2. पूंजी प्रतिबद्धताः

क) भवन का निर्माण लुंगलई विस्तार केंद्र और एजवाल केंद्र में किया गया है, कुल अनुमानित निर्माण लागत रु.19,22,21,002/– है, जिसमें से रु.8,13,69,015/– दिनांक 31.03.2018 तक दिये का चुके हैं।

ख) मुख्यालय के मामले में, एनबीसीसी टॉवर, किदवई नगर में कार्यस्थल की खरीद रु.47.01 करोड़ में की जा रही है जिसमें से रु.35.23 करोड़ दिनांक 31 मार्च, 2018 तक दिये जा चुके हैं।

ग) वर्ष के दौरान, द्वारका में नाइलिट मुख्यालय के भवन का निर्माण पूर्ण हो चुका है। नाइलिट मुख्यालय इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सीजीओ कॉम्प्लेक्स से नाइलिट भवन, प्लॉट संख्या 3, पीएसपी पॉकेट, सेक्टर–8, द्वारका, नई दिल्ली–110 077 में स्थानांतरित कर दिया गया है। निर्माण मद के अंतर्गत शेड्यूल केपिटल वर्किंग प्रोग्रेस से स्थायी परिसंपत्ति में रु.31.92 करोड़ रुपये की धनराशि हस्तांतरित की गई है।

3. वर्तमान संपि I, वर्तमान देयताएं, प्रावधान और ऋण और अग्रिम

प्रबंधन की राय में, मौजूदा परिसंपत्तियों, ऋण और अग्रिमों को उस मूल्य पर दर्शाया गया है जो, सामान्य व्यापार में यथार्थनीय होगा, उस स्थिति को छोडकर जिसमें जिन देनदारों के लिए सदोष तथा संदिग्ध ऋण प्रदान किया गया है।

क) दिल्ली केंद्र के मामले में

संदिग्ध ऋणों के लिए केवल रु.1,73,352/– का प्रावधान किया गया है, फुटकर देनदारों के संबंध में धनराशि रु.1,91,43,753/– (नीचे उल्लिखित के अतिरिक्त) जो तीन वर्षों से भी अधिक बकाया है (अर्थात दिनांक 31.03.2012 से पहले जो प्रबंधन की राय में उचित है।

केवल रु.28,11,468/– का प्रावधान शिक्षा निदेशक, झंडेवाला से धनराशि रु.1.12,71,327/– की वसूली के सापेक्ष संदिग्ध ऋण की ओर किया गया है। यह धनराशि 2004–05 से बकाया है। यह मामला मध्यस्थता के अधीन है। प्रबंधन की राय में, इस प्रकार किए गए प्रावधान यथोचित हैं।

ख) चंडीगढ़ केंद्र के मामले में

i) देयताएं

चंडीगढ़ केंद्र में रु.1655.72 लाख देनदारों के पास है जिसमें से तीन वर्षों से भी अधिक रु.519.68 लाख बकाया हैं। देनदारों के पास बकाया जो वर्ष 2005–06 और उससे पहले से संबंधित हैं। लेखापरीक्षा के दौरान यह पाया गया है कि बकाया राशि और उसकी अवधि को देखते हुए वसूली/निगरानी के लिए कुछ जरूरी कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। हालांकि, प्रबंधन का मानना है कि देनदार सरकारी विभागों से या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से हैं और वसूली योग्य हैं, और जिनमें मौजूदा पार्टियां भी सम्मिलित हैं, इसलिए संदिग्ध ऋण के प्रावधान के लिए मूल्यांकन नहीं किया जा सका।

ii) अनुदान सहायताः

चंडीगढ़ केंद्र ने अनुदान स्वीकृति/वितरण–पत्रों के अंतर्गत प्रस्तावित विभिन्न अनुदानों की प्राप्ति और उपयोग के लिए कोई उप–खाता या पृथक रूप से रजिस्टर नहीं रखा है।

31.03.18 तक बकाया राशि रु.693.29 लाख है, जिनमें से, 512.85 लाख रुपये पहले से ही पूर्ण की गई परियोजनाओं पर अनुदान के कारण हैं। अनुदान के उपयोग के समय, इन राशियों को विशिष्ट अनुदान से बाहर नहीं किया गया था। प्रासंगिक समायोजन प्रविष्टि को पारित करने की आवश्यकता है ताकि, लेखांकन प्रणाली के अनुसार व्यय/अव्ययित राशि को उचित रूप से दर्शाया जा सके।

iii) राशि पुनर्प्राप्त करने योग्यः

किसी भी कानूनी आदेश के बिना, पीएसईबी/पीएसपीसीएल द्वारा अधिक समय से कार्य अनुबंध कर (डब्ल्यूसीटी) में कटौती की जा रही है। इस संबंध में, दिनांक 31 मार्च, 2018 को वसूल करने योग्य राशि के रूप में रु.48.58 लाख की धनराशि को पुनर्प्राप्त करने योग्य दर्शाया गया है।

iv) सरकारी विभागों के साथ सुरक्षाः

विभिन्न सरकारी विभागों के साथ किए गए कुछ पुराने बकाया सुरक्षा जमा रु.7.87 लाख की धनवापसी/वसूली के लिए देय/अतिदेय हैं। इस संबंध में उचित कार्रवाई हेतु तत्काल प्रभाव से आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

v) शेष पुष्टिकरण/ संराधनः

देनदार, लेनदारों, छात्रों और अन्य आदि से प्राप्त अग्रिम सहित पार्टी खातों में पुष्टि, संराधनः में आवश्यक समायोजन संराधन के परिणाम स्वरूप कोई परिवर्तन नहीं है। वर्तमान/गत वर्ष(ओं) के यदि कोई, आय/व्यय तथा परिसंपत्तियों/देनदारियों पर, पुष्टिकरण/संराधन के परिणामस्वरूप प्रभाव पता लगाने योग्य नहीं है।

जैसेकि, केंद्र, सरकारी विभागों/स्वायत्त निकायों के साथ मिलकर कार्य कर रहा है इसलिए, प्रबंधन की राय में, पूर्व प्राप्तियां, जो प्रदत्त या राइट–ऑफ नहीं हैं, की वसूली की आशा की जा रही है। हालांकि, दिनांक 31 मार्च, 2018 तक शेष धनराशि की पुष्टि नहीं हुई।

वर्ष के दौरान, रु.39,44,189.25/– का प्रावधान संदिग्ध ऋण और आय और व्यय खाते, जिसका विवरण इस प्रकार किया गया हैः

i) वर्ष 2007 के दौरान, शिक्षा विभाग, चंडीगढ़ द्वारा विज्ञापित शिक्षकों के 536 पदों की भर्ती के लिए डेटा प्रसंस्करण रोजगार प्रदान करने की दिशा में वर्ष 2007 के दौरान दिए गए बिल संख्या 48787 के सापेक्ष डीपीआई, चंडीगढ़ के नामे धनराशि रु.15.21.005.00/– भुगतान हेतु बकाया है। विभाग को उस प्रक्रिया के संबंध में पूर्ण डेटा दिनांक 22.09.2011 के पत्रांक डीओईएसीसी/20–148/2011/17332 के माध्यम से सौंप दिया गया था। हालांकि, शिक्षा विभाग चंडीगढ़ ने पुनः स्वतंत्र एजेंसी (सी–डैक, मोहाली) को पूर्ण प्रक्रिया की पुनः जांच करने का काम आवंटित किया था। नाइलिट केंद्र, चंडीगढ़ ने बकाया भुगतान जारी करने के लिए बार–बार शिक्षा विभाग, चंडीगढ़ से अनुरोध किया है। इस संबंध में, विभाग और सी–डैक, मोहाली के अधिकारियों के साथ कई बैठकें भी हुईं है। अंतिम अनुरोध दिनांक 19.03.2018 को भुगतान जारी करने हेतु प्रेषित किया गया था। किन्तु, विभाग की ओर से प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो रही है। इस कारण से, धनराशि को संबंधित विभाग से भुगतान प्राप्त होने तक प्रावधान के अंतर्गत लिया जा सकता है।

ii) कार्यालय, मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल (सीपीएमजी), नई दिल्ली के माध्यम से एमसीडी को संपत्ति कर डेटा के डिजिटाइजेशन का कार्य सौंपे जाने के क्रम में वर्ष 2004 के दौरान प्रदत्त बिल संख्या 17143 के सापेक्ष मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल (सीपीएमजी), नई दिल्ली के नाम में धनराशि रु.13,13,746.00/– भुगतान हेतु बकाया है। कार्य निर्धारित समय–सीमा के भीतर पूर्ण कर लिया गया था। भुगतान जारी किए जाने का मामला डाक विभाग में पत्राचार की प्रक्रिया में है और यह मामला अब मुख्य सचिव, एनसीटी सरकार दिल्ली के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। इस धनराशि को कुछ समय तक के लिए III प्रावधान के अंतर्गत रखा गया है, उक्त भुगतान संबधित विभाग से प्राप्त/व्यवस्थापित है।

iii) पिछले वर्ष के प्रयोक्ता विभागों द्वारा रु.11,09,438.25/– की टीडीएस धनराशि की कटौती करने का दावा किया गया है, किन्तु, केंद्र द्वारा क्रेडिट नहीं लिया जा सका, क्योंकि, 26एएस में कोई विवरण उपलब्ध नहीं है।

देनदारों से वर्ष के दौरान प्राप्त रु.2,19,432/– तक की कुल धनराशि संगत सूचना की मांग हेतु उपयुक्त देनदार के खाते में जमा नहीं की जा सकी है। संबंधित समेकित धनराशि को कुल देनदारों से घटाया गया है।

ग) मुख्यालय के मामले में

दिल्ली विकास प्राधिकरण ने अपने मुख्यालय के निर्माण के लिए सेक्टर 8, द्वारका, नई दिल्ली में नाइलिट को रु.4277.88 वर्ग मीटर का एक प्लॉट आवंटित किया है। जमीन की अंतिम लागत को अभी तक डीडीए द्वारा अंतिम रूप दिया जाना है।

घ) वि ीय वर्ष 2016.2017 के दौरान, शिलांग केंद्र ने परियोजना प्रबंधन (पीएमसी) को "मोबिलाइजेशन एडवांस" के रूप में रु.2,86,50,000/– प्रदान किए थे।

ड) गोरखपुर केंद्र के मामले में

केंद्र ने सीसीसी स्तर और बीसीसी स्तर पाठ्यक्रमों के परीक्षा शुल्क के वर्तमान वर्ष की आय के रूप में नाइलिट मुख्यालय से रु.27,53,98,087,50 की धनराशि को दर्शाया है। सीसीसी स्तर के पाठ्यक्रम और बीसीसी स्तर के पाठ्यक्रम के लिए शुल्क सीधे छात्र द्वारा नाइलिट मुख्यालय को प्रेषित किया जाता है और जिसमें से नाइलिट मुख्यालय संबंधित केंद्रों के साथ राजस्व साझा करता है जिसे, केंद्र की उस वर्ष की आय के रूप में दर्शाया जाता है। पूर्ण शुल्क पर आउटपुट जीएसटी का भुगतान नाइलिट मुख्यालय द्वारा किया गया है, किन्तु, गोरखपुर केंद्र के शेयर पर माल और सेवा कर की उत्पादन देयता वर्ष के दौरान गोरखपुर केंद्र द्वारा भुगतान/प्रदान नहीं की गई है, इसमें वित्तीय प्रभाव का पता नहीं लगा है।

4. आयकर अधिनियम, 1961 की संचित बचत यू/एस 11 का

उपयोग

संचित बचत के उपयोग का विवरणः

(धनराशि रुपए में)

नाइलिट केंद्र	वि ा वर्ष 2012–13 हेतु संचित बचत का उपयोग	वि ा वर्ष 2013–14 हेतु संचित बचत का उपयोग		वि ा वर्ष 2014–15 हेतु संचित बचत का उपयोग	कुल	टिप्पणी
	वि ा वर्ष 2016–17 के दौरान प्रयुक्त।	वि ा वर्ष 2016–2017 तक प्रयुक्त।	वि ा वर्ष 2017–2018 के दौरान प्रयुक्त।	वि ा वर्ष 2017–2018 के दौरान प्रयुक्त।		
1	2	3	4	5	6=(3+4+5)	7
कालीकट	56,82,496					एपीजे अब्दुल कलाम छात्रावास का निर्माण।
			23,73,017		23,73,017	एपीजे अब्दुल कलाम छात्रावास, एलईडी लैब इत्यादि का निर्माण।
कोलकाता		95,50,000			95,50,000	साल्ट लेक परियोजना।
श्रीनगर			27,70,000		27,70,000	लेह केंद्र की स्थापना
चंडीगढ़			71,96,248		71,96,248	पूंजीगत संपत्ति का क्रय।
औरंगाबाद		2,01,00,000	7,01,061		2,08,01,061	छात्रावास का निर्माण, भवन का नवीनीकरण।
अगरतला			92,321		92,321	नए अध्ययन केन्द्रों का शुभारंभ।
मुख्यालय		3,17,74,032			3,17,74,032	केंद्रों में स्थापित स्मार्ट वर्चुअल कक्षा–कक्ष का निर्माण।
मुख्यालय			5,90,63,271	3,48,82,161	9,39,45,432	किदवई नगर में निर्मित स्थान।
मुख्यालय			57,49,000		57,49,076	केंद्रों में स्थापित स्मार्ट वर्चुअल कक्षा–कक्ष का निर्माण।
कुल	**56,82,496**	**6,14,24,032**	**7,79,44,994**	**3,48,82,161**	**17,42,51,187**	

5. राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर)

(क) आकस्मिक देयताएंः

चंडीगढ़ केंद्र के मामले में।

माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय, नई दिल्ली में मेसर्स एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड द्वारा मध्यस्थता याचिका दायर की गई थी। मामले में मध्यस्थ पूर्व में ही नियुक्त कर लिया गया है। दिनांक 24.08.2018 को शुरू की गई मध्यस्थता कार्यवाही विफल रही और आर्बिट्रेशन से पहले एसआरईआई बुनियादी ढांचे द्वारा मध्यस्थता दावे प्रस्तुत किए जाएंगे। मेसर्स एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड को देय योग्य भुगतान के अतिरिक्त, एमएसपी ने 18% की दर से ब्याज की मांग की है। जोन–61, उत्तर प्रदेश हेतु अपनी याचिका में निर्दिष्ट ब्याज की राशि रु.2,32,69,467/– तथा जोन–62, उत्तर प्रदेश की रु.1,79,62,692/– है जो, नाइलिट केंद्र, चंडीगढ़ के

अधिकार क्षेत्र में था। ब्याज के अतिरिक्त, एमएसपी बैंक गारंटी के नवीनीकरण को ध्यान में रखते हुए लागत की भी मांग कर रहा है।

(ख) वर्तमान संपत्तियाँ, ऋण और अग्रिम

प्रबंध वर्ग की राय के अनुसार, वर्तमान परिसंपत्तियों, ऋण तथा पेशगियों को उस मूल्य पर बताया गया है जिस पर उसे व्यवसाय की सामान्य प्रक्रिया में प्राप्त किया जाएगा।

(ग) उपलब्ध सूचना के अनुसार, हम यह पुष्टि करते हैं कि संस्था सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 7(1) में निर्दिष्ट सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के अंतर्गत आने वाली किसी भी पार्टी को देय धनराशि प्राप्त नहीं की है। अभी तक, ऐसी पार्टियों को प्रबंधन द्वारा एकत्र की गई सूचना के आधार पर पहचाना जाता है तथा ऐसे में लेखा–परीक्षकों पर ही निर्भर है।

(घ) इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग के माध्यम से उनके पत्र संख्या एफएनओ 7(2) 2011–ईजी–1 दिनांक 05.04.2011 के द्वारा 17 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के संबंध में राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) के सृजन हेतु जनसांख्यिकीय डेटा डिजिटाइजेशन और बायो–मेट्रिक डेटा संग्रह का काम सौंपा है। आरजीआई ने अपने दिनांक 27.06.2012 डीओ संख्या 9/83/2010–सीआरडी (एनपीआर) के माध्यम से नाइलिट से जैव–मेट्रिक डेटा डिजिटलीकरण के कार्य को वापस ले लिया है।

(ङ) भारत के रजिस्ट्रार जनरल के कार्यालय ने राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर परियोजना के निष्पादन के लिए नाइलिट को रु.522.24 करोड़ की अग्रिम धनराशि जारी की थी। डाटा डिजिटाइजेशन (एनपीआर परियोजना) की कुल लागत लगभग रु.569 करोड़ है।

(च) डेटा डिजिटलीकरण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। अंतिम डिजिटाइज्ड डेटा अक्टूबर, 2013 के दौरान आरजीआई को सौंप दिया गया है। हालांकि, एमएसपी (प्रबंधित सेवा प्रदाता) को भुगतान पहले नहीं किया जा सका, क्योंकि, नाइलिट ने जमा किए गए बिलों के सापेक्ष आरएफक्यू (कोटेशन के लिए अनुरोध) के अनुसार जुर्माना लगाया था। एमएसपी द्वारा, जिसे एमएसपी द्वारा विवाद की श्रेणी में रखा गया था। इसके अतिरिक्त, आरजीआई (भारत के रजिस्ट्रार जनरल) द्वारा एलआरयूआर (सामान्य निवासियों का स्थानीय रजिस्टर) के सुधार को भी वापस ले लिया गया। जुर्माना और एलआरयूआर सुधार लागत के निपटारे से संबंधित मामला नाइलिट के सक्षम प्राधिकारी के समक्ष रखा गया था। सक्षम प्राधिकारी ने अनुमोदन दिया था, जैसाकि निम्नानुसार हैः

(i) एलआरयूआर सुधार लागत की कटौती के बाद एमएसपी को पारदर्शी और उत्तरदायी तरीके से भुगतान जारी किया जाना चाहिए, जिसे एमएसपी द्वारा उद्धृत डिजिटलीकृत दर का @4.3% निर्धारण किया गया है।

(ii) एलआरयूआर सुधारों के कारण कटौती की गई लागत को आरजीआई को वापस किया जाना है।

(iii) कार्यक्षेत्र में परिवर्तन और एलआरयूआर वापस लेने के कारण भुगतान से संबंधित नियम और शर्तों पर भी एमएसपी के साथ हुए समझौता–ज्ञापन को संशोधित करना।

(छ) सक्षम प्राधिकारी के निर्णयों के अनुसार, एलआरयूआर सुधारों के कारण लागत में की गई कटौती को "मौजूदा देयताओं और प्रावधानों" के अंतर्गत उप प्रमुख देयताएं–एलआरयूआर (एनपीआर) के अंतर्गत उत्तरदायी माना गया है।

(ज) रु.241.40 करोड़ की ब्याज धनराशि अर्जित/अप्रयुक्त अग्रिम राशि को देयताओं व आरजीआई से गिल्ड लाइनों की अनुपस्थिति में ब्याज आय के रूप में लेखांकित नहीं किए जाने के अंतर्गत निर्धारित किया है।

(i) मेसर्स कन्या सॉफ़्टटेक लिमिटेड, नई दिल्ली ने 6,23,24 तथा 27 जोन्स के शहरी क्षेत्रों के सामान्य निवासियों के लिए जनगणना डाटा डिजिटलीकरण तथा मध्यस्थ की नियुक्ति के लिए नाइलिट केंद्र, चंडीगढ़ और मेसर्स कन्या सोफ्टटेक लिमिटेड के बीच दिनांक 5 जनवरी, 2012 के समझौते के क्लॉज 8.2 के तहत हुए हस्ताक्षर की दिशा में विवाद के निपटारे के लिए दिनांक 16.08.2018 को चार अलग–अलग नोटिस जारी किए गए हैं। उल्लिखित नोटिस में पार्टी ने कार्य के निष्पादन में विलंब की दिशा में केंद्र द्वारा रु.3,36,76,262/– की कटौती की गैर प्रयोज्यता के बारे में उल्लेख किया है तथा इस क्रम में पूर्वकथित जुर्माने की कार्यवाही को चुनौती दी गई कि उनके द्वारा कार्य समय पर पूर्ण किया गया है।

(झ) एनपीआर परियोजना के संबंध में सभी एनपीआर प्रतिभागी नाइलिट केंद्रों द्वारा दिनांक 01.04.2012 को खातों की अलग–अलग पुस्तिकाओं का अद्यतन किया गया है और वित्त वर्ष 2012.2013 से अलग वार्षिक खाता तैयार किया गया है।

6. हम इस प्रकार पुष्टि करते हैं कि संस्था सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 7(1) में निर्दिष्ट सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के अंतर्गत आने वाली किसी भी पार्टी को देय धनराशि प्राप्त नहीं की है। अभी तक, ऐसी पार्टियों को प्रबंधन द्वारा एकत्र की गई सूचना के आधार पर पहचाना जाता है।

7. जहां भी आवश्यक हो, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनः समूहित या व्यवस्थित किए गए हैं।

8. आंकड़े रुपए के बराबर राउंड ऑफ किए गए हैं।

9. देनदार और लेनदारों, ऋण और अग्रिम, वर्तमान संपत्ति और वर्तमान देनदारियों को पुस्तिकाओं में उस मूल्य पर बताया गया है जो वसूली योग्य/देय है हालांकि, पार्टियों से पुष्टि प्रक्रिया में है।

10. विभिन्न केंद्र के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के संबंध में प्रबंधन के विवेक अनुसार केवल भौतिक नोट्स इन समेकित वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत किए गए हैं, गैर भौतिक नोटों के लिए प्रत्येक केंद्र लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों का संदर्भ लिया जा सकता है।

11. नाइलिट ने 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आयकर विभाग द्वारा जारी फॉर्म 26एएस के जरिए कर में की गई कटौती पर संराधन किए जाने की प्रक्रिया चल रही है।

12. केंद्र अल्पकालिक और दीर्घकालिक जमा के मामले में प्राप्तियाँ और भुगतान खातों की तैयारी में सुव्यवस्थित नीति का पालन नहीं करते हैं जिसके परिणामस्वरूप तुलन–पत्रों में दर्शायी गई राशि व दीर्घकालिक जमा के समापन शेष के बीच संराधन में अंतर होता है। इसके अतिरिक्त, दिनांक 31.3.2018 तक प्राप्तियाँ और भुगतान खाते में नकद और बैंक शेष राशि में ओपनिंग और क्लोजिंग के मध्य निश्चित रूप से संराधन अंतर है।

13. विभिन्न केंद्रों के डेटा एकीकरण के दौरान, श्रेष्ठतर और निष्पक्ष प्रस्तुति के लिए शीर्षक/समूहों को पुनः व्यवस्थित किया गया है।

ते जे.पी. चावला और कंपनी एलएलपी
(शासपत्रित लेखाकार)
एफआरएन 001875 एन/एन 50025

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : **28.09.2018**

(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

(सीए रजत चावला)
(भागीदार)
एम.सं. 510745

प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष

(राशि रुपए में)

क्र.सं	प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष	क्र.सं	भुगतान	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
I	**अथ शेष**			I	व्यय रू		
	क) पास में नकदी/अग्रदाय/स्टाम्प	1,91,89,557	1,06,557		क) स्थापना व्यय	72,50,30,083	59,95,70,514
	ख) बैंक शेष	-	-		ख) प्रशासनिक व्यय	61,29,95,998	45,75,97,476
	i) चालू खाताओं में	9,64,73,123	37,56,88,123				
	ii) बचत खाताओं मे	26,16,21,889	97,52,47,590				
	iii) अल्पावधि जमा में	3,54,46,22,595	5,12,62,88,148				
	iv) दीर्घावधि जमा में	1,62,03,63,445	1,61,37,01,711				
	v) दीर्घावधि जमा मे–इयरमार्क्ड निधियाँ	1,49,05,61,525	4,21,889				
	vi) दीर्घावधि जमा में–सहायता अनुदान निधि	-	-				
	vii) पास में चेक/ड्राफ्ट	-	-				
	viii) एनपीआर शेष	-					
II	**प्राप्त अनुदान**	-		II	**विभिन्न परियोजनाओं के लिए प्राप्त निधियों से किए गए**		-
	क) भारत सरकार से		-		**भुगतान (परियोजनाओं पर व्यय)**		
	i) योजनागत	14,73,52,521	-		i) डोनर (आईटीईएस)	99,377	-
	ii) पूर्वोत्तर परियोजना के लिए योजनागत निधि	39,16,80,728	59,53,72,132				
	iii) योजना भिन्न	3,30,51,946	5,76,00,000		ii) परियोजना व्यय के लिए पेशगियाँ	-	-
	iv) रिफर्बिशमंट निधि	-	-		iii) सूचना सुरक्षा कर्मियों का प्रमाणन	-	-
	v) अपराध विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना	-	-		iv) सूप्रौवि/विप्रौवि तथा अन्य परियोजनाएँ (अपनी सहित)	3,90,28,862	21,65,33,743
	vi) केन्द्रों से अन्तरित निधि	-	42,28,75,602		v) एम.टेक (एआईसीटीई परियोजनाएँ)	-	-
	एनपीआर परियोजना	4,94,14,937	1,10,818		vi) राज्य सरकार की परियोजनाएँ	-	-
	योजनागत निधि पर ब्याज	2,52,228	5,84,281				
	ख) राज्य सरकार से	32,47,291	4,73,330		पटना आरसी की स्थापना	-	
	ग) प्रायोजित परियोजनाओं के लिए प्राप्त	8,07,19,222	3,36,79,834		केन्द्रों को जारी निधियाँ	68,71,79,112	2,10,67,54,775
	i) डोनर (आईटीईएस)	-	-		विभिन्न परियोजनाओं के लिए केन्द्रों को जारी निधियाँ	7,31,44,000	47,58,897
	ii) डोनर (सूचना विज्ञान एवं कालेज के प्रमाणन के लिए)	-	-		परियोजनाओं पर व्यय	1,61,74,02,625	1,62,85,75,639
	iii) डीआईटी (सूचना सुरक्षा शिक्षण एवं जागरूकता के लिए)	23,82,100	1,09,23,000		एनपीआर परियोजनाओं पर व्यय	89,78,88,220	-
	iv) डीआईटी (महिला अधिकारिता)	-	-		मुख्यालय को वापसी	-	84,36,870
	v) एआईसीटीई, नई दिल्ली	-	-				
	vi) अन्यों से प्राप्त निधियाँ (राज्य सरकार तथा अन्य एजेंसियाँ)	7,52,29,200	-				
	vii) केन्द्रों को वितरण के लिए (योजनागत तथा योजना भिन्न)	-	-				
	ix) विभिन्न परियोजनाओं के लिए केन्द्रों को वितरण के लिए	1,43,72,34,246	65,01,86,812				
	x) ई–अधिगम	-	-				
	xi) आभासी परीक्षण परिवेश (वीटीई) सहित सूचना सुरक्षा कुशलता विकास के लिए परीक्षण स्थल का विकास	-	-				
	xii) डीआईटी (पटना आरसी की स्थापना)	-	-				
	xiii) डीआईटी (अनु.जा/ज.जा अनुदान)/एससीएसपी एवं टीएसपी	-	6,50,82,564				
	xiv) अन्य परियोजनाएँ	3,43,17,920	4,97,967				
III	**निम्नलिखित पर निवेश से आय**	-	-	III	**किए गए पूँजीनिवेश तथा जमा**		
	क) इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि	1,19,33,92,045	77,12,88,655		क) इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि से	3,03,89,06,818	2,73,89,51,475
	ख) अपनी निधियाँ (अन्य निवेश)	4,79,17,179	5,62,47,592		ख) अपनी निधियों से (निवेश–अन्य)	5,84,78,044	8,18,72,181
	ग) सहायता अनुदान	1,57,57,71,624	2,41,14,14,017		ग) सहायता अनुदान	2,01,30,43,264	1,75,70,56,706
	घ) अल्पावधि जमा	-			घ) अल्पावधि जमा	-	-

जारी.....

प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष

(राशि रुपए में)

क्र.सं	प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष		भुगतान	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
IV	**प्राप्त ब्याज**			IV	**स्थिर परिसम्पि ियों पर व्यय तथा निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य**		
	क) बैंक जमा राशि पर – सावधि जमा	34,85,66,276	37,72,18,902		क) स्थिर परिसम्पत्तियों की खरीद	56,48,16,417	17,96,10,451
	ख) बचत खाता पर	1,62,70,871	1,92,42,968		ख) पूँजीगत निर्माणाधीन कार्य पर व्यय	(28,73,85,637)	32,08,17,040
	ग) ऋण तथा अग्रिम आदि	6,55,83,769	7,50,26,288				
	घ) बचत खाता–एनपीआर परियोजना	10,66,18,460	11,83,30,838				
	ङ) एफडीआर पर अर्जित ब्याज	10,62,740	10,62,740				
V	**आय (निर्दिष्ट करें)**			V	**अतिशेष राशि/ऋण की वापसी**		
	फीस/अंशदान	1,00,71,61,248	74,13,75,233		क) भारत सरकार को	-	4,83,63,759
	सेवाओं से आय	1,05,10,42,723	88,17,35,471		ख) राज्य सरकार को	-	-
	परियोजनाओं से आय	87,49,90,075	85,83,06,212		ग) अन्य निधि प्रदाताओं को	-	2,00,00,000
	प्रकाशनों की बिक्री से आय	9,39,263	9,24,108				
	टाउनशिप से प्राप्तियाँ	29,93,803	27,37,649				
	विविध आय	2,27,84,266	1,55,89,513				
	जैव–सूचना प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों का कार्यान्वयन	-	-				
VI	**उधार में ली गई राशि**			VI	**वि ा प्रभार (ब्याज)**	-	-
	नाइलिट योजना से पेशगी	1,25,00,000	-				
	मुख्यालय से प्राप्त सॉफट ऋण	4,19,22,350	-				
VII	**कोई अन्य प्राप्ति**			VII	**अन्य भुगतान**		
	क) पास में चेक/ड्राफट	-	-		क) सुरक्षा जमा, काशन मनी, ईएमडी आदि	11,56,22,373	3,58,09,408
	ख) जमा प्राप्ति (एसडी,ईएमडी,सीएमडी आदि)	6,11,83,788	11,24,64,964		ख) ऋण तथा पेशगियाँ (आपूर्तिकर्ता, कर्मचारी)	32,08,52,216	58,43,67,733
	ग) वसूलियाँ/पेशगियों की वापसी	4,47,71,247	10,42,98,122		ग) विविध व्यय	1,61,24,220	1,86,19,710
	घ) सावधि जमा का नकदीकरण तथा पूँजीनिवेश से आहरण	5,56,00,319	1,00,00,000		घ) जारी लेकिन प्रस्तुत नहीं किए गए चेक	95,382	-
	ङ) विविध प्राप्तियाँ/प्रावधान	6,01,26,107	1,98,35,425		ङ) वेतन में कटौतियों का भुगतान	8,35,00,132	3,05,49,427
	च) फुटकर लेनदारों में वृद्धि/वर्तमान देयताएँ	42,29,62,428	37,17,91,028		च) फुटकर देनदारों/वर्तमान परिसम्पत्तियों में वृद्धि	5,91,47,647	28,14,23,076
	छ) फुटकर देनदारों में कमी	37,31,88,506	36,57,78,712		छ) फुटकर लेनदारों में कमी	36,79,12,117	30,23,69,260
	ज) अन्तर केन्द्र खाता	38,80,14,735	8,84,24,900		ज) अन्य देयताओं का भुगतान	32,66,47,561	18,02,89,261
	झ) जारी लेकिन प्रस्तुत नहीं किए गए चेक	6,18,791	98,439		झ) पंजीकरण फीस	3,06,500	1,53,800
	ञ) वर्ष में निगमित नकद तथा बैंक शेष	-	-				
	च) सेवा कर/आयकर/वैट/अन्य कर	3,39,82,384	1,53,37,659		ञ) गैर–प्रचालन व्यय	19,60,697	15,054
	छ) ईपीएफ/सीपीएफ	1,01,80,022	96,35,872		ट) प्रत्यायन व्यय	-	-
					ठ) अन्तर केन्द्र खाता	46,98,00,497	4,48,44,976
					ड) केन्द्रों को जारी अतिशेष राशि	94,90,118	-
					ढ) प्रदत्त सेवा कर	14,45,64,934	12,17,77,028
					ण) सीपीएफ न्यास को देय	2,10,51,711	1,54,70,962
				VIII	**इतिशेष**		-
					क) पास में नकदी/अग्रदाय/स्टाम्प	8,931	1,91,89,567
					ख) बैंक शेष	-	-
					i) चालू खाताओं में	24,51,48,280	10,07,03,203
					ii) बचत खाताओं में	81,70,06,145	25,73,91,802
					iii) अल्पावधि जमा में	2,50,17,84,395	3,57,47,68,428
					iv) दीर्घावधि जमा में	1,58,34,23,453	1,62,03,63,444
					v) दीर्घावधि जमा में–इयरमार्क्ड निधियाँ	-	-
					vi) सहायता अनुदान निधि के लिए दीर्घावधि जमा	-	-
					घ) एनपीआर खाता – पास में नकदी	-	-
					ङ) एनपीआर खाता – बैंक शेष	-	-
	योग	**17,12,50,74,492**	**17,35,70,05,665**		योग	**17,12,50,74,492**	**17,35,70,05,665**

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 28.09.2018

(चमन शर्मा)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

(सीए रजत चावला)
(भागीदार)
एम.सं. 510745

संक्षिप्ताक्षर

एआईसीटीई अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद। **बीसीए** कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में स्नातक। **बीआई–ए** जैव–सूचना विज्ञान–ए स्तर। **बीआई–ओ** जैव–सूचना विज्ञान–ओ स्तर। **बीपीओ** व्यवसाय प्रक्रिया आउटसोर्सिंग। **बीसीसी** मूलभूत कम्प्यूटर पाठयक्रम। **सीएसएसपी** प्रमाणित प्रणाली सुरक्षा कार्मिक। **सीसीएफपी** प्रमाणित कम्प्यूटर फोरेन्सिक कार्मिक। **सीआईएसएसए** प्रमाणित सूचना प्रणाली सुरक्षा ऑडिटर। **सीएसएसएसडी** प्रमाणित प्रणाली सुरक्षा समाधान डिजाइनर। **सीवीओ** मुख्य सतर्कता अधिकारी। **सीसीसीए** कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में सर्टिफिकेट पाठयक्रम। **सीएचएम–ओ स्तर** कम्प्यूटर हार्डवेयर अनुरक्षण–ओ स्तर। **सीएचएम–ए स्तर** कम्प्यूटर हार्डवेयर अनुरक्षण–ए स्तर। **सीसीसी** कम्प्यूटर अवधारणा पाठयक्रम। **ईसीसी** विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम। **सीईडीटीआई** भारतीय इलेक्ट्रॉनिकी डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र। **डीपीआर** विस्तृत परियोजना रिपोर्ट। **डीईपीएम** इलेक्ट्रॉनिकी उत्पादन एवं प्रबंध में डिप्लोमा। **डीओएनइआर** पूर्वोत्तर क्षेत्र विभाग। **डीआईटी** सूचना प्रौद्योगिकी विभाग। **ईएसडीएम** इलेक्ट्रॉनिकी प्रणाली डिजाइन एवं विनिर्माण। **एचटीसीएस** हार्डवेयर तकनीकी परामर्श योजना। **आईसीटी** सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी। **आईईसीटी** सूचना इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार प्रौद्योगिकी। **आईटीईएस** सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाएँ। **आईटी** सूचना प्रौद्योगिकी। **जे एण्ड के** जम्मू तथा कश्मीर। **एमईआईटीवाई** इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय। **एमसीए** कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में निष्णात। **नाइलिट** राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान। **एनसीपीयूएल** राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद। **एनपीआर** राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर। **पीजीडीसीए** कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा। **पीएसयू** सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम। **पीएमसी परियोजना प्रबंध परामर्शदाता**। **आरजीआई** भारत के महापंजीयक। **आरएण्डडी** अनुसंधान एवं विकास। **एससी** अनुसूचित जाति। **एसटी** अनुसूचित जनजाति। **वीएलसी** आभासी अधिगम केन्द्र। **एनडीएलएम** राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन। **एनबीसीसी** राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम। **सीपीडब्ल्यूडी** केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग। **एमबी** प्रबंध बोर्ड। **जीसी** अधिशासी परिषद। **एफ एण्ड ए** वित्त एवं लेखा समिति की बैठक।

jk"Vªh; byDVªkfudh ,oa lwpuk izkS|ksfxdh laLFkku ¼ukbfyV½

इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार

नाइलिट भवन, प्लॉट नं. 3, पीएसपी पॉकेट, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर–8, द्वारका, नई दिल्ली–110 077
हेल्पलाइन नं. (टॉल फ्री) 1800116511 फोन : 91-11-25308300 फैक्स : 91-24363335 वेबसाइट: http://www.nielit.gov.in